धनबाद
गुरूवार 13.03.2025
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-22 पृष्ठ-12
फाल्गुन शुक्ल पक्ष-14
संवत 2081

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

हेमंत कैनिबेट की बैठक में 31 एजेंडों पर लगी मुहर, सिपाही बहाली में अब नहीं लगानी होगी 10 किलोमीटर की दौड़

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आज कैबिनेट की बैठक हुई. इस बैठक में कुल ३१ प्रस्तावों पर मुहर लगी. राज्य सरकार ने खनिजों पर सेस बढ़ाने का फैसला लिया है. साथ ही पीजी पास एमबीबीएस छात्रों को छूट देने का निर्णय लिया है. साथ ही सिपाही बहाली की नियमावली में भी संशोधन किया है.

सिपाही, उत्पाद सिपाही, कक्षपाल और होमगार्ड की नियुक्ति नियमावली में संशोधन करते हुए शारीरिक मापदंड में भी बदलाव किया गया है. इसके तहत सामान्य वर्ग, आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा के उम्मीदवारों की ऊंचाई १६७ सेंटीमीटर और सीने की चौड़ाई ८१ सेंटीमीटर निर्धारित की गयी है. एसटी-एससी के लिए ऊंचाई १५५ सेंटीमीटर और सीने की चौड़ाई ७९ सेंटीमीटर निर्धारित की गयी है.

महिलाओं के लिए न्यूनतम ऊंचाई १४८ सेंटीमीटर निर्धारित की गयी है. वहीं पुरूष के शारीरिक दक्षता में भी परिवर्तन किया गया है. अब पुरुष उम्मीदवार को १६०० मीटर (एक मील) छह मिनट में दौड़ना होगा. जबकि महिलाओं को १६०० मीटर १० मिनट में दौड़ना होगा.

आंधी तूफान और लू आपदा घोषित

झारखंड सरकार ने आंधी-तूफान और लू को राज्य की विशिष्ट स्थानीय आपदा घोषित किया है. इस निर्णय के अनुसार, इन आपदाओं के कारण जान गंवाने वाले लोगों के आश्रितों को गृह मंत्रालय, भारत सरकार के मापदंड के अनुसार, सहायता राशि प्रदान की जायेगी. इसके अलावा, दुधारू पशुओं, गैर दुधारू पशुओं और दुलाई के लिए उपयोग की जाने वाले पशुओं की मारपाई के लिए भी सहायता राशि दी जाएगी.

बिरसा मुंडा जैविक उद्यान में स्थापित होगी बिरसा मुंडा की प्रतिमा

बिरसा मुंडा जैविक उद्यान में तांबे की नौ फीट की बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित होगी. इसके लिए नोएडा के मेसर्स रामसुतार का मनोनयन किया गया है. इस पर २५ लाख रुपये खर्च किए जाएंगे. वहीं एकीकृत बिहार के पंचायत निगम लिमिटेड के २६ कर्मियों का भुगतान २००६ से १५ नवंबर २०११ तक का किया जायेगा. इस पर ३८ लाख रुपए का व्यय होगा.

पीजीटी और एससी-एसटी के आश्रम विद्यालय, पीवीजीटी के प्रायमिक विद्यालय सहित १३ आवासीय विद्यालय एनजीओ से संचालित करने के लिए अवधि घटाने की स्वीकृति दी गयी. जनवितरण प्रणाली की दुकानों में फोर जी ई-पॉश मशीन के लिए मेसर्स लिंकवेयर और इंट्रिग्रा को अगामी आठ महीने तक सर्पोट देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गयी.

मेडिकल कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रम के बाद सेवा नियम में बदलाव

अब मेडिकल कॉलेज में पीजी पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद ३ वर्ष की सेवा देने के नियम में बदलाव किया गया है. यदि कोई मेडिकल छात्र तीन वर्ष की सेवा नहीं देना चाहता है, तो उन्हें ३० लाख रुपये और छात्रवृत्ति एवं अन्य भत्ते ▶▶ 8

मंत्री इरफान अंसारी ने 166 लोगों को सौंपा नियुक्ति पत्र, बोले- जल्द होगी 10 हजार बहाली

रांची (एजेंसी): स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने आज विभाग के नवनियुक्त कर्मियों के बीच नियुक्ति पत्र वितरण किया। बता दें कि सभी कर्मचारी की बहाली अनुबंध पर की गई है। इस कार्यक्रम में कुल १६६ लोगों को नियुक्ति पत्र दिया गया। आज के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, चिकित्सा पदाधिकारी, ओटी टेक्नीशियन और दंत चिकित्सक के पदों पर नियुक्त किया गया है। मंत्री इरफान अंसारी ने इस दौरान कहा झारखंड में बहुत जल्द स्वास्थ्य विभाग में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। डॉक्टर की कमी से भी सरकार जल्द निपटेगी। आने वाले समय में स्वास्थ्य विभाग और भी नियुक्ति करने जा रही है। सभी जिले से रिक्रायरमेंट मांगा गया है। आने वाले समय में करीब १० हजार नियुक्ति होने जा रही है। रिटायर्ड डॉक्टर की भी सेवा लिया जाएगा। कॉलेज में पढ़ने के बाद ३ साल काम करना पड़ेगा। ऐसा नियम बनाया जाएगा।

रिम्स के लोड को कैसे कम किया जाए इसपर भी विभाग काम कर रही है। आने वाले दिनों में कई मेडिकल कॉलेज, डॉक्टर की सीट भी बढ़ाए जाएंगे। हर पंचायत में बनेंगे मेडिकल कॉलेज। उन्होंने कहा कि -ख टेक्नोलॉजी रोबोटिक टेक के मदद से झारखंड के लोगों का इलाज होगा। जल्द मेडिकल कॉलेज में रोबोटिक सर्जरी होगी। १०८ एंबुलेंस के संख्या में बढ़ेगी। बाइक एंबुलेंस की भी व्यवस्था की जा रही है ताकि जहां बड़ी एंबुलेंस नहीं जा सकती वहां बाइक एंबुलेंस का इस्तेमाल किया जाएगा। हर जिले में हेलिकॉप्टर एंबुलेंस की सेवा शुरू होगी। प्राइवेट हॉस्पिटल में मरीज के मरने के बाद अनाप शनाप बिल दे देते है। ये परिजन की लिए पीड़ादायक होता है। प्राइवेट हॉस्पिटल को मरीजों के प्रति सहानुभूति ▶▶ 8

अप्रैल से नहीं होगी मॉर्निंग कोर्ट में सुनवाई, हाईकोर्ट ने जारी की सूचना

रांची (एजेंसी): इस वर्ष जिला अदालतों में सुनवाई का समय नहीं बदलेगा. दरअसल हर वर्ष रांची सिविल कोर्ट समेत झारखंड के सभी जिला न्यायालयों में अप्रैल से मॉर्निंग कोर्ट में मुकदमों की सुनवाई होती थी. लेकिन अब झारखंड हाईकोर्ट ने पत्र जारी कर डे कोर्ट में ही सुनवाई जारी रखने की सूचना जारी कर दी है.

डे कोर्ट में अदालत के कामकाज का समय सुबह १०:३० से लेकर शाम के ५ बजे तक निर्धारित किया गया है. पहले करीब दो महीने से ज्यादा समय से मॉर्निंग कोर्ट में सुनवाई चलती थी. लेकिन अब ऐसा नहीं होगा.

मणिपुर में अलग-अलग घटनाओं में 12 उग्रवादी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर में पिछले २४ घंटों में अलग-अलग घटनाओं में १२ उग्रवादी गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार उग्रवादियों के पास से हथियार भी बरामद हुए हैं। बरामद हथियारों में ७.६२ मिमी एसएलआर के साथ मैगजीन, ५.५६ मिमी इंसास राइफल, २२ राइफल, २ बोर डबल बैरल बंदूक, हैंड ग्रेनेड, स्टन ग्रेनेड शामिल हैं। ये हथियार इंफाल पूर्वी जिले के इरिलबुंग-पीएस के अंतर्गत केइराओ वांगखेम से बरामद किए हैं।

पुलिस ने कहा कि मादक पदार्थ के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान संदीप देसवाल के रूप में हुई है, जो सेनापति जिले के सेनापति-पीएस के अंतर्गत एनएच-२ के टी खुल्लेन में १७.३४ किलोग्राम अफीम ले जा रहा था। सुरक्षा बलों ने इंफाल पश्चिम जिले के लामसांग-पीएस के

अंतर्गत तेरा उराक स्थित केसीपी के एक फार्म हाउस अस्थायी शिविर से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के सात सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

मणिपुर पुलिस ने बिष्णुपुर जिले से पीआरईपीएके के एक कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य घटना में सुरक्षा बलों ने केसीपी (ताइबंगनबा) समूह के एक कैडर को गिरफ्तार किया। एक अन्य संयुक्त अभियान में मणिपुर पुलिस और जीआर ने इंफाल पूर्वी जिले से केवाईकेएल के एक सक्रिय ▶▶ 8

बीएसएफ जवानों का वाहन खाई में गिरा, 3 की मौत, 13 घायल

मणिपुर में बेस कैंप लौट रहा वाहन हुआ हादसे का शिकार

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर के सेनापति जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जहां बीएसएफ जवानों को ले जा रहा एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। इस दुर्घटना में ०३ जवानों की मौत हो गई, जबकि १३ अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी अनुसार मणिपुर के सेनापति जिले में बीएसएफ जवानों को ले जा रही गाड़ी अचानक खाई में जा गिरी। इस हादसे में ०३ जवानों की मौत हो गई, जबकि १३ जवान गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह दर्दनाक हादसा

इंफाल-दीमापुर नेशनल हाईवे पर चांगौबंग गांव के करीब शाम ४ बजे हुआ। हादसे का शिकार हुए सभी जवान एक ही बटालियन के बताए गए हैं। इनकी तैनाती नगालैंड के झादिमा में रही जबकि मणिपुर के हालात बिगड़ने के बाद इन्हें राज्य में तैनात किया गया था। बताया जा रहा है कि हादसा तब हुआ जबकि जवान अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद कांगपोकपी से आईआईआईटी, मयांगखांग स्थित बेस कैंप में वापस लौट रहे थे। सूत्रों की मानें तो गाड़ी ओवरलोडेड थी, और चालक का संतुलन बिगड़ जाने के बाद वाहन गहरी खाई में गिर गया।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं।

सीमा पर फायरिंग एक जवान घायल

श्रीनगर (ईएमएस): जम्मू में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में सीमा पार से हुई गोलीबारी में सेना का एक जवान घायल हो गया। जवान की पहचान मन कुमार बेगा के रूप में हुई है। वह गोरखा रेजीमेंट का है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि बॉर्डर पार से स्नाइपर अटैक हुआ है। एलओसी पर ब्लास्ट भी हुआ, जिसके बाद तीन राउंड फायरिंग हुई। फिलहाल सेना ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। पिछले २० दिनों में एलओसी पर फायरिंग की ये पहली घटना है। दरअसल २१ फरवरी को भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच फ्लैग मीटिंग हुई थी।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति वेंस और खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड आएंगे भारत

नई दिल्ली (ईएमएस): नई अमेरिकी सरकार के दो बड़े अधिकारी भारत की यात्रा पर आने वाले हैं। अगले हफ्ते अमेरिकी खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड भारत आएंगी। इसके बाद मार्च के आखिरी सप्ताह में उप राष्ट्रपति जेडी वेंस पत्नी उषा वेंस के संग भारत आएंगे।

अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड एशिया की यात्रा पर जा रही हैं। अगले सप्ताह भारत में एक सुरक्षा सम्मेलन में वह शामिल होंगी। सोमवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में गबार्ड ने घोषणा की कि वह जापान, थाईलैंड और भारत की यात्रा कर रही हैं और वापस अमेरिका लौटते समय फ्रांस जाएंगी। ट्रंप प्रशासन में शामिल होने के बाद यह उनकी दूसरी यात्रा है।

नेशनल इंटेलिजेंस की डायरेक्टर बनने के बाद उन्होंने जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। नई दिल्ली में ▶▶ 8

शुभेंदु के बयान पर ममता का पलटवार, मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी की टिप्पणी की आलोचना की। सीएम ममता ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह रमजान के पवित्र महीने में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है ताकि आर्थिक और

व्यापारिक मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। विधानसभा में सीएम बनर्जी ने कहा, लोकतंत्र स्थायी है, लेकिन कुर्सी नहीं। कुर्सी का सम्मान करें।

वे सांप्रदायिक बयान देकर देश का ध्यान आर्थिक और व्यापारिक पतन से भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं एक हिंदू हूं और मुझे भाजपा से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है।

बीजेपी नेता अधिकारी के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा, हमें संकल्प लेना चाहिए और एक धर्म को नीचा दिखाने वाले बयान की निंदा करनी चाहिए। ममता ने कहा, हिंदुओं की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है, सिर्फ आपकी नहीं।

यह इस कुर्सी की जिम्मेदारी है। यह टिप्पणी राज्य में चल रहे राजनीतिक तनाव के बीच आई है, जिसमें भाजपा और टीएमसी धार्मिक और शासन के मुद्दों पर तीखी नोकझोंक कर रहे हैं। भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा था, सबसे पहले मैं बिमान बंधोपाध्याय (स्पीकर) को हराऊंगा, ▶▶ 8

वन नेशन वन इलेक्शन कराने के लिए मोदी सरकार के खिलाफ हुए पूर्व सीजेआई गोगोई

नई दिल्ली (ईएमएस): राज्यसभा सांसद एवं पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई वन नेशन वन इलेक्शन कराने के प्रधानमंत्री मोदी की सरकार के रुख के खिलाफ है। दरअसल, वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर बनाए जाने वाले कानून से पहले जस्टिस गोगोई ने यह राय दी है। इस प्रस्तावित कानून से संबंधित विधेयक संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास है। इसको लेकर हुई संसदीय समिति की बैठक में रंजन गोगोई ने अपनी राय रखी है, जो सरकार के रुख से अलग है।

जस्टिस गोगोई ने कहा कि चुनाव आयोग को किसी राज्य के विधानसभा के कार्यकाल का निर्णय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। गोगोई ने संसद की संयुक्त समिति के साथ तीन घंटे की चर्चा में एक साथ ▶▶ 8

नौसेना के लिए भारत 26 नए राफेल विमान की खरीदी करेगा

दसॉ एविएशन भारत में असेंबली लाइन लगाने की तैयारी में

नई दिल्ली (ईएमएस): भारतीय नौसेना फ्रांस की राफेल से अपने पुराने मिग २९ लड़ाकू विमानों को बदलने की तैयारी में है। नौसेना के लिए भारत २६ नए राफेल विमान की खरीदी करेगा। इस सौदे की आधिकारिक घोषणा अप्रैल २०२५ में होने की उम्मीद है, जब फ्रांसीसी रक्षा मंत्री भारत आएंगे। पूरे सौदे की कीमत करीब ७.६ अरब डॉलर होगी। ये नए राफेल एम विमान, पुराने एमआईजी-२९के और एमआईजी-२९ केयूबी विमानों की जगह लेने वाले हैं। ये पुराने विमान अभी नौसेना के ३०० स्क्वाड्रन व्हाइट टाइगर्स और ३०३ स्क्वाड्रन ब्लैक पैंथर्स में इस्तेमाल हो रहे हैं। नए राफेल जेट आईएनएस विक्रांत और आईएनएस विक्रमादित्य नाम के एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भर सकते हैं। ये विशाल जहाज समुद्र में तैरते हुए हवाई अड्डे की तरह होते हैं।

इन २६ राफेल विमानों में से २२ राफेल एम विमान है। ये खासतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर से उड़ान भरने के लिए डिजाइन किए गए हैं। बाकी के चार विमान राफेल बी ट्रेनर विमान है। ये दो सीट वाले विमान होते हैं, जिनका इस्तेमाल पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए होता है। ▶▶ 8

उत्तराखंड के पर्यटन स्थलों का प्रचार करने वाले को मिलेगा लाखों का इनाम

देहरादून (ईएमएस): उत्तराखंड के देवी-देवताओं के मंदिर, ट्रैकिंग रूट, परंपरागत व्यंजनों को सोशल मीडिया के जरिए देश और दुनिया तक पहुंचाने पर लाइक, कमेंट के साथ लाखों के ईनाम जीतने का मौका मिलने वाला है। धामी सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के सुझाव पर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर, यूजर्स के लिए राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित कर रही है। इसमें सर्वश्रेष्ठ व सर्वाधिक प्रसारित वीडियो को ५ से १० लाख रुपए तक इनाम दिया जाएगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने पर्यटन और सूचना विभाग को प्रतियोगिता का खाका तैयार करने को कहा है। डीजी-सूचना ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए कुछ श्रेणियां बनाई गई हैं जबकि कुछ नए क्षेत्र भी तलाशे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो वीडियो-फिल्म सबसे ज्यादा प्रसारित होगी और उसका प्रभाव नजर आएगा, उन्हें पुरस्कार की श्रेणी में रखा जाएगा।

सौहार्द्र और शांतिपूर्ण ढंग से होली मनाएं झारखण्डी:मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो

बिहार ऑबजर्वर अखबार कार्यालय आकर सम्पादक और पत्रकारों से मिलकर दी होली की शुभकामना

धनबाद (कासं) : झारखण्ड विधानसभा के मुख्य सचेतक कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त टुण्डी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने होली के अवसर पर सम्पूर्ण झारखण्ड वासियों को शुभकामना देते हुए कहा है

धनबाद के विकास के लिए विधानसभा से लेकर सीएम हेमंत सोरेन तक वार्ता किया है मथुरा प्रसाद महतो ने

कि होली रंगों का त्योहार है इसे सौहार्द्र और शांतिपूर्ण ढंग से मनाएं। झारखण्ड विधानसभा का सत्र होली के अवकाश के कारण ४ दिनों तक विधायकों और अधिकारियों की छुट्टी है। हर विधायक और मंत्री अपने क्षेत्रों में जाकर होली और अनजान की शुभकामनाएं दे रहे हैं। व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी झारखण्ड विधानसभा के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने धनबाद जोड़ाफाटक रोड स्थित दैनिक अखबार बिहार ऑबजर्वर के कार्यालय में आकर बिहार ऑबजर्वर के प्रबंध निदेशक राजेन्द्र कुमार अग्रवाल और अखबार के सम्पादक गणेश मिश्रा उप सम्पादक शिवशंकर साहनी और

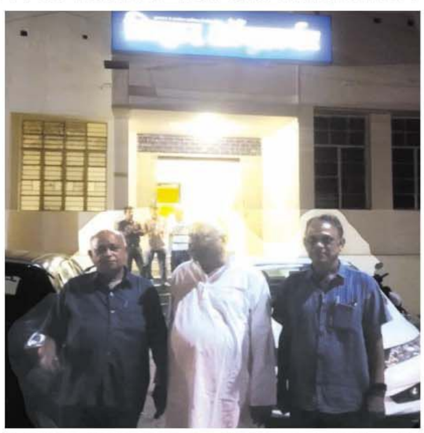

गौरव मोदक, मनोज सिंह, राम कुमार, बीरेन्द्र मंडल, कालीकांत मल्लिक सहित सभी बिहार ऑबजर्वर अखबार के कर्मचारियों को होली की बधाई दी। इसके पहले धनबाद प्रेस क्लब में भी होली मिलन समारोह में मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो सम्मिलित हुए थे। श्री महतो ने तमाम धनबादवासियों और टुण्डी क्षेत्र के जनता को होली की शुभकामना देते हुए कहा है कि इस विधानसभा के सत्र में धनबाद जिले के विकास की योजनाओं को रखा है। धनबाद औद्योगिक नगरी को विकास के आयाम तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से धनबाद के विधि-व्यवस्था पर भी चर्चा हुई है। सीएम ने डीजीपी अनुराग गुप्ता को धनबाद पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया है। सत्ताधारी पार्टी और झारखण्ड विधानसभा के मुख्य सचेतक मथुरा प्रसाद महतो को बिहार ऑबजर्वर के सम्पादक गणेश मिश्रा ने भी बधाई दी। व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी मुख्य सचेतक श्री महतो जनता से मिलकर उनकी समस्याओं को सुन रहे हैं और उसे समाधान कर रहे हैं।

शांतिपूर्ण होली संपन्न कराने को ले जिला प्रशासन ने कसी कमर

• सुरक्षा की दृष्टिकोण से 7 जोन में बांटा जिला • 45 थाना क्षेत्रों में रहेगी विशेष निगरानी

धनबाद (कासं) : शांतिपूर्ण तथा सौहार्दपूर्ण वातावरण में होली संपन्न कराने के लिए उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) पीयूष सिन्हा ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले को कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी ज़ोन में बांटा है।

सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी तथा सभी थाना व ओपी में पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे। साथ ही सभी थाना क्षेत्र में पुलिस का मोटरसाइकिल दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। होली पर १३ मार्च को दोपहर २ बजे से १६ मार्च की सुबह ६ बजे तक जिला नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में रहेंगे। जबकि डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार पुलिस पदाधिकारी के वरीय प्रभार में रहेंगे। होली पर मादक पदार्थ एवं शराब की अवैध बिक्री करने वालों पर कार्रवाई करने के लिए सभी उत्पाद निरीक्षक तथा अवर उत्पाद निरीक्षक कंट्रोल रूम में मौजूद रहेंगे। इससे संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर कंट्रोल रूम से दंडाधिकारी एवं पुलिस के साथ संबंधित स्थल पर पहुंचकर कार्रवाई करेंगे।

धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोड़ापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना तथा भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनीडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपुरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धर्माबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गल्फरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी के लिए पुलिस पदाधिकारियों के साथसाथ दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है।

वहीं धनबाद थाना, बैंक मोड़, सरायढेला, झरिया, निरसा, गोविंदपुर, टुंडी, बाघमारा, कतरास सहित ४५ थाना क्षेत्र में विशेष निगरानी रखी जाएगी। होली पर पुलिस का मोटरसाइकिल दस्ता लगातार भ्रमणशील रहेगा। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, साइबर डीएसपी, साइबर थाना प्रभारी, व्हाट्सएप ग्रुप सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगातार नजर रखी जायेगी।

होली पर सेंट्रल हॉस्पिटल तथा शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल के सुपरिटेंडेंट को इमरजेंसी वार्ड में चिकित्सकों की टीम प्रतिनियुक्ति करने का आदेश दिया गया है। जबकि सिविल सर्जन को जिला नियंत्रण कक्ष में पालीवार मेडिकल टीम, सभी आवश्यक जीवन रक्षक दवाओं के साथ, प्रतिनियुक्त करने तथा जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्रों में २४ घंटे चिकित्सक, एएनएम सहित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आदेश है। संयुक्त आदेश में पेयजल आपूर्ति, साफ सफाई, विद्युत आपूर्ति, चिकित्सीय सुविधा सहित अन्य विषयों को लेकर दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।

विधि व्यवस्था को लेकर डीसीएसएसपी ने किया फ्लैग मार्च

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी

मिश्रा तथा वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने बुधवार की संध्या प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ जिले में फ्लैग मार्च किया। इसकी शुरुआत समाहरणालय से की गई। समाहरणालय से टीम बरवाअड्डा, गोविंदपुर पहुंची। इसके बाद साहिबगंज रोड से गोविंदपुर, सरायढेला, स्टील गेट, आईआईटी आईएसएम, रणधीर वर्मा चौक, नया बाजार, बैंक मोड़ से धनसार पहुंची। धनसार में पदाधिकारियों ने पैदल मार्च कर लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की। इसके बाद भगतडीह, कतरास मोड़, थाना मोड़ झरिया, ऊपर कुल्ही, इंदिरा चौक, कतरास मोड़ होते हुए सिमला बहाल, अलकुशा, केंदुआ बाजार, कुसुण्डा, करकेंद, एकड़ा, लोयाबाद, अंगारपथरा से कतरास थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया।

कतरास के पचगढ़ी बाजार, थाना मोड़, रानी बाजार, स्वास्तिक टॉकिज चौक, सिनेमा रोड, छाताबाद में भी फ्लैग मार्च किया। यहां से पदाधिकारियों ने राजगंज और तोपचांची में फ्लैग मार्च किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने तथा जिला स्तरीय शांति समिति में जिला प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने की अपील की। फ्लैग मार्च में सिटी एसपी अजीत कुमार, एडीएम लॉ एण्ड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, डीएसपी मुख्यालय १ शंकर कामती, डीएसपी ट्रैफिक अरविन्द कुमार सिंह, डीएसपी सीसीआर सुमित कुमार, साइबर डीएसपी संजीव कुमार सहित संबंधित थाना क्षेत्र के थाना प्रभारी मौजूद थे।

डीएवी में छात्रों के लिए प्रीहोली उत्सव

केन्दुआ (ससे) : डीएवी पब्लिक स्कूल कुसुंडा में बुधवार को विद्यालय के प्राचार्या झूमा महता की देखरेख में जूनियर विंग के छात्रों के लिए प्रीहोली उत्सव पर प्रात:कालीन प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हर्षोल्लास, रंगों और उत्साह से भरा हुआ था, जहाँ नन्हें विद्यार्थियों ने हिंदी एवं अंग्रेज़ी में कविताओं का पाठ किया और भाषण दिए।

मंच पर छात्रों के द्वारा प्रस्तुत होली पर आधारित कविताओं ने वातावरण को उत्साहपूर्ण बना दिया। उनकी कविताओं ने होली की सांस्कृतिक महत्व और इसके उल्लासमय स्वरूप को दर्शाया। इसके बाद, छात्रों ने हिंदी और अंग्रेज़ी भाषण के माध्यम से सौहार्द्र और पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने अपने वक्तव्यों में बताया कि होली केवल रंगों का त्योहार ही नहीं, बल्कि प्रेम, एकता और सद्भावना का प्रतीक भी है। प्राचार्य ने अपने प्रेरणादायक शब्दों से बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें होली को प्रेम और भाईचारे के साथ मनाने तथा जलसंरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षिकाओं का अहम् योगदान रहा।

ग्राहक की पीटपीटकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

धनबाद (कासं) : मिक्सर ग्राइंडर रिपेयरिंग को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति की पीटपीटकर हत्या कर दी गई है। घटना धनबाद के बैंक मोड़ थाना क्षेत्र के शांति भवन के तिवारी गली के समीप हुई है। मृत शख्स की पहचान आस नारायण भारती के रूप में की गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच अस्पताल भेज दिया है।

मृतक के परिजनों ने बताया कि आस नारायण का भतीजा आर्यन मिक्सी रिपेयरिंग दुकान चलाता है। तिवारी गली खटाल के रहने वाले सिद्धनाथ यादव ने उसे मिक्सी रिपेयरिंग के लिए दी थी, लेकिन उसने मिक्सी मशीन रिपेयरिंग कर नहीं लौटाई थी। इस बात से नाराज होकर सिद्धनाथ यादव घर पर पहुंच गया और आर्यन से पैसे की मांग करने लगा। साथ ही गाली-गलौज करते हुए वह आर्यन के साथ मारपीट करने लगा। इस बीच सिद्धनाथ यादव के रिश्तेदार रवि यादव, बच्चा यादव, मनोज यादव और राज यादव भी घर में आ धमके। सभी लोग मिलकर मारपीट करने लगे। इस क्रम में नारायण अपने भतीजे आर्यन को बचाने के लिए पहुंचे। इस दौरान उनके ऊपर भी लाठीडंडे से हमला कर दिया गया। इस कारण उनकी मौत हो गई है। परिजनों ने सिद्धनाथ यादव और उसके रिश्तेदारों पर घर में रखी नकदी और सोने की चेन लूट ले जाने का भी आरोप लगाया है।

वहीं, मामले को लेकर बैंक मोड़ थाना प्रभारी लव कुमार ने कहा कि मिक्सी मशीन को लेकर आपस में विवाद हुआ था। जिसे लेकर मारपीट की घटना हुई थी। मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक को हार्ट और बीपी की बीमारी थी। मृतक की पत्नी निर्मला देवी के द्वारा लिखित शिकायत की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले का खुलासा हो सकेगा।

सामाजिक कार्यकर्ता आशीष सिंह ने मंत्री नित्यानंद राय से की मुलाकात

धनबाद (कासं) : बुधवार को सिंदरी के सामाजिक कार्यकर्ता आशीष सिंह सूर्यवंशी ने अपने सहयोगी अंकित शुक्ला के साथ नई दिल्ली में भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय से

औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने धनबाद कोलफील्ड बेल्ट में माफियाओं द्वारा संचालित अवैध कोयला खनन की समस्या पर चर्चा की और इसकी रोकथाम के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल तथा अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ाने की आवश्यकता जताई। उल्लेखनीय है कि बीते एक एवं दो मार्च को कृत्रिम लोकसभा की कार्रवाई के दौरान राष्ट्रीय युवा संसद में आशीष को कोयला मंत्री का पोर्टफोलियो मिला था। उस दिन सदन में विपक्ष सांसदों की भूमिका में उपस्थित युवाओं ने धनबाद में बड़े पैमाने पर संचालित अवैध कोयला उत्खनन एवं कोयला माफियाओं से पुलिस प्रशासन की मिली भगत पर प्रश्न भी उठाया था।

मुलाकात के दौरान अशीष ने अपने सामाजिक कार्यों की जानकारी भी मंत्री को दी और युवा संसद में हुई चर्चाओं से अवगत कराया। उन्होंने धनबाद की खदानों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की, जिससे कोयला खनन को पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जा सके। आशीष की यह मुलाकात युवा नेतृत्व की भूमिका को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा सकती है। मंत्री ने इस विषय पर गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया।

विद्यालय में होली मिलन का आयोजन

महुदा (ससे) : धनबाद जिला के बाघमारा प्रखण्ड अंतर्गत धर्माबाँध पंचायत के नया प्राथमिक विद्यालय सूर्याडीह विद्यालय के छात्र छात्राएं व शिक्षक ने मिलकर होली मिलन समारोह का आयोजन कर छात्र छात्राएं वो विद्यालय के शिक्षक ओर रसोईया ने मिलकर होली खेली, विद्यालय के प्रधानाध्यापक संजय सिंह ने कहा होली त्योहार हर दुख एवं दर्द को भुलाकर आपसी एकता को बनाये रखने के लिए रंगों का त्योहार मनाया जाता है, विद्यालय के बच्चे भी अपने गांव घर में मिलकर रंगों का त्योहार होली अच्छी तरह से

मनाये यही शुभकामनाएं दी जाती है। होली मिलन समारोह में प्रधानाध्यापक संजय सिंह, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष मानु देवी, उपाध्यक्ष लक्ष्मी देवी, संयोजिका अनिता देवी, रसोईया जानकी देवी, शांति देवी, सदस्य धीरन सिंह, हराधन राय, कल्याणी देवी, रीता देवी, सरिता देवी आदि मौजूद थे।

नेत्रहीन बच्चों के साथ मनाई गई रंगों की होली

धनबाद (कासं) : शैलपुत्री कात्यायनी फाउंडेशन ने आज ब्लाइंड स्कूल, सरायढेला, धनबाद में नेत्रहीन बच्चों के साथ होली का पर्व उत्साह और उमंग के साथ मनाया।

संस्था की संस्थापक एवं निदेशक, डॉ. पूजा, निर्देशक सिद्धार्थ दास, बच्चों के देखरेखकर्ता राजेश महतो, और डॉ. पूजा की पुत्री ओरेन दास इस आयोजन में उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के साथ मिलकर रंगों, मिठाइयों और उपहारों का आदानप्रदान किया, जिससे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान खिल उठी।

डॉ. पूजा ने कहा, होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि खुशियाँ बाँटने और एक-दूसरे के साथ प्रेम व अपनापन साझा करने का अवसर है। इन विशेष बच्चों के साथ समय बिताना हमारे लिए एक अनमोल अनुभव रहा। इस अवसर पर स्थानीय समाजसेवियों और फाउंडेशन के अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया और इस सकारात्मक पहल को सफल बनाने में योगदान दिया। शैलपुत्री कात्यायनी फाउंडेशन की यह पहल समाज के लिए प्रेरणास्रोत है, जिससे सभी को सीख लेनी चाहिए और ऐसे मानवीय कार्यों में आगे आना चाहिए।

डैफोडिल्स एकेडमी में होली मिलन समारोह

पुटकी (ससे) : करकेंद बाजार स्थित डैफोडिल्स बचपन एवं डैफोडिल्स एकेडमी में होली मिलन समारोह बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। विद्यालय के प्राचार्य तापस बनर्जी ने राधाकृष्ण की तस्वीर पर गुलाल लगाकर होली मिलन समारोह का शुभारंभ किये। इस समारोह में लगभग ५०० से अधिक छात्रछात्रा एवं अभिभावकों ने उपस्थित होकर होली मिलन समारोह का जमकर आनंद उठाया। डैफोडिल्स परिवार की ओर से उपस्थित छात्रछात्रा, अभिभावक एवं सभी जनमानस के लिए मिठाई, सहित अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। जिसका सभी ने जमकर लुत्फ उठाया।

विद्यालय की तरफ से छात्र-छात्राओं के बीच अबीर, गुलाल, रंग, आकर्षक टोपी, पिचकारी, स्टीकर आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी विद्यालय संस्थापक स्व. चंडीचरण बनर्जी की तस्वीर को नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित किए। इस पावन अवसर पर विद्यालय प्राचार्य तापस बनर्जी ने उपस्थित सभी लोगों को होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली आपसी भाईचारे का संदेश देनेवाला एक महान पर्व है। उन्होंने सभी को मिलजुलकर रहने का आह्वान किया। होली मिलन समारोह को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सराहनीय योगदान रहा।

झारखंड बजट में युवाओ को छला गया : डिंपल चौबे

धनबाद (कासं) : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा महिला जिला अध्यक्ष डिम्पल चौबे ने कहा कि झारखंड सरकार के आम बजट में युवाओं और बेरोजगारों की कोई चर्चा नहीं है। ये दुर्भाग्यपूर्ण है। इस बजट में युवाओं के लिए किसी भी प्रकार का कोई पहल नहीं की गई है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा किया था, परन्तु बजट में इस पर ध्यान नहीं दिया गया। राज्य में बजट आने के बाद युवा वर्ग मायूस है। वहीं देखा जाए तो राज्य के युवाओं के भविष्य के साथ निरन्तर खिलवाड़ किया जा रहा है। एक समय जेपीएससी-एसएससी के पेपर लीक होते थे। आज नौबत यह आ गई है कि बोर्ड का प्रश्न पत्र लीक किया जा रहा हैं। इससे यह साबित होता है कि झारखंड में विधिब्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।

सभी बच्चे को पढ़ाई के लिए स्कूल अवश्य भेंजे : डीडीसी

धनबाद (कासं) : प्रत्येक गांव के मुखिया अपने क्षेत्र के सभी बच्चे को पढ़ाई के लिए स्कूल अवश्य भेंजे। इस बात का वे संकल्प लें। यह अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझे। मनुष्य के विकास और सफलता में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

यह बातें उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने बुधवार को न्यू टाउन हॉल में आयोजित जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन में कही। झारखंड शिक्षा परियोजना धनबाद द्वारा जिला स्तरीय मुखिया सम्मेलन आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि बच्चों को शुरू से अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए। इसके लिए मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता आवश्यक है। मुखिया को हर महीने विद्यालयों का भ्रमण करना चाहिए। वहां जो भी कमी है, उसे दूर करनी चाहिए। ड्रॉप आउट बच्चों को विद्यालय में वापस लाने के लिए उनके माता-

पिता से मिलकर पहल करनी चाहिए। पंचायत के बच्चे शिक्षित होंगे तो पंचायत भी आगे बढ़ेगी। सरकार की जनप्रतिनिधियों से यही अपेक्षा है।

इस अवसर पर जिला परिषद की अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को समय-समय पर विद्यालय में जाना चाहिए। बच्चों की उपस्थिति की जांच करनी चाहिए। सरकार बच्चों को शिक्षित करने के लिए सारी सुविधाएं दे रही है।

उन्होंने कहा कि आठवीं के बाद गांव की बच्चियां स्कूल नहीं जाती है। मुखिया को ऐसी बच्चियों के मातापिता से मिलकर समस्या जाननी चाहिए और उसका समाधान करना चाहिए।

कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता महत्वपूर्ण है। इससे शिक्षा का विकास संभव है।

इस अवसर पर जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार ने नव साक्षरता कार्यक्रम, जन चेतना केंद्र सहित अन्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए विभिन्न पंचायत के मुखिया को मोमेंटो, प्रशस्ति पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप विकास आयुक्त, जिला परिषद की अध्यक्ष सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित करके किया। कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह के अलावा कलियासोल, गोविंदपुर, निरसा, एगारकुंड, बाघमारा, पूर्वी टुंडी, धनबाद एवं टुंडी के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सहित विभिन्न पंचायत के मुखिया मौजूद थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक -गणेश मिश्रा. फोन -9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का समापन

जोड़ापोखर (ससे) : बुधवार को खान सुरक्षा महानिदेशालय (मध्य क्षेत्र) के तत्वावधान में आयोजित वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का डिगवाडीह फुटबॉल ग्राउंड में समापन समारोह के साथ समापन हुआ। खान सुरक्षा महानिदेशालय के महानिदेशक उज्ज्वल ताह ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

सभी भाग लेने वाली खदानों में व्यापक खान निरीक्षण किया गया, जिसमें व्यापार परीक्षण सहित विभिन्न सुरक्षा पहलुओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। उल्लेखनीय प्रतिभागियों में टाटा स्टील, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और वेस्ट बंगाल पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (डब्ल्यूबीपीडीसीएल) शामिल थे।

कार्यक्रम की शुरुआत सुरक्षा ध्वज फहराने और स्टॉलों के निरीक्षण के साथ हुई, जिसके बाद औपचारिक रूप से दीप प्रज्वलन किया गया। उपस्थित लोगों ने सुरक्षा शपथ ली, सुरक्षा को प्राथमिकता देने और खुद को और दूसरों को बचाने के लिए सक्रिय उपायों में शामिल होने की सामूहिक प्रतिबद्धता को मजबूत किया। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन हुए और पुरस्कार वितरण समारोह के साथ समापन हुआ। सभी दिवंगत आत्माओं की याद में मौन रखा गया। कार्यक्रम के दौरान टाटा स्टील ने कई पुरस्कार जीते। ५० किलो टन से अधिक उत्पादन करने वाली भूमिगत खदानों के लिए 'ग्रुप ए' श्रेणी में सिजुआ कोलियरी समग्र विजेता के रूप में उभरी। जामाडोबा में ग्रुप वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर ने व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों के लिए 'ग्रुप जी श्रेणी' में शीर्ष पुरस्कार प्राप्त किया, जबकि जामाडोबा में सेंट्रल वर्कशॉप ने क्षेत्रीय कार्यशालाओं के लिए 'ग्रुप जे' श्रेणी में पहला स्थान हासिल किया। खान सर्वेक्षण के रखरखाव में दूसरा स्थान प्राप्त किया। सिजुआ कोलियरी ने भी शानदार प्रदर्शन किया, माइन एनवायरनमेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा स्टोरेज, विस्फोटकों की हैंडलिंग एवं ब्लास्टिंग, सुरक्षा प्रदर्शन, तथा विद्युत अधिष्ठापन सहित कई अन्य श्रेणियों में दूसरा स्थान प्राप्त किया। डीबी सुंदर रामम उपाध्यक्ष रॉ मैटेरियल्स टाटा स्टील, संजय राजोरिया महाप्रबंधक झरिया डिवीजन, सुब्रत दास चीफ जामाडोबा ग्रुप झरिया डिवीजन, विकाश कुमार चीफ सिजुआ ग्रुप झरिया डिवीजन, नरेंद्र कुमार गुप्ता चीफ क्वारी एसई वेस्ट बोकारो डिवीजन टाटा स्टील, इस अवसर पर टाटा स्टील के अधिकारी, यूनियन सदस्य तथा वरिष्ठ अधिकारी तथा प्रतिभागी कंपनियों के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन टाटा स्टील तथा स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

महिला विकास व कल्याण समिति ने मनाई होली

गोविंदपुर (ससे) : स्मार्ट सिटी महिला विकास व कल्याण समिति का होली मिलन समारोह अध्यक्ष शकुंतला मिश्रा के नेतृत्व में मनाया गया। इस अवसर पर मिश्रा ने उपस्थित सभी सदस्यों को होली की बधाई दी। महिलाओं ने होली गीतों पर नृत्य किया और एक दूसरे को अबीरगुलाल लगाया। उन्होंने कहा यह असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। सरस्वती देवी, पूनम, गणेश, मीना, रावत, रंजू साहनी, इंदु मिश्रा, सविता मेहता, शोभा देवी, वीणा पाठक, शीला श्रीवास्तव, मीणा चौरसिया, सीमा भटेजा, मीरा रानी, कंचन देवी, प्रतिमा देवी, शारदा, विंदु देवी, रंजना सिन्हा, अनिता भाटिया, रेखा विश्वकर्मा, स्वीटी बरनवाल, अमृता सिंह, करुणा सिन्हा, जागो देवी आदि शामिल थे।

सर्विस लेने को टेंपो वालों ने बनाया स्थाई पड़ाव

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर बाजार का सर्विस लेन विलेज रोड से जुड़े लोगों के लिए जी का जंजाल साबित हो रहा है। सुनने में तो विलेज रोड एक छोटा सा मोहल्ला प्रतीत होता है। लेकिन हकीकत यह है कि इसका विस्तार बनकाली मंदिर से भी आगे खुदिया नदी को छूते हुए चारपांच किलोमीटर के दायरे तक फैल गया है। जिसमें विद्यापति नगर, रामनगर, इंद्रप्रस्थ, सीआईआरएफ कॉलोनी, श्याम वाटिका आदि कई नएनए मोहल्लों का निर्माण हो चुका है। इसके बावजूद सिक्स लेनिंग निर्माण के तहत विलेज रोड का सीधा संपर्क जीटी रोड से बंद कर दिया गया है। लिहाजा जीटी रोड पकड़ने के लिए या जीटी रोड से विलेज रोड आने के लिए लोगों को सर्विस लेन का ही सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में सर्विस लाइन पर टेंपो का जहां तहां रूक कर पैसेंजर उठाना, एक तरह से सर्विस लेने को ही टेंपो वालों ने अपना स्थाई पड़ाव बना लिया है। दूसरी ओर सर्विस लेन निर्माण के बाद बाजार के अधिकतर दुकानदारों के पास थोड़ा सा भी पार्किंग के लिए जगह नहीं है।

दुकानदारी भले ही अपनी जगह पर कर रहे हैं। लेकिन ग्राहकों को पार्किंग की सुविधा एनएचएआई की जमीन पर उपलब्ध करवा रहे हैं। और तो और कुछ ऐसे भी दुकानदार हैं जो आज भी अपने दुकान के सामने राशि वसूलकर सर्विस लेन पर फुटपाथी दुकानदारों से दुकान लगवा रहे हैं। गोविंदपुर थाना परिसर में आयोजित होली मिलन समारोह में अंचल अधिकारी धर्मेंद्र कुमार दुबे एवं पुलिस उपाधीक्षक शंकर कामती ने होली के बाद सर्विस लेन को पूरी तरह क्लियर करने का आश्वासन दिया है।

लोहापट्टी में कोयला लदा वाहन जब्त

महुदा (ससे) : महुदा थाना क्षेत्र स्थित लोहापट्टी चंद्रपुरा मुख्य मार्ग में जमुनिया नदी स्थित चेकपोस्ट पर मंगलवार की देर रात्रि महुदा थाना के पीसीआर वैन द्वारा गश्ती के दौरान एक कोयला लदे ४०७ वाहन को पकड़ा। जो दुगदा थाना क्षेत्र से अवैध कोयला लोडकर लोहापट्टी होते हुए बोकारो की और जा रहा था। वाहन में मौजुद चालक आकाश गोप एवं उसके सहयोगी को महुदा पुलिस अपने कब्जे में लेकर महुदा थाना ले गयी वही पूछताछ किया। कोयला लदे वाहन को पकड़कर तेलमोच्चो चेकपोस्ट ले जाया गया। चालक आकाश गोप से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि यह कोयला दुगदा के सोरेन गोप का है, जिसे बोकारो बांगला लेकर जा रहा है। इस संबंध में थाना प्रभारी देवानंद प्रसाद से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वाहन में दुगदा से कोयला लेकर बोकारो की और जा रहा था। कागजातों की जांच पड़ताल किया गया जो फड़ा कोयला का कागजात मिला, आगे की जांच पड़ताल के बाद ही कार्रवाई की जायेगी। मालूम हो कि उक्त गाड़ी में हार्डकोक कोयला है या कच्चा कोयला है। इसका खुलासा पुलिस ने नहीं किया और कोयला ले जा रहे ड्राइवर ने भी नहीं दिखाया। साथ ही राजा ने बताया कि यह कोयला के लिए मुझे एक सौ रुपया टन के हिसाब से मिलता है। कोयला का पूरा बिल थाना प्रभारी महुदा को दिखा दिए है।

आदिवासी सेंगेल अभियान की बैठक

धनबाद (कासं) : निरसा प्रखंड के अन्तर्गत गोपीनाथपुर पंचायत में आदिवासी टोला गल्फरबाड़ी में आदिवासी सेंगेल अभियान के तत्वावधान में एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बैद्यनाथ मुर्मू और संचालन बाबुलाल टुडू ने किया।

सेंगेल सभा की बैठक में मुख्य अतिथि आदिवासी सेंगेल अभियान के झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन और बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू उपस्थित रहे हैं।

झारखंड प्रदेश संयोजक जयराम सोरेन ने कहा कि आदिवासी सेंगेल अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद सालखन मुर्मू के नेतृत्व में सेंगेल ने देश और दुनिया के आदिवासियों को बचाने का संकल्प लिया है। अभी तक उन्हीं के नेतृत्व में हासा (जमीन) बचाने का कानून सीएनटी एक्ट और एसपीटी एक्ट को बचाया है।

संताली भाषा को भी उनके द्वारा २२ दिसम्बर २००३ को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया, सिद्धो मुर्मू, कान्हू मुर्मू डाक टिकट लागू करवाया और झारखंड में पेशा कानून के तहत ३२ साल के बाद सुप्रीम कोर्ट से पंचायत चुनाव करवाया है। अभी लगातार प्रकृति पूजक आदिवासियों के सरना धर्म कोड का लड़ाई, गिरीडीह जिला में स्थित आदिवासियों के माराड़बुरु (पारसनाथ पहाड़) को जैनों से बचाने का लड़ाई। झारखंड में संताली को प्रथम राजभाषा बनाने की लड़ाई, कुर्मी एवं अन्य जातियों से आदिवासी अस्तत्वि को बचाने का लड़ाई, झारखंड में स्थानीय नीति (प्रखंडवार नियोजन नीति) बनाने का लड़ाई सिर्फ और सिर्फ सालखन मुर्मू के नेतृत्व में आदिवासी सेंगेल अभियान ही लड़ रही है। बाकी संगठन सिर्फ नाचमान, खानमान, मेला आदि लगाकर लोगों इकट्ठा कर उनका टाईम पास करते हैं।

मौके पर मौजूद बोकारो जोनल हेड सुखदेव मुर्मू ने कहा कि आज हमें सभी कार्यकर्ताआओं को अपने दायित्व अपने उपर लेना होगा और सभी प्रखंडों में संगठन विस्तार करना होगा। इसके लिए सभी कार्यकर्ता सेंगेल कैप्टन बनाना होगा और अपने साथ दस लोगों को जोड़कर सेंगेल

डीएवी में मना हर्षोल्लास के साथ होली मिलन

जोड़ापोखर (ससे) : बुधवार को डीएवी बनियाहीर में प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का त्योहार होली मिलन का समारोह बड़ी आत्मीयता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य एजाज अहमद ने उपस्थित शिक्षकोंशिक्षकाओं को प्रेम का प्रतीक गुलाल लगाकर किया। इस अवसर पर प्राचार्य ने मिष्ठान खिलाकर उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं को इस पारम्परिक त्योहार के लिए अग्रिम शुभकामना दी।

प्राचार्य महोदय ने उपस्थित शिक्षक शिक्षिकाओं और शिक्षणेतर कर्मचारियों को शुभकामना संदेश देते हुए कहा कि, होली का यह पावन पर्व समरसता और भाई चारे का संदेश देता है। इसके संदेश को आत्मसात करने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने संदेश में यह भी कहा कि हमें सर्वदा इसी एकता और सहयोग की भावना से भविष्य में नए प्रतिमान स्थापित करना है। इस अवसर पर विद्यालय के लगभग सभी शिक्षण व शिक्षणेतर कर्मचारियों ने पूरे उमंग और उत्साह से भाग लिया।

मुनीडीह में निकला फ्लैग मार्च

पुटकी (ससे) : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बुधवार को मुनीडीह ओपी प्रभारी मनिता कुमारी के नेतृत्व में शांति पूर्ण तरीके से होली त्योहार मनाने को लेकर फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च गरभुडीह, मुनीडीह बस्ती, शास्त्री नगर, बालुडीह, जटुडीह, मुनीडीह बाजार आदि क्षेत्रों में भ्रमण किया। ओपी प्रभारी ने लोगों से आपसी भाईचारे के साथ होली त्योहार मनाने का अपील किये। उन्होंने कहा कि हुड़दंगियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। पुलिस माहौल बिगड़ने वालों के साथ शक्ति से निपटेगी। फ्लैग मार्च में एएसआई विजय कुमार सिंह, श्रवण राम, प्रदीप कुमार पांडेय, गोपी मुर्मू सहित पुलिस बल शामिल थे।

केंदुआ में निकाला गया फ्लैग मार्च

केन्दुआ/लोयाबाद (ससे) : वरीय आरक्षी अधिक्षक के निर्देशन में बुधवार को केन्दुआडीह थाना प्रभारी सपन कुमार महतो के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च बीएन आर, कुस्तौर, गोधर काली बस्ती, हाजरा बस्ती, कुसुण्डा, केन्दुआ बाजार, मछली पट्टी, कुरैशी मुहल्ला, छाताटांड, खटिक पट्टी, हनुमानगढ़ी, गड़ेरिया, बसेरिया आदि क्षेत्रों में भ्रमण किया। प्रभारी थाना प्रभारी ने लोगों से भाईचारा के साथ होली त्योहार मनाने का अपील किये। उन्होंने कहा कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न देते हुए, तुरंत पुलिस को सूचना दे। फ्लैग मार्च में अनुप खल्को, संजय शर्मा, कृष्णा पाहन, रविन्द्र उराँव, रवि रंजन कुमार, सुप्रिया अनूस खल्को, सशस्त्र बल, सहित जिला बल शामिल थे।

मंईयां सम्मान की राशि मिलने से त्योहारों में लगा चार चांद

धनबाद/जोड़ापोखर (कासं) : होली तथा राशि ईद से पहले मार्च महीने में मंईयां सम्मान की राशि महिलाओं के खाते में भेजे जाने पर हाड़ी जाति समाज सुधार समिति सामाजिक संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष कार्तिक हाड़ी ने झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा की हेमंत सोरेन देश के पहले ऐसे मुख्यमंत्री है जो अपने वादों को लेकर अडिग है। त्योहार से पहले महिलाओं के खाते ७५०० रूपये की राशि का आना त्योहार की खुशियों को दुगुनी कर दिया है। श्री हाड़ी ने कहा कि अब होली तथा ईद के पावन पर्व पर सभी मंईयां अपने परिवार के साथ खुले मन से त्योहार का आनंद ले सकती हैं। इस सम्मान राशि का उपयोग अपने परिवार की खुशियों को बढ़ाने में कर सकती हैं।

अधिवक्ताओ ने खेली होली

धनबाद (कासं) : बुधवार को न्यायालय परिसर में वरीय अधिवक्ता डीडी ठाकुर अपने सिरिसता के जूनियर अधिवक्ताओं के साथ होली मिलन समारोह कर एक दूसरे को रंग गुलाल लगा कर होली मिलन समारोह किए। वरीय अधिवक्ता डीडी ठाकुर ने लोगों से शांतिपूर्ण होली उत्सव मनाने की अपील की। मिलन समारोह में धनबाद के नाम चीन अधिवक्ता अंजन सिन्हा, अधिवक्ता नितेश कुमार, उमेश रवानी, देवेन्द्र ठाकुर, सोमनाथ ठाकुर, रंजित कुमार एवं डालसा पेनल के अधिवक्ता कन्हैयालाल ठाकुर एवं फिनस्टेम इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के मो. ज्याउल उपस्थित थे।

कई राज्यों में बारिश के अलर्ट ने किसानों की बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली (ईएमएस) : साल पर तक कठिन परिश्रम करने के बाद तैयार हुई फसल पर संकट के बादल घिरते नजर आ रहे हैं। इसी बीच मौसम ने ऐसी करवट बदली है, जिसने किसानों की टेंशन बढ़ा दी है। मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का छोटा स्पेल इस वक्त उत्तर भारत में सक्रिय हो चुका है। पंजाब-हरियाणा सहित राजस्थानयूपी में गुरुवार से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। बारिश के साथ ओले पड़ने की भी आशंका जताई जा रही है, जिसे लेकर किसान चिंतित हैं।

बताया गया कि १३ से १५ मार्च तक मौजूदा वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का यह स्पेल सक्रिय रहेगा। इसके कारण पहाड़ी क्षेत्र जैसे जम्मूकश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है। उधर, पाकिस्तान के अलावा उत्तर पश्चिमी राजस्थान सहित पंजाब, दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा व उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में में चक्रवाती परिसंचरण के कारण बारिश हो सकती है। दावा किया जा रहा है कि कुछ स्थानों पर बारिश के साथसाथ ओले भी पड़ने की संभावना है। पिछले साल भी इस मौसम में देश के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि के कारण किसानों को नुकसान उठाना पड़ा था। कहा गया कि एक और इस बारिश और ओलावृष्टि से हिमालयी राज्यों में बर्फबारी की कमी दूर होगी। वहीं दूसरी ओर उत्तर भारत के किसान आसमान से आ रही आफत को देखते हुए सावधान रहने की जरूरत है।

फसल कटने के वक्त से ठीक पहले तेज बारिश और ओले पड़ने के कारण गेहूं की फसल पर इसका भारी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। किसानों को उम्मीद है कि इस साल अच्छी फसल होगी। लेकिन कटाई के वक्त मौसम में यह बदलाव देश के अन्नदाताओं पर कहर ढहा सकता है। स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ भूमध्यसागर से उठने वाले तूफान हैं, जो सर्दियों में पश्चिमी हिमालय में बारिश और बर्फबारी का कारण बनते हैं। मार्च आतेआते इनकी सक्रियता अमूमन कम होने लगती है लेकिन इस बार मौसम का मिजाज कुछ अलग है।

आम आदमी की आमदनी ने बढ़ाई चिंता

मुंबई (ईएमएस) : देश के अहम सरकारी निकाय 'नीति आयोग' के सदस्य अरविंद विरमानी ने कहा है कि विश्व बैंक के मानदंडों के अनुसार मापी गई पूर्ण गरीबी भारत में लगभग समाप्त हो गई है, लेकिन आम आदमी की आमदनी चिंता बढ़ा सकती है। प्रतिदिन १.९ डॉलर से कम कमाने वाले कुछ लोगों के लिए सामान्य नीतिगत कार्यवाही नहीं की जा सकती है।

वर्ष २००७०९ के बीच मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में कार्य कर चुके विरमानी ने कहा, ११ वर्षों में पूर्ण गरीबी १२.२ प्रतिशत से घटकर २.३ प्रतिशत पर आ गई है तथा यह और घटकर एक प्रतिशत हो गई है। सही मायने में यह गरीबी, जिसके बारे में हम ५० वर्षों से बात कर रहे थे, अब समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि एक प्रतिशत आबादी जो अभी भी पूर्ण गरीबी से बाहर नहीं आई है, दूरदराज के इलाकों और पहाड़ी इलाकों में रहती है और हमें ऐसे लोगों की तलाश करनी होगी। विरमानी ने कहा, आपको वहां जाकर वास्तविक व्यक्ति को खोजना होगा। आपके पास ऐसे मामलों से निपटने के लिए कोई सामान्य नीति नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि १९६० के दशक में, विश्व बैंक ने पूर्ण गरीबी की परिभाषा के अंतर्गत प्रति दिन एक डॉलर से कम कमाने वाले लोगों को रखा था, जो आज मुद्रास्फीति के साथ समायोजित होकर १.९ डॉलर प्रति दिन होगा।

विरमानी ने उद्योग मंडल आईएमसी चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'कमजोर' के रूप में चिह्नित आबादी का प्रतिशत भी काफी कम हो गया है तथा अगले सात वर्षों में समाप्त हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि पूर्ण गरीबी कम तो हुई है, लेकिन आय वितरण के दृष्टिकोण से स्थिति 'बदतर' हुई है। बता दें कि आज से ५० साल पहले १९७० के दशक में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने देश में गरीबी हटाओ का नारा दिया था। इसके बाद से कई सरकारें आईं और उन्होंने गरीबी के उन्मूलन के लिए काम किया।

इफ्तार पार्टी के बाद बुरे फंसे विजय थलापति

चैन्नई (ईएमएस) : तमिल स्टार से राजनेता बने विजय थलापति हाल ही में एक इफ्तार में शामिल हुए। जहां बताया गया था कि एक्टर और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के फाउंडर और अध्यक्ष ने एक दिन का रोजा भी रखा। साथ ही इस्लामी परंपराओं के साथ नमाज अदा करते हुए रमजान का हिस्सा बने। मगर अब इसी कदम के चलते उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई है। रिपोर्ट में बताया गया कि तमिलनाडु सुक्कत जमात के कोषाध्यक्ष सैयद कौस ने कहा कि विजय थलापति ने इफ्तार कार्यक्रम में मुस्लिम समुदाय का अपमान किया है। शराबी और उपद्रवी, जिनका रोजा और इफ्तार से कोई लेना देना नहीं है। वह ऐसा करके समुदाय का अपमान करते हैं।

संपादकीय

आखिर कब थमेगी मणिपुर में हिंसा...

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाएं यह बताने के लिए काफी हैं कि वहां शांति बहाल करने और समस्या का कोई ठोस हल निकालने के लिए अब तक जितने भी प्रयास किए गए, उनके पीछे दूरदर्शिता की कमी रही। हैरानी की बात यह है कि राज्य में हिंसा की शुरूआत के बाद मई में अब दो वर्ष हो जाएंगे। इसके कारण आमतौर पर स्पष्ट रहे हैं कि यह टकराव मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले से पैदा हुआ। इसके बावजूद राज्य से लेकर केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई हल या प्रस्ताव सामने नहीं आ सका है, जिस पर संबंधित पक्षों के बीच सहमति बने और राज्य में शांति कायम हो।

यह एक तरह से राज्य सरकार की नाकामी ही थी कि चौतरफा और लगातार सवाल उठने के बीच वहां के मुख्यमंत्री को आखिर इस्तीफा देना पड़ा। उसके बाद लागू राष्ट्रपति शासन में भी हिंसक घटनाओं पर काबू पाने और स्थिति में सुधार के मोर्चे पर अब तक आश्वासनों से आगे बढ़ कर कुछ भी ऐसा नहीं किया जा सका है, जो जमीनी स्तर पर स्थानीय लोगों और खासतौर पर हिंसा प्रभावित समुदायों के भीतर विश्वास पैदा करे और वे राज्य में शांति बहाली में भागीदारी निभाएं। गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी में शनिवार को इंफल-दीमापुर उच्च मार्ग पर कुकी समुदाय और सुरक्षाबलों के बीच झड़प हुई, जिसमें एक व्यक्ति की जान चली गई। वहीं इस टकराव में सत्ताईस से ज्यादा जवान घायल हो गए। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सभी सड़कों पर वाहनों की स्वतंत्र आवाजाही को लेकर एक निर्देश जारी किया था। राज्य में सबसे ज्यादा प्रभावित समुदाय के

स्थानीय लोगों ने निर्देश का व्यापक विरोध किया, जिसके बाद तनाव बढ़ गया और अब फिर अराजकता की स्थिति में कांगपोकपी में कई इलाकों में कर्फ्यू लगाने की नौबत आई।

यह स्थिति तब है, जब मुख्यमंत्री के इस्तीफे के बाद वहां राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया है, वहां के राज्यपाल ने उपद्रवियों से सभी लूटे गए हथियार जमा करने को कहा है। अब तक पांच सौ से ज्यादा हथियार जमा भी किए जा चुके हैं। मगर यह साफ है कि हिंसा को थामने और उससे भी ज्यादा समस्या के हल के लिए कुछ भी ऐसा ठोस नहीं किया गया है, जिससे स्थायी रूप से शांति कायम करने का कोई रास्ता निकले।

सही है कि सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करना स्थिति को सामान्य बनाने में एक सहायक कदम हो सकता है। लंबे समय से राज्य में जारी हिंसा के बीच संभवतः वहां के सभी प्रभावित लोग और समुदाय शांति की उम्मीद में होंगे। लेकिन यह भी ध्यान रखने की जरूरत है कि अगर यह समस्या के मूल कारणों को दूर किए बिना सतह पर कुछ किया जाता है, तो इसके नतीजे अनुकूल नहीं भी आ सकते हैं। ताजा हिंसा के बाद स्थानीय कुकी संगठनों की ओर से जैसी प्रतिक्रिया आई है, वह इसी का उदाहरण है।

कुकी समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन की ओर यह कहा गया कि वे शांति का समर्थन करते हैं, लेकिन इस तरह के उपायों से नाराजगी और संघर्ष की स्थिति पैदा होगी। राज्य में हिंसा की शुरूआत के करीब पौने दो वर्ष बाद भी अगर हालात में कोई सुधार आता नहीं दिख रहा है, तो यह सरकारों के भीतर ईमानदार राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी को ही दर्शाता है। जब तक स्थायी शांति के लिए राजनीतिक स्तर पर ठोस समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक तात्कालिक उपायों का शायद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आएगा।

लगातार अभ्यास और लक्ष्य साध कर लिखी गई जीत की पटकथा

विजयरथ पर सवार भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। न्यूजीलैंड को हरा कर उसने जो खिताब हासिल किया, वह एक बार फिर बेहद खास उपलब्धि है। इस मायने में भी कि भारतीय टीम ने बारह साल बाद 'चैंपियंस ट्राफी' जीती। इस तरह उसने अपनी दृढ़ता और समर्पण का ही परिचय दिया। भारतीय टीम ने लगातार अपने अभ्यास और लक्ष्य को साध कर जीत की पटकथा लिखी। आइसीसी चैंपियंस खिताब हासिल करने के लिए हमारे जांबाज खिलाड़ियों ने जिस जोश और लगन के साथ मैदान में प्रदर्शन किया, उस पर हर देशवासी को गर्व है। गौरतलब है कि इससे पहले भारत इंग्लैंड को हरा कर चैंपियन बना था, उसके बाद वर्ष 2002 में श्रीलंका के साथ संयुक्त रूप से खिताब जीता था। इस बार हमारी टीम ने पूरी दुनिया को बता दिया कि वह विश्व चैंपियन है। उसकी रगों में जीत का रंग बहता है। मैदान में पूरे जोश से खेलते हुए उसने अपने करोड़ों प्रशंसकों की आंखों में सपनों के कई रंग भर दिए। खिताब हासिल करने के लिए टीम के सभी खिलाड़ियों के साथ रोहित शर्मा की बल्लेबाजी बेहद महत्त्वपूर्ण रही। बतौर कप्तान उन्होंने गेंदबाजों को आक्रामक बनाए रखते हुए न्यूजीलैंड को घुटने टेकने के लिए बाध्य कर दिया। खास बात यह कि उनके नेतृत्व में टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं रही। इस अहम खिताब को भारत के नाम करने के लिए श्रेयस अय्यर ने तो ऐसे समय बल्लेबाजी की, जब मैदान से रोहित के बाहर हो जाने से झटका लग चुका था। उनकी वजह से स्थिति संभली और फिर श्रेयस ने अक्षर पटेल के साथ शानदार पारी खेलते हुए भारत को जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। दोनों ने इकसठ रन की साझेदारी करते हुए जीत की सुनहरी पटकथा तैयार कर दी। मध्यम क्रम में केएल राहुल ने अपने चौंतीस रनों से भारत के विजय का परचम लहराने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस तरह जीत के जज्बे से भरी भारतीय टीम ने अपने प्रशंसकों के लिए होली से पहले ही जश्न मनाने का अवसर दे दिया। फिलहाल भारतीय टीम के बीच जिस स्तर का तालमेल दिख रहा है, वह भविष्य में कामयाबी का एक बड़ा फलक तैयार करने की उम्मीद जगाता है।

आज का कार्टून

परिसीमन को लेकर तमिलनाडु से पंजाब तक क्यों बढ़ रही चिंता

दक्षिण भारत के राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ सकती है जबकि दक्षिण की हिस्सेदारी कम हो सकती है। बताना होगा कि भारत में लोकसभा सीटों का परिसीमन जनसंख्या के हिसाब से होता है। जनसंख्या के हिसाब से परिसीमन होने पर न सिर्फ तमिलनाडु बल्कि दक्षिण के अन्य राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में भी लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है। दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर भारत में आबादी ज्यादा है इसलिए यहां लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी और इसका मतलब यह होगा कि संसद में उत्तर भारत की आवाज दक्षिण के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों की इसी चिंता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में स्पष्ट कर चुके हैं कि परिसीमन के बाद भी दक्षिण के किसी भी राज्य की सीट कम नहीं होगी।

पवन उप्रेती

देश की राजनीति में इन दिनों परिसीमन को लेकर अच्छी-खासी तनातनी चल रही है। दक्षिणी राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उनकी लोकसभा की सीटें कम हो सकती हैं। विशेषकर तमिलनाडु ने परिसीमन के खिलाफ पुरजोर ढंग से आवाज उठाई है। बताना होगा कि 1973 में हुए परिसीमन के बाद से संसद और राज्यों में सीटों की संख्या स्थिर है। 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर अगला परिसीमन किया जाना है।

हैरानी की बात है कि दक्षिण के अलावा परिसीमन के खिलाफ आवाज अब उत्तर भारत के राज्य पंजाब से भी उठी है। पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने हाल ही में पंजाब के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं से कहा है कि वे साथ मिलकर परिसीमन के मामले पर चर्चा करें और अगर जरूरत पड़ती है तो मिलकर इसका विरोध करें। आइए, इस मामले को थोड़ा ढंग से समझने की कोशिश करते हैं। बात पहले दक्षिण के राज्यों से शुरू करते हैं।

दक्षिण भारत के राज्यों को इस बात का डर है कि परिसीमन के बाद उत्तर भारत में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ सकती है जबकि दक्षिण की हिस्सेदारी कम हो सकती है। बताना होगा कि भारत में लोकसभा सीटों का परिसीमन जनसंख्या के हिसाब से होता है। जनसंख्या के हिसाब से परिसीमन होने पर न सिर्फ तमिलनाडु बल्कि दक्षिण के अन्य राज्यों- आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल और तेलंगाना में भी लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है। दूसरी ओर उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ेंगी। ऐसा इसलिए क्योंकि उत्तर भारत में आबादी ज्यादा है इसलिए यहां लोकसभा की सीटें बढ़ेंगी और इसका मतलब यह होगा कि संसद में उत्तर भारत की आवाज दक्षिण के मुकाबले ज्यादा मजबूत होगी। तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों की इसी चिंता को देखते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा में स्पष्ट कर चुके हैं कि परिसीमन के बाद भी दक्षिण के किसी भी राज्य की सीट कम नहीं होगी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन कहते हैं कि तमिलनाडु और अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों को जनसंख्या आधारित परिसीमन की वजह से नुकसान होगा क्योंकि उन्होंने बढ़ती जनसंख्या को काबू किया है। उन्होंने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि 1971 की जनसंख्या के आधार पर ही सीटों का बंटवारा हो और इसे 2026 के बाद अगले 30 साल के लिए बढ़ा दिया जाना चाहिए। स्टालिन की असली चिंता आंकड़ों के गणित को लेकर है। मौजूदा वक्त में तमिलनाडु में 39 लोकसभा सीटें हैं और लोकसभा की 543 सीटों के हिसाब से तमिलनाडु की हिस्सेदारी 7प्रतिशत है। अगर लोकसभा सीटों की संख्या देशभर में बढ़कर 848 हो जाती है और जनसंख्या के आधार पर सीटों का बंटवारा होता है तो तमिलनाडु के पास बढ़कर 45 सीटें हो जाएगी लेकिन कुल सीटों की हिस्सेदारी में उसका प्रतिशत घटकर 5प्रतिशत रह जाएगा। लेकिन अगर 1971 का जनसंख्या वाला अनुपात रखा जाए तो तमिलनाडु को 59 सीटें मिलेगी जिससे उसकी हिस्सेदारी 7प्रतिशत पर कायम रहेगी। यदि लोकसभा में सांसदों की सीटों की संख्या 543 ही रखी जाए और परिसीमन नई जनगणना के आधार पर हो तो तमिलनाडु में सीटों की संख्या घटकर 30 रह जाएगी और उसकी हिस्सेदारी घटकर 5.5त्र रह जाएगी। इसलिए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा है कि लोकसभा सीटों का निर्धारण केवल जनसंख्या के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने तमिलनाडु के सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर एकजुट होने की अपील की है। अब एक बार फिर से बात करते हैं पंजाब की। प्रताप सिंह बाजवा से पहले चंडीगढ़ से कांग्रेस के सांसद मनीष तिवारी ने भी परिसीमन के मुद्दे को लेकर अपनी बात रखी थी। मनीष तिवारी ने कहा था कि यदि परिसीमन 'एक नागरिक, एक वोट और एक समान मूल्य' के आधार पर लागू होता है तो लोकसभा और राज्यसभा में उत्तर भारतीय राज्यों की कुल हिस्सेदारी घट जाएगी।

तिवारी ने कहा था कि इस परिसीमन से केवल मध्य भारत के राज्यों को लाभ होगा जबकि पंजाब और हरियाणा के बीच तनाव बढ़ सकता है। उन्होंने सवाल किया, 'क्या पंजाब हरियाणा के बराबर लोकसभा सीटें स्वीकार करेगा?' मौजूदा वक्त में पंजाब में 13 और हरियाणा में 10 लोकसभा सीटें हैं। हरियाणा में जनसंख्या वृद्धि पंजाब की तुलना में ज्यादा है और इसका एक कारण एनसीआर में अन्य राज्यों से लगातार आ रहे लोग भी हैं। पंजाब हरियाणा को अपना 'छोटा भाई' माना है क्योंकि इसे 1966 में पंजाब से अलग करके बनाया गया था। दोनों राज्यों के बीच राजधानी चंडीगढ़ के अलावा सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर की वजह से भी राजनीतिक लड़ाई चलती रहती है।

कांग्रेस नेता प्रताप सिंह बाजवा का कहना है कि यदि लोकसभा की कुल सीटें 848 होती हैं तो भी पंजाब को बहुत कम फायदा होगा जबकि उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों को ज्यादा सीटें मिलेंगी क्योंकि इन राज्यों में जनसंख्या ज्यादा है। बाजवा ने कहा कि बीजेपी इन सभी राज्यों में मजबूत है और पंजाब उत्तर भारत के उन राज्यों में से है जहां बीजेपी अब तक अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर सकी है। इस आधार पर बाजवा का कहना है कि बीजेपी परिसीमन की मौजूदा प्रणाली को ही बनाए रखने की कोशिश करेगी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार पंजाब के खिलाफ साजिश रच रही है।

बीजेपी का इस मामले में स्पष्ट रूप से कहना है कि परिसीमन एक संवैधानिक प्रक्रिया है। पंजाब बीजेपी के मीडिया प्रमुख विनीत जोशी ने कहा, 'कांग्रेस की सरकारों के दौरान 1951, 1961 और 1971 में लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा सीटों का परिसीमन हुआ था। यह प्रक्रिया जनगणना पर आधारित थी। क्या वह गलत थी? अगर नहीं, तो कांग्रेस के नेता अब डरे हुए क्यों हैं?'

इस मामले में हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय स्तर पर सभी दलों की बैठक बुलाई जानी चाहिए ताकि सभी की सहमति से परिसीमन की प्रक्रिया को शुरू किया जाए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि जनगणना के बाद ही परिसीमन का मुद्दा सामने आएगा।

यहां यह भी समझना जरूरी होगा कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन किया जाना संविधान के द्वारा निर्धारित प्रक्रिया है। इसे बदलने के लिए संविधान में संशोधन की जरूरत संविधान में संशोधन की जरूरत होगी। आपातकाल के दौरान 42वें संविधान संशोधन के तहत संसद और विधानसभा सीटों की संख्या को 2001 तक स्थिर रखा गया था। 2002 में 84वें संशोधन के तहत यह प्रावधान 2026 तक बढ़ा दिया गया।

संविधान के अनुच्छेद 81 के तहत लोकसभा में कुल सीटों की संख्या 550 से अधिक नहीं हो सकती। ऐसे में केंद्र सरकार सीटों की संख्या बढ़ाने का फैसला करती है, तो इसके लिए उसे दो-तिहाई बहुमत से संविधान संशोधन कराना होगा। लेकिन अगर सीटों की संख्या नहीं बढ़ती है तो जनगणना आधारित परिसीमन से लोकसभा में दक्षिणी राज्यों को नुकसान हो सकता है। यह साफ है कि आने वाले दिनों में दक्षिण के राज्यों में तो परिसीमन को लेकर विरोध तेज हो ही सकता है, उत्तर भारत में भी इसे लेकर मजबूत आवाज उठ सकती है।

उपभोग और विलासिता कुछ समय के लिए...

सुखी और स्वार्थपूर्ण जीवन की लालसा कभी खत्म नहीं होती। इसलिए यही हमारी अनैतिक इच्छा को भी पैदा करती है। नतीजतन, भारी अफसोस और कुंठा हमारे जीवन का अंग बन जाते हैं। जबकि विचार करने पर लगता है कि जो भी अपने पास अतिरिक्त है, उसका दान करना, उदारता का व्यवहार रखना, मिल-बांटकर खाना और जमाखोरी न करने का आविर्भाव इसी मतलबीपन को समेटने के लिए हुआ है। अपने पास बस काम चलाने लायक रखना, बाकी किसी जरूरतमंद को दे देना। यह विचार हमारे मन को ऊर्जा यानी खुशी और संतोष से जीवन जीने की शक्ति देता है।

मुग्धा

ऐसा कहा जाता है कि मतलबीपन या स्वार्थपूर्ण विचार से अपने मानसिक संतोष को न तो कभी समझा जा सकता है और न ही इसका अनुभव किया जा सकता है। मानसिक सुकून के लिए त्याग और उदारता का मार्ग ही श्रेष्ठ बताया गया है। अगर मन में करुणा होती है और हमारी आदत या संस्कार में भी उदारता सहज ही शामिल हो जाती है तो उसके बाद बिताया जाने वाला हर पल परिपक्व होता जाता है।

आज का समय तकनीक और सुविधा से लैस युग है। हममें से किसी को यह सच नहीं पता कि कल हमारे साथ क्या होगा। मगर सामाजिक होने के उदार भाव में शायद ऐसी असुरक्षा हावी नहीं रहती है। उसके मन में कहीं न कहीं समाहित है इसका समुचित उत्तर। उत्तर यह है कि जो भी होगा, जैसा भी होगा, उसमें शायद स्वीकार का भाव होगा। सामाजिक संबंध का ताना-बाना हर तरह की परिस्थिति में मानसिक मजबूती देगा। इसलिए उदारमना लोग अपनी सकारात्मक विचारधारा के माध्यम से आगे होने वाली घटनाओं को एक सकारात्मक परिभाषा तक दे लेते हैं। इस संदर्भ में एक सुंदर प्रसंग है। गौतम बुद्ध अपने शिष्य आनंद की मानसिक परिपक्वता को परखने के लिए पूछते हैं कि मान लो, अगर कोई अपशब्द कहने लगे तो क्या विचलित हो जाओगे? आनंद उत्तर देते हैं कि नहीं तथागत, कदापि नहीं। मैं तो कुदरत का आभार व्यक्त करूंगा कि वह मुझे शारीरिक कष्ट नहीं दे रहा है। इस उत्तर से बुद्ध को बहुत सुकून मिला और उन्होंने आनंद की इस परिपक्व सोच की सराहना की। आनंद और बुद्ध के इस संवाद में जीवन के सूत्र छिपे हैं। माफ कर देने की उदारता, सबको मनुष्य समझकर उसकी गलती पर उत्तेजित न होने की विशालता और समाज में सामंजस्यपूर्ण जीवन जीने की कुशलता आदि।

अगर हम बचपन से अपने जीवन को देखें तो अपना जीवन भी औरों से कहीं ऐसी ही सहज उदारता की तलाश में ही लगा होता है। सहज ममता हमको माता-पिता से मिल जाए, सहज सुख हमें हमारे दोस्त और सहपाठी अनवरत देते रहें, सहज ज्ञान जो हमारे शिक्षक हमें बगैर पक्षपात के प्रदान करते रहें, सहज धन आगमन जो कि मेहनत करते मिल जाए। अगर हम यह सब प्राप्त करने के साथ देने को भी तैयार रहते हैं, तो जीवन सतरंगी हो जाता है। बादल और वृक्ष से हमको सीखना चाहिए कि केवल जल लेकर वृक्ष अपनी सारी संपदा को वापस लौटा देता है। वृक्ष के फल और फूल ही नहीं, पत्ते, छाल, डाल, जड़ तक उपयोग में ले ली जाती है। उसकी घनी छांव के तो क्या ही कहने! कितने राहगीर, कितने पशु और पंछी उसकी निश्छल छांव से अपना जीवन सुख पाते रहते हैं।

महान दार्शनिक अरस्तू कहते हैं कि एक वस्तु, व्यक्ति या परिस्थिति एक व्यक्ति को जरूरत से अधिक सुख दे देती है, लेकिन वह जरा-सा किसी और को दिया जाए तो उसकी जान बच जाती है। एक बार एक सुल्तान के स्नान लिए रेगिस्तान में ऊंटों के जरिए हजारों लीटर पानी ले जाया जा रहा था। रेगिस्तान में प्यास से भटक रहे यात्रियों के समूह को सुल्तान के सेवक ने दया करके कुछ जल दे दिया तो सूखे कंठ से कराहते यात्री अपना जीवन बचा पाए। वे सुल्तान के लिए शुक्रिया के गीत गाने लगे, लेकिन सुल्तान को इसमें कोई महान बात नजर नहीं आई। आखिरकार उसके पास बहुत सारा अतिरिक्त जल था। जरा-सा दे भी दिया तो कौन-सी खास बात हुई। लेकिन यह तरसते हुए प्यासे लोग जानते थे एक-एक बूंद जल का असली महत्त्व। हमारे जीवन में चीजों का बहुत सारा उपभोग और विलासिता कुछ समय के लिए ही होते हैं, क्योंकि एक सीमा तक ही हम स्वाद, शौक या आनंद या रौनक में खुश रह पाते हैं। इसके बाद उसका इतना महत्त्व नहीं रह जाता। मगर अकिंचन और निर्धन के लिए उसमें से जरा-सा भी पर्याप्त होता है। हमको यह बात याद रखनी चाहिए।

सुखी और स्वार्थपूर्ण जीवन की लालसा कभी खत्म नहीं होती। इसलिए यही हमारी अनैतिक इच्छा को भी पैदा करती है। नतीजतन, भारी अफसोस और कुंठा हमारे जीवन का अंग बन जाते हैं। जबकि विचार करने पर लगता है कि जो भी अपने पास अतिरिक्त है, उसका दान करना, उदारता का व्यवहार रखना, मिल-बांटकर खाना और जमाखोरी न करने का आविर्भाव इसी मतलबीपन को समेटने के लिए हुआ है। अपने पास बस काम चलाने लायक रखना, बाकी किसी जरूरतमंद को दे देना। यह विचार हमारे मन को ऊर्जा यानी खुशी और संतोष से जीवन जीने की शक्ति देता है। उदारता और समभाव हमारे विवेक को बढ़ाने में सहायता करता है। अपने को समाज का विस्तार मानना और समाज में खुद को देखना ही हमारी सकारात्मक चेतना का एक सही विस्तार है। इस समाज में हमारा जन्म हुआ है और इसी वातावरण में हमें समा जाना है।

यही सृष्टि का भी अर्थ है। इसलिए हम अपने पास कुछ भी रोक कर नहीं रख सकते। अपनी युवावस्था, चमकीली त्वचा, अपने काले घने बाल, चमचमाते दांतों सहित कुछ भी नहीं। हमको सब कुछ छोड़ना ही होता है। अक्लमंदी यही हुई कि जब तक हों, तब तक समाज के लिए उपयोगी बन जाएं। मान लिया जाए कि खुले मन से कुछ भी देना या बांटना हमें आए या न आए, यह प्रकृति ज्यादा देर तक हमें कुछ भी रखने नहीं देती है। कुदरत की इस अलौकिक प्रयोगशाला में हमने देखा है कि इसमें सभी कुछ बनता भी है तो शून्य से है और वह समा भी शून्य में ही जाता है। हम एक संकल्प कर सकते हैं कि अपने पास अगर देने को कुछ न हो तो अपनी शुभकामना, सद्भावना ही अपने समाज को देते रहेंगे।

ओएनजीसी प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

बोकारो (ससे): ओएनजीसी अधिकारी संघ ने १२ मार्च को ओएनजीसी प्रबंधन द्वारा जारी एकतरफा आदेश के खिलाफ बड़े पैमाने पर आंदोलन और विरोध प्रदर्शन सफलतापूर्वक किया।

इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आह्वान ओएनजीसी अधिकारी संघ के महासचिव डॉ. पीयूष रंजन दास, महासचिव, और अध्यक्ष श्री जॉर्ज, द्वारा किया गया था।विरोध प्रदर्शन में सीबीएम परिसंपति बोकारो , दिल्ली, देहरादून, मुम्बई, कोलकाता, राजमुंदरी,चेन्नई, गुजरात, असम, त्रिपुरा, जोधपुर समेत ओएनजीसी के सभी कार्यालयों तथा फील्ड में बड़ी संख्या में कर्मचारियों और हितधारकों ने भाग लिया, जो प्रबंधन के मनमाने निर्णय लेने पर सामूहिक असंतोष का स्पष्ट प्रदर्शन था।

बातचीत और परामर्श के लिए बार-बार अपील के बावजूद, प्रबंधन ने उचित प्रक्रिया को दरकिनार करना चुना, जिससे कर्मचारियों के अधिकारों और हितों को नुकसान पहुंचा।

प्रदर्शनकारियों ने इस एकतरफा कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे तुरंत वापस लेने की मांग की। आंदोलन शांतिपूर्ण रहा, लेकिन अपने रुख पर अडिग रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने प्रतीकात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से अपनी चिंताओं को व्यक्त किया। शिकायतों और मांगों को उजागर करने वाला एक औपचारिक प्रतिनिधित्व भी संबंधित अधिकारियों को सौंपा गया।

ओएनजीसी अधिकारी संघ ने चेतावनी दी है कि यदि प्रबंधन चिंताओं को दूर करने में विफल रहता है और सार्थक चर्चा शुरू नहीं करता है, तो आने वाले दिनों में विरोध प्रदर्शन की तीव्रता बढ़ जाएगी। परिचालन में किसी भी व्यवधान की जिम्मेदारी पूरी तरह से प्रबंधन की रचनात्मक बातचीत में शामिल होने की अनिच्छा पर होगी। एसोसिएशन ने ओएनजीसी नेतृत्व से अपने दृष्टिकोण पर पुनर्विचार करने और सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करते हुए निष्पक्ष समाधान की दिशा में काम करने का आग्रह भी किया है।

इससे पूर्व एसोसियेशन के महासचिव डा. पीयूष रंजन दास ४ मार्च को विभिन्न मांगों को लेकर ओएनजीसी के अध्यक्ष एवं सीईओ श्री अरुण सिंह को पत्र भी भेज चुके हैं जिसकी प्रतिलिपि अन्य संबन्धित अधिकारियों को भी प्रेषित की जा चुकी है ।

लेकिन कोई सकारात्मक हल न निकलने के कारण ओओए का प्रबंधन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना पड़ा ।

फूड सेफ्टी ऑफिसर ने मीट दुकानों का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): उपयुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार बुधवार को फूड सेफ्टी ऑफिसर डॉ. श्वेता लकड़ा ने शहर के विभिन्न मीट दुकानों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने होली पर्व को लेकर मीट की बढ़ी मांग को देखते हुए दुकानों की साफ - सफाई एवं हाइजेनिक तरीके से दुकानों का संचालन का निर्देश दिया। फूड सेफ्टी ऑफिसर एवं उनकी टीम ने सेक्टर १२, सेक्टर ४, सेक्टर ९, दुंडीबाग बाजार, बारी-कोऑपरेटिव एवं ऋतुडीह क्षेत्र अंतर्गत संचालित दर्जनों मीट दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान दुकान संचालकों को विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी मार्ग- दर्शन का अनुपालन शत - प्रतिशत करने का निर्देश दिया।

टीम ने मेडिकल दुकान का किया निरीक्षण

बोकारो (ससे): विभिन्न श्रोतों से प्राप्त हो रही शिकायतों को लेकर उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार बुधवार को अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांडा के नेतृत्व में जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) आदि ने चास शहर के कोठारी मार्केट स्थित न्यू आर. के. मेडिकल का औचक निरीक्षक किया।

इस दौरान दुकान परिसर के समीप कोडिन युक्त कफ सिरप की खाली बोतल फेंकी पाई गई। अनुमंडल पदाधिकारी चास ने बताया कि उक्त सभी कफ सिरप प्रेसक्रिप्सन (पर्ची) ड्रग्स हैं। इन दवाओं को खरीदने के लिए चिकित्सक का पर्ची होना आवश्यक है। प्रतिष्ठान को उक्त दवा का क्रय - विक्रय अभिलेख का संधारण करना जरूरी होता है। लेकिन, संबंधित मेडिकल दुकान द्वारा इसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने मामले में औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) को नियम के तहत कार्रवाई के लिए जरूरी दिशा - निर्देश दिया। कहा कि इन दवाओं का खासकर युवा वर्ग/बच्चों द्वारा नशा के लिए सेवन कर दुरूपयोग किया जाता है।

किसी मेडिकल दुकान के समीप भारी मात्रा में इन दवाओं का खाली बोतल फेंका जाना। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतित होता है कि उक्त दवा को नशे के रूप में दुरुपयोग कर यहां खाली बोतल को फेंका गया है। टीम ने मौके से ७० से ज्यादा ऐसी दवा की बोतल आस - पास से एकत्र किया।

अनुमंडल पदाधिकारी चास ने औषधि निरीक्षक (ड्रग इंस्पेक्टर) को संबंधित कम्पनी एवं आस-पास के दवा दुकानों की भी जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने निरीक्षण से संबंधित एक प्रतिवेदन उपायुक्त को समर्पित करने की बात कहीं।

संस्कार भारती का होली मिलन

बोकारो (ससे): भारतीय साहित्य व ललित कलाओं को समर्पित अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की बोकारो जिला इकाई द्वारा मंगलवार की शाम होली मिलन का आयोजन सेक्टर ४ डी स्थित शिव-हनुमान मंदिर परिसर में किया गया।

संस्कार भारती के बोकारो जिला इकाई के महामंत्री स्वरूप शेखर पाण्डेय ने सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने अबीर लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कलाकारों ने होली गीत, भजन व नृत्य प्रस्तुत कर सबको आनंदित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत संस्कार भारती के ध्येय गीत के समवेत गायन से हुई। तत्पश्चात कवि, गायक व संस्कार भारती, बोकारो जिला इकाई के साहित्य प्रमुख अरुण पाठक ने होली कनक भवन में खेलत सिया रघुवीर व बिरज में होली खेलत नंदलाल की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रभा मोहनन, रजनी पाढ़ी, रुपक पांडेय आदि ने भी होली गीतों व भजनों की सुमधुर प्रस्तुति से सभी को आनंदित कर दिया।

हारमोनियम पर शुभम, तबले पर रेवंत जे पाढ़ी व बासुरी पर मुकेश दास ने अच्छी संगति की। उसके बाद नृत्य प्रमुख रजनी पाढ़ी के निर्देशन में श्रुति, आदित्य, नाहिद, जयश्री, प्रियांशु, ऋषभ, सान्वी, अन्वी, प्रणवी, पिहु व अन्य बच्चों ने होली पर मनोहारी नृत्य प्रस्तुत कर सबकी तालियां बटोरी। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए स्वरूप शेखर पांडेय ने आयोजन में सहयोग के लिए मंदिर के प्रमुख पंडित के के एन तिवारी सहित सभी आगंतुकों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर मुख्य रूप से संस्कार भारती झारखंड इकाई के सह चित्रकला प्रमुख, सरोज कुमार मिश्रा, बोकारो चित्रकला प्रमुख नागेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

होली के पहले बच्चों ने पूल लंच में की मस्ती

बोकारो (ससे): रंगोत्सव होली के पहले डीपीएस बोकारो के नन्हे छात्र-छात्राओं पर मस्ती का रंग खूब चढ़ा। मौका था पूल लंच का, जिसमें विद्यार्थियों ने खेल-खेल में शेयरिंग और केयरिंग के साथ-साथ आपसी एकजुटता बनाए रखने का पाठ सीखा। बुधवार को विद्यालय की प्राथमिक इकाई में आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों ने साथ खेला-कूदा, पूरे उत्साह के साथ अपने-अपने घरों से लाए भांति-भांति के व्यंजनों का आनंद लिया तथा गीत-संगीत पर जमकर धमाल मचाया।

इस अवसर पर विद्यालय की सभी कक्षाओं को बच्चों और शिक्षकों ने मिलकर रंग-बिरंगे गुब्बारों और आकर्षक कलाकृतियों से सजाया। गीत-संगीत के बीच पूरा वातावरण उत्सवमय बना रहा। साथ मिलकर बिताए गए खुशियों के इस पल में विद्यार्थियों के शिक्षक भी शरीक हुए। खास तौर से प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने विभिन्न कक्षाओं में बच्चों संग मिलकर केक काटे और उन्हें इस अवसर की बधाई दी।

छात्र-छात्राओं ने भी अपने प्राचार्य का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा उन्हें अपने हाथों से तैयार पूल लंच के शुभकामना पत्र भेंट किए।

प्राचार्य डॉ. गंगवार ने कहा कि बच्चों में पढ़ाई का तनाव और दबाव न हो तथा उन्हें जीवन में आनंदयुक्त भाव से रहने की प्रेरणा दी जाय, इस दिशा में पूल लंच जैसे आयोजन काफी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियां न केवल आनंद और उल्लास लाती हैं, बल्कि आपसी संबंधों को भी मजबूत बनाती हैं। इस आयोजन ने यह गहरी सीख दी कि एकता में ही वास्तविक सार्थकता है और सामूहिकता में जीवन का पूर्ण आनंद मिलता है।

संभल की जामा मस्जिद में होगी रंगाई-पुताई

प्रयागराज(ईएमएस): संभल की जामा मस्जिद में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रंगाई-पुताई की मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने कहा- मस्जिद कमेटी मस्जिद की बाहरी दीवारों में ही रंगाई-पुताई करवा सकती है। रमजान के दौरान मस्जिद में लाइटिंग भी करवा सकती है, लेकिन इस दौरान ढांचे को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने बुधवार को यह आदेश सुनाया। २५ फरवरी को जामा मस्जिद कमेटी के वकील जाहिर असगर ने मस्जिद की रंगाई-पुताई के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

गिरिडीह (ससे): जिले में बुधार को डुमरी स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-१९ में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। जिसकी चिपेट में आकर दो युवकों ने अपनी जान गंवा दी, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, तीन युवक डुमरी स्थित केबी हाई स्कूल मैदान में आयोजित प्रखंड स्तरीय बाहा बोगा सुगन महा सापड़ाव केदाय फूलो झानो सरणा समिति के सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेकर अपने घर वापस लौट रहे थे, तभी तीनों अचानक किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए, जिसमें दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक अन्य घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

इस हादसे में पैक थाना इलाके के नावाडीह वंशी के रहने वाले सुरेंद्र हेंब्रम (२३), पिता राम हेंब्रम निमियाघाट थाना इलाके के चंदनकुरवा के रहने वाले राकेश कुमार (२५) बेसरा, पिता बैद्यनाथ बेसरा की मौके पर ही मौत हो गई। निमियाघाट थाना इलाके के रहने वाले दिनेश टुड्डू, पिता युगल टुड्डू गंभीर रुप से घायल हो गया है, जिसे घटना के बाद स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जिसे डुमरी रेफरल अस्पताल में इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए डॉक्टरों ने धनबाद पीएमसीएच रेफर कर दिया।

छात्र-छात्राओं के मध्य निबंध व चित्रांकन प्रतियोगिता

चित्तरंजन (ससे): भारतीय रेलवे में इलेक्ट्रिक ट्रेक्शन के शानदार १०० वर्ष पूर्ण होने के उत्सव को (चित्तरंजन निरंजन कारखाना) चिरेका द्वारा भी यादगार बनाया जा रहा है। इस अवसर पर १४ फरवरी २०२५ को रेल नगरी स्थित विभिन्न स्कूल के छात्र -छात्रायों के मध्य निबंध और चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। स्कूल के छात्र -छात्रायों ने इस कार्यक्रम में उत्साह पूर्वक भाग लिया था । जिसमें प्रतियोगी बच्चों ने १९२५ से २०२५ तक भारतीय रेलवे के ट्रैक्सन की ऐतिहासिक गौरव यात्रा के बारे में निबंध और चित्रांकन के माध्यम से अपना विचार प्रदर्शन किया था।

इस प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सफल प्रतिभागियों को १२.०३.२०२५ को पुरस्कृत किया गया । तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि, श्री सत्य कुमार वर्मा ,प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर द्वारा सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया एवं बधाई देते हुए उनका उज्ज्वल भविष्य की कामना की । इस अवसर पर उपस्थित, अजित कुमार आलोक , मुख्य बिजली सर्विस इंजीनियर; दिनेश साव, मुख्य बिजली इंजीनियर/ ट्रैक्शन मोटर एवं रंजन मोहंती, मुख्य कार्मिक अधिकारी ने भी सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया एवं बधाई दी । समारोह में वरीय अधिकारीगण, पर्यवेक्षक तथा कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में बच्चें उपस्थित थे ।

बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विधायक ने किया सम्मानित

बोकारो (ससे): विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय - राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले जिले के दो खिलाड़ियों जिन्होंने राज्य व जिले का मान अंतर्राष्ट्रीय पटल पर बढ़ाया है को समाहरणालय में *माननीय विधायक बेरमो सह जिला एथलेटिक्स संघ बोकारो के अध्यक्ष जय मंगल सिंह ने साल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस क्रम में उपायुक्त विजया जाधव एवं पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी ने फुलों का गुलदस्ता देकर दोनों खिलाड़ियों क्रमशः गोल्डी मिश्रा एवं मो. साजिद को जीत की बधाई दी एवं आगे के लिए शुभकामनाएं दी।

जानकारी हो कि, चंदनकियारी आवासीय बालक एथलेटिक्स प्रशिक्षण केंद्र के गोल्डी मिश्रा ने तिरंदाजी में एशिया कप स्टेज - १ बैंककाक, थाइलैंड २०२५ में स्वर्ण पदक अर्जित किया है। वहीं, बिहार राज्य के पटना में २० वी. राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में प्रशिक्षण केंद्र के मो. साजिद ने ११०मी हर्डल्स में रजत पदक अर्जित कर परचम लहराया है। इस मौके पर राज्य औद्योगिक सुरक्षा बल के कमांडेंट मुकेश कुमार, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन समेत अन्य उपस्थित थे।

होटल के कमरे में मृत मिली उज़्बेकिस्तान की महिला

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित एक होटल के कमरे में ४३ वर्षीय एक विदेशी महिला का शव बरामद हुआ है।

पुलिस ने बताया कि उज़्बेकिस्तान की महिला एगंबरडीवा ज़ेबो पिछले दो मार्च को सतनाम नामक युवक के साथ आई और होटल में ठहरी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सतनाम बाद में वापस चला गया और उसके बाद महिला ही होटल में रुकी थी। पुलिस ने बताया कि आपातकालीन हेल्पलाइन ११२ पर एक कॉल प्राप्त हुई, जिसमें बताया गया कि विजयंतखंड में होटल अतिथि इन के कमरा १०९ में एक महिला बेहोश पड़ी है।

अस्पताल कर्मियों ने किया होली मिलन का आयोजन

डुमरी (ससे): रेफरल अस्पताल डुमरी के परिसर में बुधवार को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी चिकित्सकों,स्वास्थ्य कर्मियों एवं कार्यालय कर्मियों के साथ साथ सभी सहिया एवं सहिया साथियों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं व बधाई दिया।

इस दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार महतो चिकित्सा पदाधिकारी डॉ कामेश्वर महतो बीएएम राम प्रवेश बीटीटी मानिकचंद महतो सहित सभी बीटीटी उपस्थित थे।

जब पटना का नाम बदलकर अजीमाबाद करने वाले थे लालू यादव

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तीखी होती जा रही है. इस बीच होली और जुमा को लेकर नया विवाद पैदा हो गया है. जुमे यानी शुक्रवार के दिन होली को लेकर बीजेपी विधायक हरिभूषण बलौच के बयान पर राजद हमलावर है. नेता प्रतिपक्ष तो सीधा 'बाप' तक पहुंच गए और कह दिया कि 'बाप का राज' है.

उनके इस बयान पर भी सियासत गरमा गई है. सियासी जानकारों का कहना है कि अपने विशेष वोटबैंक को खुश करने के लिए तेजस्वी यादव ने इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया है. वैसे यह पहली बार नहीं है जब राजद पर तुष्टिकरण करने का आरोप लगा है. राजद अध्यक्ष लालू यादव भी इसी तरह की हरकते रहे हैं. राजद अध्यक्ष लालू यादव ने तो पटना का नाम बदलकर अजीमाबाद करने की डिमांड कर दी थी. यह घटना २००७ की है. उस वक्त लालू यादव रेल मंत्री थे. उन्होंने मांग की थी कि पटना का नाम अजीमाबाद रखा जाए. बता दें कि मुगलकाल में पटना शहर अजीमाबाद के नाम से जाना जाता था.

इतिहासकारों के मुताबिक, औरंगजेब के पोते प्रिंस अजीम-उस-शान १७०३ में पटना के गवर्नर के तौर पर आए थे. उससे पहले शेरशाह ने अपनी राजधानी बिहारशरीफ से हटाकर पटना बना ली थी. यह प्रिंस अजीम-उस-शान ही थे, जिन्होंने पटना को एक खूबसूरत शहर बनाने की कोशिश की और उन्होंने ही इसे 'अजीमाबाद' नाम दिया. हालांकि आम लोग इसे 'पटना' ही कहते रहे.

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और राजद मंत्री स्वर्गीय गुलाम सरवर की जयंती पर लालू यादव ने कहा था कि सरवर की अंतिम इच्छा थी कि पटना को अजीमाबाद के नाम से जाना जाए और वह उनकी इच्छा को पूरी करना चाहते हैं.

हालांकि, लालू यादव जब सत्ता में थे तो इसका विरोध किया करते थे. जब १९९० के दशक के अंत में बिहार विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्ष स्वर्गीय देव नारायण यादव ने पटना का नाम बदलकर पाटलिपुत्र करने के लिए लालू को ज्ञापन सौंपा था, तो लालू ने यह कहते हुए इसे ठुकरा दिया था कि शहर का नाम बदलना अप्रासंगिक मुद्दा है.

कन्हैया कुमार की यात्रा से बिहार कांग्रेस के नेता नाराज

पटना (एजेंसी): बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारी तेज कर दी है. खबर आ रही है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर बिहार में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार रोजगार के मुद्दे पर एक पदयात्रा निकालने जा रहे हैं. सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के युवा छात्र नेता कन्हैया कुमार १६ मार्च से १४ अप्रैल तक 'बिहार में नौकरी दो' यात्रा निकालेंगे. इन सबसे बीच अब खबरे सामने आ रही है कि कन्हैया कुमार की इस यात्रा से बिहार कांग्रेस नेतृत्व नाखुश है. प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व से कन्हैया कुमार ने इस यात्रा को लेकर राय नहीं ली है.

सूत्रों की मानें तो कन्हैया कुमार की ये यात्रा बिहार के ऐतिहासिक पूर्वी चंपारण से शुरू होने वाली है. जो पटना तक चलेगी. ५०० किलोमीटर तक चलने वाली ये यात्रा बिहार के २० जिलो से होकर गुजरने वाली है. इस दौरान रोजगार, पेपरलीक और पलायन जैसे मुद्दे को प्रमुखता से उठाया जाएगा. इस यात्रा के जरिए कन्हैया कुमार करीब १०० से अधिक विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने वाले हैं. वहीं अब खबर आ रही है कि कन्हैया कुमार ने इस यात्रा को लेकर प्रदेश के नेतृत्व से राय नहीं ली है, जिसके बाद कन्हैया कुमार की इस यात्रा से प्रदेश के नेता नाराज हैं.

खबर आ रही है कि दिल्ली में राहुल गांधी और खरगे के साथ १२ मार्च को बिहार कांग्रेस नेताओं की चुनावी तैयारियों और रणनीति के लिए होने वाली बैठक को भी टील दिया गया है. दरअसल तेजस्वी यादव बिहार में कन्हैया को सक्रिय नहीं देखना चाहते. यही वजह है कि दोनों युवा नेताओं में छत्तीस का आंकड़ा देखने को मिलता है.

60 सीटों पर वीआईपी ने दावा ठोकते हुए चुनाव लड़ने का लिया फैसला

पटना (एजेंसी): पश्चिम चम्पारण जिला के वाल्मीकिनगर स्थित वाल्मीकि सभागार में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक और अधिवेशन के बाद वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने आगामी विधानसभा चुनाव में जातिगत पत्ता खोल दिया है. उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में ५०% सीटें अतिपिछड़ी और ड्उ- ड्ढ के लिए रिजर्व होंगी. दरअसल १ अप्रैल से जून २०२५ तक वीआईपी अपना सदस्यता अभियान चलाएगी और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने में जुट गई है. लिहाजा पार्टी कार्यकर्ताओं में चुनावी हुंकार भरते हुए वीआईपी के राष्ट्रीय अधिवेशन में दूसरे दिन मुकेश सहनी ने ११ एजेंडा पेश कर उस पर पार्टी कार्यकर्ताओं की सहमति ली.

खास बात यह है कि बिहार की कुल २४३ में से ६० सीटों पर वीआईपी ने दावा ठोकते हुए चुनाव लड़ने का फैसला लिया है. विकासशील इंसान पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर एक ओर हुंकार भर रही है तो दूसरी ओर महागठबंधन के साथ पूरी मजबूती से खड़ा रहने की मुकेश सहनी ने जानकारी दी है.

धनवार नगर पंचायत,गिरिडीह

Very Short Term E-Tender Rate Quotation

ई0–कोटेशन संख्या : UDD/DNP/WTP/01/2025 दिनांक :......2025

1	कार्य का नाम	E-Quotation Are Invited For Ascertaining Rate Of Items (Inclusive Of All Taxes) For Preparing Estimate Of " Electromechanical Items Like Pump Motor, Stabilizer, Compressor,Switch Panel, Change Over Switch With Complete Job In Water Treatment Plant And Hand Pump Items.
2	कोटेशन वेबसाईट पर प्रकाशित करने की तिथि एवं समय	11/03/2025 के 12:30 बजे पूर्वाहन।
3	कोटेशन प्राप्त करने अंतिम तिथि एवं समय	21/03/2025 के 2:00 बजे अपराहन।
4	कोटेशन खुलने की तिथि एवं समय	21/03/2025 के 3:00 बजे अपराहन।
5	(क) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का पदनाम एवं पता (ख) निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का फोन नं0.	कार्यपालक पदाधिकारी, धनवार नगर पंचायत, गिरिडीह। दूरभाष : 06554 796845
6	प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्प लाईन नं0.	दूरभाष : 06554 796845

(नोट : नियम एवं शर्तें https://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।)

ह0/–
कार्यपालक पदाधिकारी,
धनवार नगर पंचायत

PR 348426 Urban Development and Housing(24-25).D

होली से पहले थाने से गायब हो गई जब्त शराब

मुजफ्फरपुर (ईएमएस): मुजफ्फरपुर जिले में होली से पहले बड़ा कांड हो गया। बेला थाना में जब्त शराब को गायब करने का मामला सामने आया है। मामले में थाने के निजी मुंशी सहित दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। जांच में थानाध्यक्ष की लापरवाही सामने आने पर उन्हें निलंबित कर दिया है। वहीं अन्य पदाधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में है।

बेला थाना परिसर में शराब विनिष्टीकरण के दौरान करीब एक दर्जन से अधिक कार्टन शराब गायब कर दी गई। शराब गायब करने के खेल में शामिल थाने के निजी मुंशी सुजीत और इलाके के मो. शहादत को गिरफ्तार किया था।

शराब लदी एक कार भी जब्त की गई। गिरफ्तार मो. शहादत थाने के शांति समिति सदस्य बताया गया है। उसके एक राजनीतिक दल से भी जुड़े होने की चर्चा है।

सदन में राबड़ी से भिड़ गए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना (एजेंसी): बिहार विधान परिषद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बीच टकराव देखने को मिला. इसके बाद सदन से बाहर निकली राबड़ी देवी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री महिलाओं को अपमानित करते हैं. दरअसल, बिहार विधान परिषद में राबड़ी देवी ने सरकार को घेरते हुए कहा कि बिहार में कोई काम नहीं हुआ है. इसे सुनकर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जाहिर की. इस दौरान उन्होंने राजद सरकार को लेकर बोलना शुरू किया. इसके बाद राजद के सदस्य सदन से बाहर निकल गए. राबड़ी देवी ने बाहर आकर पत्रकारों से कहा, नीतीश कुमार कुछ भी बोलते रहते हैं. महिलाओं का अपमान करते हैं. उन्होंने सदन में हमें भी अपमानित किया.

नीतीश कुमार कहते हैं कि २००५ से पहले कोई कपड़ा पहनता था? उन्होंने केवल मेरा नहीं, पूरे बिहार की महिलाओं का अपमान किया है. उन्होंने कहा कि २००५ के पहले काम नहीं होता था, फाइल देखिए कि क्या-क्या काम हुआ था. बिहार की जनता नहीं जानती है क्या? हम लोगों ने महिलाओं, पिछड़े, अति पिछड़े, अल्पसंख्यकों, सभी के लिए काम किए हैं.

उन्होंने कहा कि क्या नीतीश कुमार २००५ के पहले नहीं थे? पत्रकारों से भी उन्होंने कहा कि आप लोगों ने पहले हुए कामों को नहीं देखा है क्या? पहले बाजार, हाट नहीं था, तो व्यापार कैसे होता था? उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार दो बार सदन में हमें अपमानित कर चुके हैं. मुख्यमंत्री के पीछे पांच-छह लोग हैं, जो उन्हें सिखाते हैं, वही सीएम बोलते हैं.

सीएम भाजपा की गोद में हैं और वही लोग कान भरते हैं. इनकी पार्टी के भी तीन-चार लोग हैं, जो उनके कान में फूंकते रहते हैं. नीतीश कुमार को उनके ही लोग बेइज्जत कराते रहते हैं. वही सिखाते हैं कि ऐसे बोलिए. सीएम के बयान के बाद हम लोगों ने सदन का बहिष्कार कर दिया.

कार्यालय : चिरकुण्डा नगर परिषद्, चिरकुण्डा (धनबाद)

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 :– 05/2024–25

1. विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक पदाधिकारी, चिरकुण्डा नगर परिषद्
2. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं अवधि :– 24.03.2025, 10:00 बजे से 03:00 बजे अप0 तक
3. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यालय चिरकुण्डा नगर परिषद्
4. निविदा प्राप्त करने की तिथि अवधि एवं स्थान :– 26.03.2025 अप0 03:00 बजे तक चिरकुण्डा नगर परिषद् कार्यालय।
5. निविदा खोलने की तिथि समय एवं स्थान :– 26.03.2025 अप0 04:00 बजे चिरकुण्डा नगर परिषद् कार्यालय।
6. कार्य की विवरणी :– क्रम सं0 01 से 44 तक कार्य का नाम एवं निविदा की नियम एवं शर्तें कार्यालय अवधि में कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखी जा सकती है।

क0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की अवधि
01	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 04 में सुनिल पंडित के घर से ग्राम स्थान तरफ कल्मर्ट सहित पी0सी0सी0 पथ निर्माण	602530.00	2% of BOQ	5000.00	60 दिन
02	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 07 में शांति गोराई के घर से नंदलाल स्कूल तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	202315.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
03	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 20 में रंजना यादव के घर से रामु गोराई के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	169790.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
04	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 21 में डुमरकुण्डा में पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	340574.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
05	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 16 में बजरंग बली मंदिर के सामने पेभर ब्लॉक का कार्य।	397132.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
06	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 20 में बिलु के घर से जोटा काली मंदिर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	122192.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
07	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 11 में सरदार सिंह के घर से मंजय सिंह के घर तक पी0सी0सी0 पथ का निर्माण एवं मजबूतीकरण कार्य।	244540.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
08	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 11 में सुनील पात्रा के घर से गोविंद पात्रा के घर तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	219968.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
09	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 02 में जी0टी0 रोड से माडा कॉलोनी तरफ कल्मर्ट सहित पी0सी0सी0 पथ का निर्माण एवं मजबूतीकरण कार्य	238464.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
10	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 12 में बरूण सिकंदर के घर से खोमानिधि बाग के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	253697.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
11	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 10 में डब्लू क घर से गुल्जार मिस्त्री के घर तरफ एवं उत्तम मिस्त्री के घर से सारदा सेल्स के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	255620.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
12	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 09 में सनि मंदिर से खालिक अंसारी के घर तरफ कल्मर्ट सहित पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	499760.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
13	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 06 में इमामबाड़ा से स्व0 समसुर हक के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	597015.00	2% of BOQ	5000.00	60 दिन
14	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 14 में संजय खरबार के घर से एम0सी0 नंदी के घर तरफ कल्मर्ट तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	217961.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
15	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 03 में आशीष गोस्वामी के घर से दाना चक्रवर्ती के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	171408.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
16	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 01 में फरूण अंजुम के घर से सुल्तान अंसारी के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	337118.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
17	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 15 में पप्पु साह के घर से विशाल पासवान के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण एवं लालबाबू यादव के घर से विशाल पासवान के घर तरफ एवं हनुमान मंदिर के समीप पेभर ब्लॉक का कार्य।	232302.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
18	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 13 में शिवजी बादी के घर से खिरन चौधरी के घर तरफ बाघाकुड़ी में पी0सी0सी0 पथ का निर्माण एवं मजबूतीकरण कार्य।	249976.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
19	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 14 में मुख्य पथ (कालीघौड़ा) से अशोक राज के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण एवं अशोक राजा के घर के सामने पेभर ब्लॉक का कार्य।	148309.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
20	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 14 में दिनेश सोना क घर से मुकेश दत्ता के घर तक एवं सत्वीर दत्ता के घर से सहिन्द्र नाथ एवं पोरेश सोना के घर से बजरंग बली मंदिर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	305282.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
21	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 21 में राजेश सिंह के घर से गोपी गोराई के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ एवं नाली निर्माण।	159889.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
22	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 10 में नेहरू रोड से सामुदायिक शौचालय पम्पु तालाब तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	344023.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
23	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 03 में निपेन दास के घर से श्रीराम मंडल के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ, रिटेनिंग वॉल एवं मिट्टी भराई का कार्य	166444.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
24	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 16 में राजन सिंह के घर से गोपाल पंडित के घर तरफ एवं विभाष मिश्रा के घर से कामदेव गुप्ता के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	390695.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
25	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 07 में इसराईल के घर से जी0टी0 रोड तरफ पी0सी0सी0 पथ का निर्माण एवं मजबूतीकरण कार्य एवं रमजान के घर से जी0टी0 रोड (कुशडंगाल) तरफ नाली निर्माण।	462213.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
26	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 14 में बिजय कुमार सिंह के घर के पीछे से बसंती घोष के घर तरफ साथ ही सिलधर यादव के घर से मुख्य नाला तक नाली निर्माण।	208770.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
27	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 21 में पोरेश चटर्जी के घर से कालो देवघरिया के घर तरफ नाली निर्माण।	117109.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
28	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 09 में सीता साव के घर से नेहरू रोड मुख्य नाला तरफ पी0सी0सी0 पथ एवं नाली निर्माण।	250676.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
29	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 05 में बैद जी के घर से सुरेश यादव के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	182622.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
30	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 11 में संतोष शर्मा के घर के बगल में एस0एच0एम0एस0 तालाब से पी0सी0सी0 पथ सुभाष नगर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	733311.00	2% of BOQ	5000.00	60 दिन
31	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 18 में प्रकाश साव के घर से रितेश जिंदल के घर के पीछे तक पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	274930.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
32	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 13 में रामनाथ बाउरी के घर से कुतुब अंसारी के घर तरफ होते हुए रफिक एवं राजु बाउरी के घर से झिलिया तरफ पेभर ब्लॉक का कार्य।	296728.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
33	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 20 में रजना यादव के घर से रामू गोराई के घर तरफ एवं अरूण साव के बाउण्ड्री से पी0सी0सी0 पथ के सामने अरूण साव के मैन गेट तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	242925.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
34	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 19 में सुदाम बाउरी के घर से कल्मर्ट तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	180515.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
35	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 19 में कालोसोना के घर से हरि मंदिर तरफ नाली निर्माण।	393077.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
36	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 08 में कयुम अंसारी के घर से मस्जिद चौक तक, रिजवान के घर से अली हसन के घर तक पी0सी0सी पथ का मजबूतीकरण एवं उर्दू स्कू से तेल मिल रोड तक स्लेब का मरम्मती कार्य।	262627.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
37	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 12 में प्रदीप चौधरी के घर से पाण्डेय जी के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	271082.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
38	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 21 में प्रदीप गोराई के घर से नजराज पथ (सुंदर नगर) तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण एवं निर्माण कार्य।	410381.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
39	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 21 में पंचेत रोड से पिंटु कांजीलाल क घर तरफ पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	145854.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
40	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 17 में विश्वनाथ तारा के घर से अरूण ठाकुर के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	135877.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
41	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 21 में बुधा देवघरिया के घर से आलोक चटर्जी के घर तरफ कल्मर्ट एवं नाली निर्माण।	358290.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
42	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 16 में काशीनाथ के घर से सावजी के घर तरफ पी0सी0सी0 पथ का मजबूतीकरण कार्य।	138031.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
43	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 12 में रामजी के घर से सर्वे बारिक क घर तरफ नाली निर्माण।	483983.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन
44	चिरकुण्डा नगर परिषद् अंतर्गत वार्ड सं0 12 में प्रदीप शर्मा के घर से अशोक सिंह के घर तरफ कल्मर्ट एवं नाली निर्माण।	316342.00	2% of BOQ	1000.00	60 दिन

प्रशासक
चिरकुण्डा नगर परिषद्

PR 348544 Urban Development (24-25)_D

समाहर्त्ता एवं उपायुक्त का न्यायालय, धनबाद

ज्ञापांक 122/न्याया0 — दिनांक 10/03/2025

अधिहरण वाद संख्या–05/2017

(झारखण्ड सरकार बनाम अरविंद कुमार गुप्ता उर्फ बब्लू गुप्ता एवं अन्य)

नोटीस

प्रेषित,

1. श्री प्रकाश कुमार गुप्ता(वाहन मालिक सं–JH10AF-7408)
पिता–आर0पी0गुप्ता सा–हनुमान गढी, छाताटांड, केन्दुआ, धनबाद–826116
2. श्री ईदु अंसारी पिता–स्व0गफुर अंसारी, सा–गोधर 30 नम्बर केन्दुआडीह जिला–धनबाद
3. श्री अरविंद कुमार गुप्ता उर्फ बब्लू गुप्ता (जन वितरण विक्रेता अनुज्ञप्ति सं–2/DHN/06)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि प्रतिवादी को सूचित किया जाता है कि विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी, धनबाद द्वारा केन्दुआडीह थाना काण्ड सं0–49/2017 में जब्त खाद्यान्न एवं वाहन सं–**JH10AF-7408** को आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा–6A के तहत अधिहरण हेतु भेजा गया है। ज्ञात हो कि वाद की सुनवाई दिनांक 15.4.25 को निर्धारित की गई है।

अतः प्रतिवादी को इस समाचार पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि दिनांक 15.4.25 को पूर्वाह्न 11.00 बजे स्वयं/अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर कारण–पृच्छा दाखिल करें कि क्यों नहीं केन्दुआडीह थाना काण्ड सं0–49/2017 में जब्त खाद्यान्न एवं वाहन सं–**JH10AF-7408** को आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा–6A के तहत अधिहरण किया जाय।

उप समाहर्त्ता प्रभारी
विधि शाखा, धनबाद

PR 348471 Law (24-25)_D

झारखंड सरकार
कार्यालय–जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद।

दूरभाष सं0– 0326–2313331 Email: drda.dhanbad@gmail.com

:: अति अल्पकालीन निविदा सूचना ::

मनरेगा अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में "बिरसा हरित ग्राम योजना" के तहत धनबाद जिला में गुणवत्तापूर्ण Grafted Layered आम, अमरूद, नींबू कटहल, Drum Stick आदि पौधों की खरीदारी के लिए दर निर्धारण हेतु विभागीय पत्रांक (N) 244 (अनु0), दिनांक– 27.02.2025 के द्वारा झारखंड राज्य में अवस्थित स्थानीय NHB (National Horticulture Board) द्वारा निबंधित नर्सरियों से जिनका झारखंड राज्य अन्तर्गत GST No. हो, के द्वारा पौधों का क्रय करने हेतु दिशा निदेश प्राप्त है।

विभागीय पत्र के आलोक में NHB (National Horticulture Board) अंतर्गत निबंधित झारखंड राज्य में अवस्थित नर्सरियों से पौधा आपूर्ति के लिए दर निर्धारण हेतु निविदा आमंत्रित किया जाता है।

नोटः–

1. निविदा की सामग्री, नियम एवं शर्त्तों की पूर्ण विवरणी धनबाद जिला के वेबसाईट www.dhanbad.nic.in पर एवं जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है।
2. इच्छुक निविदादाता दिनांक 29.03.2025 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 2.00 बजे तक जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हो कर मुहरबंद निविदा दे सकते हैं।
3. प्राप्त मुहरबंद निविदाओं को दिनांक 29.03.2025 के ~~पूर्वाह्न~~/अपराह्न 4.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जाएगी। निविदा खोलने के समय निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

उप विकास आयुक्त,
धनबाद।

PR 348490 Rural Development(24-25)D

झारखण्ड शिक्षा परियोजना,जामताड़ा

DISTRICT LEVEL OFFICE BLOCK-C NEW COMBINED BUILDING
DISTRICT- JAMTARA, PHONE/ FAX- 06433-223342, Email –ssajmt1@gmail.com

आम सूचना

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के धारा 12(1)(C) के अंतर्गत 25 प्रतिशत सीट पर अभिवंचित एवं कमजोर वर्ग के बच्चों का नामांकन शैक्षणिक सत्र 2025–26 में जामताड़ा जिले के 15 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों (अल्प संख्यक विद्यालयों को छोड़कर) के प्रवेश कक्षा में नामांकन हेतु ऑनलाईन पोर्टल (www.samagrashikshajamtara.com) पर आवेदन की मांग की जाती है। आवेदन Online भरने एवं नामांकन के लिए निम्नवत् तिथि निर्धारित की जाती है :–

1	नामांकन हेतु ऑनलाईन आवेदन भरने की तिथि	18.03.2025 से 30.03.2025
2	जिला द्वारा प्राप्त आवेदन की जॉच की तिथि	31.03.2025
3	जिला के द्वारा चयनित बच्चों का नामांकन हेतु समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान करने की तिथि	04.04.2025
4	चयनित बच्चों की सूची जिला कार्यालय द्वारा प्रकाशन की तिथि	07.04.2025
5	चयनित बच्चों की सूची विद्यालय को उपलब्ध कराने की तिथि	07.04.2025
6	चयनित बच्चों का विद्यालयों में नामांकन की तिथि	08.04.2025 से 17.04.2025
7	विद्यालय द्वारा नामांकित बच्चों की सूची जिला कार्यालय को उपलब्ध कराने की तिथि	19.04.2025
8	खाली सीट भरने हेतु विद्यालय द्वारा दूसरी सूची प्रकाशित करने की तिथि	19.04.2025
9	नामांकन की अंतिम तिथि	28.04.2025

इच्छुक अभ्यर्थी के माता/पिता/अभिभावक नामांकन हेतु इच्छुक विद्यालय में ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। 15 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों (अल्प संख्यक विद्यालयों को छोड़कर) की सूची पोर्टल पर उपलब्ध है। सभी मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के अध्यक्ष/सचिव/प्राचार्य को निदेश दिया जाता है कि RTE के मानकों के अनुरूप पारदर्शिता अपनाते हुए उपरोक्त तिथिनुसार नामांकन की कार्रवाई करेंगे।

नोट :- नामांकन हेतु नियम एवं शर्तें जिले के अधिकारिक बेवसाईट jamtara.nic.in पर देखा जा सकता है।

जिला शिक्षा अधीक्षक–सह–नोडल पदाधिकारी, झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा
उपायुक्त–सह–अध्यक्ष, झारखण्ड शिक्षा परियोजना, जामताड़ा

PR 348451 Jamtara(24-25).D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, बोकारो
(जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार)

सुरक्षित होलिका दहन के लिए दिशा-निर्देश और सलाह

होलिका दहन को सुरक्षित और दुर्घटना–मुक्त बनाने के लिए, आग से संबंधित दुर्घटनाओं से बचने के लिए इन निवारक उपायों का पालन करें:–

1. सुरक्षित स्थान चुनें– होलिका दहन घरों, पेड़ों, वाहनों और ज्वलनशील पदार्थों से दूर, खुले क्षेत्र में करें।
2. सुरक्षित दूरी बनाए रखें– आग से सुरक्षित दूरी बनाए रखें, खासकर बच्चों और बुजुर्गों का विशेश ध्यान रखें।
3. पर्यावरण के अनुकूल सामग्री का उपयोग करें– प्लास्टिक, रसायन या हानिकारक पदार्थों को जलाने से बचें जो विषाक्त धुएं को छोड़ते हैं।
4. आग के आकार को नियंत्रित करें– बड़ी या अनियंत्रित आग न लगाएँ। होलिका दहन के दौरान छोटे एवं सुरक्षित आग को प्राथमिकता दे।
5. अग्निशामक यंत्र और पानी पास में रखें– आपातकालीन स्थिति में पानी की बाल्टी, रेत या अग्निशामक यंत्र की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
6. ढीले या सिंथेटिक कपड़े पहनने से बचें– आग लगने के जोखिम को कम करने के लिए सूती कपड़ों को प्राथमिकता दें।
7. बच्चों और बुजुर्गों की निगरानी करें – बच्चों को आग के पास न जाने दें और सुनिश्चित करें कि बुजुर्ग व्यक्ति सुरक्षित दूरी बनाए रखें।
8. ज्वलनशील पदार्थों से सावधान रहें – आग को जलाने के लिए केरोसिन, पेट्रोल या अन्य ज्वलनशील तरल पदार्थों का उपयोग न करें।
9. उचित अग्नि शमन सुनिश्चित करें – समारोह के बाद, सुनिश्चित करें कि होलिका दहन स्थल छोड़ने से पहले आग पूरी तरह से बुझ गई है। राख का जिम्मेदारी से निपटान करें एवं आग बुझने के बाद, जल निकायों को प्रदूषित किए बिना राख का उचित निपटान सुनिश्चित करें।
10. पर्यावरण का सम्मान करें – पर्यावरण संरक्षण पेड़ों और वन्यजीवों को नुकसान न पहुँचाएँ तथा लकड़ी इकट्ठा करते समय जीवित पेड़ों को काटने या पक्षियों के घोंसलों को नुकसान पहुँचाने से बचें।
11. कभी भी आग में खड़े न हों, हमेशा धुएँ के नीचे रेंगें और अपना मुँह ढक कर रखने की कोशिश करें।
12. आग लगने की स्थिति में शांत रहें, घबरायें नहीं और भागे नही। पीड़ित को कंबल में तब तक लपेटें जब तक आग बुझ न जाए।
13. होलिका दहन में यथा संभव पटाखों का प्रयोग न करे।
14. होलिका दहन के दौरान धुएँ से प्रदुशण बढ़ जाने की स्थिति में श्वास रोगियों को विशेश सावधानी रखने की जरूरत है।
15. अगर कोई व्यक्ति जल जाता है तो उसके शरीर के जले हुए हिस्से को तुरंत पानी में डुबोएँ उसके बाद उस स्थान पर कोई मलहम जैसे– एलोविरा या बरनौल, नारियल तेल आदि लगाएँ। अगर जलन ज्यादा गंभीर है तो पीड़ित को तुरन्त अस्पताल ले जाएँ।
16. होलिका दहन के समय यह ध्यान रखें कि उपर या आस पास कोई पेड़, घर, विशेषकर झोपड़ियो, दीवार, बिजली तार आदि न हो।
17. जिम्मेदारी से मनाएँ – शिष्टाचार और सुरक्षा बनाए रखें, यह सुनिश्चित करें कि त्योहार आनंदमय हो और दुर्घटनाओं से मुक्त रहे। इन सावधानियों का पालन करके, हम खुद को, अपने आस–पास और पर्यावरण की सुरक्षा करते हुए सुरक्षित रूप से होलिका दहन एवं होली का त्योहार मना सकते हैं।

नोट :– किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिये 100, अग्नि शमन सहायता के लिये 8340332843, 8709299809, 6200400918 एम्बुलेंस की सहायता के लिए 108 एवं कंपोजिट कन्ट्रोल रूम के लिये 06542–247891,06542–223475 एवं 06542–242402 नम्बर पर संपर्क करें।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, बोकारो द्वारा जनहित में जारी।

उपायुक्त–सह–अध्यक्ष,
जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, बोकारो

PR 348442 District (24-25)_D

होली की पूर्व संध्या पर मुख्यालय हाजीपुर में हास्य कवि-सम्मेलन

हाजीपुर (एजेंसी): महाप्रबंधक की अध्यक्षता में आज पूर्व मध्य रेल, मुख्यालय हाजीपुर द्वारा हास्य कवि-सम्मेलन का आयोजन महाप्रबंधक महोदय, अपर महाप्रबंधक महोदय व प्रधान विभागाध्यक्षों व आमंत्रित कवियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया. महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने कवि सम्मेलन में आमंत्रित कवियों का स्वागत किया और कहा कि इनकी कविताओं में अबीर होगा, गुलाल होगा और रंगों का संसार होगा, साथ ही उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को होली की शुभकामनाएं दीं- अपर महाप्रबंधक ने आमंत्रित कवियों का स्वागत करते हुए कहा कि हास्य कवि सम्मेलन होली और हास्य का अद्भुत मिलन होता है. मुख्य राजभाषा अधिकारी सह प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय रेल हमारे देश को भौगोलिक रूप से एक सूत्र में जोड़ती है उसी प्रकार हिंदी हमारे देश के करोड़ों लोगों के हृदय को एक विराट हृदय में पिरोती है. इस कवि-सम्मेलन में नामचीन शायरा आराधना प्रसाद, शायर समीर परिमल, कमल किशोर वर्मा, सीमा रानी, अमीर हमजा उन्होंने अपनी लाजबाव शायरी और प्रस्तुति से महफिल को जीत लिया.

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, DRINKING WATER &SANITATION DIVISION TENUGHAT

शुद्धि-पत्र

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित ई निविदा सूचना संख्या DWSD/Tenughat/05/2024-25 (1st Call) दिनांक 10/03/2025 जिसका पी0आर0 संख्या 348283 है में Time of Completion - 10 Days के स्थान पर 02 माह पढ़ा जाय।

निविदा की शेष शर्त्तें यथावत्त रहेंगी।

Executive Engineer,
Drinking Water & Sanitation
Tenughat

PR.NO.348500 Drinking Water and Sanitation(24-25):D

झारखंड सरकार
कार्यालय-जिला ग्रामीण विकास शाखा,धनबाद

दूरभाष सं0– 0326–2313331
Email: drda.dhanbad@gmail.com

–:: बिरसा हरित ग्राम योजना से संबंधित अल्पकालीन निविदा ::–

ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार, रॉंची के पत्रांक (N) 273 (अनु0) दिनांक 03.03.2025 के आलोक में बिरसा हरित ग्राम योजना (वित्तीय वर्ष 2025–26) के कार्यान्वयन हेतु धनबाद जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्ड के पंचायतों में बागवानी से संबंधित विभिन्न सामग्रियों का क्रय किया जाना है, जिसके लिए इच्छुक निर्माताओं/आपूर्तिकर्त्ताओं से निम्न सामग्रियों का मुहरबंद निविदा आमंत्रित किया जाता है:–

क्र0सं0	सामग्री का नाम	विवरणी
1	खाद	केंचुआ खाद या समतुल्य (प्रति किलो)
		गोबर खाद या Farm Yard Manure FYM (प्रति किलो)
		नोट–केंचुआ खाद या गोबर खाद में से किसी एक सामग्री का क्रय किया जायेगा
		नीम/करंज खल्ली (प्रति किलो)
		बोनमील (Bone Meal) या SSP (प्रति किलो)
		Dolomite (In Kg)
2	फफुन्दनाशक	Trichoderma Viride 1.5%WP(2x10^6-10^8CFU/gm) (In Kg)
		Chlorothalonil 75%WP (In Kg)
		Copper Oxychloride (Blue copper or equivalent) (In Kg)
3	कीटनाशक	Fipronil 0.3 GR (In Kg)
		Azadirechtin 3000 PPM (In Liter)
		Lamda-Cyhalothrin 5% EC (In Liter)
		दीमकनाशक दवा (Bifenthrin 2.5% EC: Bifex TC or equivalent) (प्रति लीटर)
4	रसायनिक खाद	सूक्ष्म–पोशक तत्व (Toto care/Agromin या Equivalent) (प्रति लीटर)
		यूरिया (प्रति किलो)
		NPK 10:26:26 (सुफला या समतुल्य) (In Kg)
		SSP (In Kg)
		MOP (पोटाश) (In Kg)
5	Antibiotic	Plant Antibiotic (Kasugamycin 5% या समतुल्य) (प्रति लीटर)
6	प्लास्टिक	जलकुंड हेतु 250 माइक्रोन का UV resistant पॉलिथीन (एक जलकुंड हेतु 6 Kg पॉलिथीन जिसका लम्बाई 18 फीट एवं चौड़ाई 14 फिट हो)
7	अन्य	गोबर खाद (प्रति किलो), बाँस(प्रति पीस), कील (Nail) (प्रति किलो),तार(GI wire)(प्रति किलो)

नोटः–

1. निविदा की सामग्री, नियम एवं शर्त्तों की पूर्ण विवरणी धनबाद जिला के वेबसाईट www.dhanbad.nic.in पर एवं जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद से प्राप्त किया जा सकता है।
2. इच्छुक निविदादाता **दिनांक 29–03–2025** के **पूर्वाह्न/अपराह्न 2.00** बजे तक जिला ग्रामीण विकास शाखा, धनबाद में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हो कर मुहरबंद निविदा दे सकते हैं।
3. प्राप्त मुहरबंद निविदाओं को **दिनांक 29–03–2025** के **पूर्वाह्न/अपराह्न 3.00** बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोला जाएगा। निविदा खोलने के समय निविदादाता अथवा उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

उप विकास आयुक्त,
धनबाद

PR 348487 Rural Development(24-25).D

मनोज झा ने गड़बड़ी व फर्जी वोटिंग पर सवाल उठाए

पटना (एजेंसी): राज्यसभा में बुधवार को संसद के बजट सत्र के दौरान ईपीआईसी विवाद को लेकर जबरदस्त गहमागहमी रही. विपक्षी दलों, खासकर आरजेडी के सांसदों ने सरकार पर तीखे सवाल दागे और मतदाता पहचान पत्र में कथित गड़बड़ियों को लेकर जवाब मांगा. चर्चा के दौरान राज्यसभा में राजद सांसद मनोज झा ने कुछ ऐसा कहा जिसको लेकर सियासी गलियारों में चर्चाएं जोरों पर है. दरअसल, राजद सांसद ने भी डुप्लीकेट ईपीआईसी कार्ड का मुद्दा उठाया. उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और इसका जवाब भी पूरी गंभीरता से दिया जाना चाहिए, न कि ट्रकों के पीछे लिखी सस्ती शायरी से.

इतना ही नहीं, मनोज झा ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी और फर्जी वोटिंग की संभावना पर भी सवाल उठाए. उनका कहना था कि अगर वोचर लिस्ट में डुप्लीकेट ईपीआईसी कार्ड मौजूद हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा बन सकता है. सांसद के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में बहस तेज हो गई है. साथ ही विपक्षी पार्टियों ने भी मतदाता पहचान पत्र क्रमांक संख्या में दोहराव का मुद्दा उठाया गया और निर्वाचन आयोग से इस 'गड़बड़ी' की जांच करने और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की.

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के मनोज कुमार झा ने शून्यकाल के तहत इस मुद्दे का उठाते हुए कहा कि यह एक प्रश्न ऐसा है जो पिछले कुछ वर्षों से ना सिर्फ राजनीतिक दलों को बल्कि आम नागरिक को भी उद्वेलित कर रहा है. इससे पहले, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी समेत अन्य विपक्षी दलों ने मतदाता फोटो पहचान पत्र के दोहराव वाले अनुक्रमांक (ईपीआईसी) के मुद्दे पर नियम २६७ के तहत राज्यसभा में तत्काल चर्चा कराए जाने की मांग की थी, लेकिन उपसभापति हरिवंश ने इससे संबंधित सभी नोटिस अस्वीकार कर दिए.

उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों ने जिस ईपीआईसी के मुद्दे पर नोटिस दिए हैं, उसी मुद्दे को अन्य माध्यमों से उठाने के

लिए भी नोटिस दिए गए हैं और उन्हें स्वीकार भी किया गया है. राजद के झा ने शून्यकाल के तहत इस मुद्दे को उठाते हुए

'चुनाव कराया जाना महज एक खोखली इबारत नहीं है'

आर्टिकल ३२४ का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इसमें स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए जाने और सभी के लिए समान अवसर प्रदान किए जाए जैसी दो महत्वपूर्ण बातें हैं. उन्होंने आगे कहा, 'स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराया जाना महज एक खोखली इबारत नहीं है. इसके पीछे भाव है, इसके पीछे दर्शन है. हाल के दिनों में ईपीआईसी कार्ड के डुप्लीकेशन को लेकर जो चीजें हो रही हैं, वह सबके लिए चिंता का विषय है.'

लोकतंत्र की इमारत चुनाव से जिंदा है: सांसद

राज्यसभा सदस्य झा ने कहा कि ईपीआईसी का कई दफा सीमावर्ती राज्यों में दोहराव हो रहा है और इसकी संख्या लाखों में है, जिसकी वजह से चुनाव की निष्पक्षता से समझौता हो रहा है. उन्होंने कहा कि एझखउ कार्ड के पहले तीन अक्षर विधानसभा क्षेत्र को चिह्नित करते हैं लेकिन ऐसा पाया गया है कि उसी राज्य की दूसरी विधानसभा में वह तीन अक्षरों की पुनरावृत्ति होती है और अलग-अलग राज्यों में भी होती है. राजद सदस्य ने कहा, 'यह जो संसद है...यह लोकतंत्र की इमारत है और लोकतंत्र चुनाव से जिंदा है.

अगर चुनाव की पद्धति और प्रक्रियाओं से समझौता होगा, उसमें से गड़बड़ी की बू आएगी तो कुछ भी नहीं बचेगा.' उन्होंने कहा, 'मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि सदन की ओर से एक संदेश जाए...डुप्लीकेट ईपीआईसी किस स्तर तक फैला है, इसकी जांच की जाए कि यह गड़बड़ी कहां से हो रही है और सुधारात्मक उपाय हो.'

झा ने इसके साथ-साथ निर्वाचन आयोग से वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने वालों, उसमें नए नाम जोड़े जाने वालों और इसमें किए गए सुधारों के लिए अलग लिस्ट जारी करने की भी मांग की. उन्होंने कहा, 'यह इतने गंभीर प्रश्न हैं कि इनके जवाब सस्ती शायरी नहीं हो सकते. गंभीर सवाल के जवाब गंभीरता से देने चाहिए ना कि ट्रकों के पीछे लिखी शायरी पढ़ कर.' झा का इशारा पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार की तरफ था.

विपक्षी पार्टियां संसद सत्र की शुरुआत से ही अलग-अलग राज्यों में मतदाता पहचान पत्र संख्या के दोहराव का मुद्दा उठाने की कोशिश कर रही हैं. विपक्षी दलों ने निर्वाचन आयोग पर मामले को दबाने का आरोप भी लगाया है. विपक्षी दल लगातार यह मांग भी कर रहे हैं कि निर्वाचन आयोग प्रत्येक नई संशोधित मतदाता सूची के साथ जिन मतदाताओं के नाम हटाए गए, नाम जोड़ गए हैं या संशोधन किये गए है, उनकी सूची भी जारी की जाए.

सांसद निशिकांत ने संथाल परगना में बढ़ती बांग्लादेशी घुसपैठ पर दी

गोड्डा (एजेंसी): गोड्डा से लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ और जनसंख्या असंतुलन को लेकर चिंता जाहिर की है. उन्होंने कहा कि १९५१ में संथाल परगना में आदिवासी आबादी ४५ प्रतिशत थी, लेकिन २०११ की जनगणना के अनुसार यह घटकर २८ प्रतिशत रह गई है. वहीं, मुस्लिम जनसंख्या १९५१ में ९ प्रतिशत थी, जो २०११ में बढ़कर २४ प्रतिशत हो गई है. सांसद ने इस बढ़ोतरी का कारण अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को बताया है, जो पश्चिम बंगाल के रास्ते झारखंड में प्रवेश कर रहे हैं.

निशिकांत दुबे ने दावा किया कि देशभर में मुस्लिम जनसंख्या में ४ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लेकिन संथाल परगना में यह वृद्धि १५ प्रतिशत तक पहुंच गई है. उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए देवघर, दुमका, अररिया, गोड्डा और जामताड़ा जैसे इलाकों में फैल चुके हैं. उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से इस घुसपैठ को रोकने

और जनसंख्या असंतुलन की गहन जांच करने की मांग की. सांसद ने चेतावनी दी कि अगर इस समस्या पर जल्द ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में यह बड़ा सामाजिक और सुरक्षा संकट बन सकता है.

परिसीमन को लेकर दक्षिणी राज्यों में चल रहे विवाद पर निशिकांत दुबे ने कहा कि १९७३ में परिसीमन के बाद कांग्रेस शासित राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाई गई थी. उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ, लेकिन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में सीटों की संख्या बढ़ाई गई. सांसद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने ही जनसंख्या को परिसीमन का आधार बनाने की वकालत की थी, जबकि अब इस पर विरोध जता रही है.

हाल ही में डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने चेन्नई में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान कहा कि १९७१ की जनगणना को ही परिसीमन का आधार बनाए रखा जाए. डीएमके ने आशंका जताई कि उत्तर-दक्षिण की आबादी में असमानता के चलते तमिलनाडु की लोकसभा सीटों की संख्या घट सकती है. इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए निशिकांत दुबे ने कांग्रेस की नीतियों पर सवाल उठाया और परिसीमन पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया.

बिहार की कमान ऐसे व्यक्ति के हाथ में है जो अचेत अवस्था में हैं : तेजस्वी

पटना (एजेंसी): बिहार विधान परिषद में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बीच तीखी बहस के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि बिहार की कमान ऐसे व्यक्ति के हाथ में है, जो अचेत अवस्था में हैं. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की वर्तमान स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं है और जिस तरीके से उनका व्यवहार है, वो निश्चित तौर पर मुख्यमंत्री पद पर बने रहने लायक नहीं हैं. उन्हें तुरंत

इस्तीफा देकर यहां से निकल जाना चाहिए क्योंकि १४ करोड़ जनता के भविष्य का सवाल है. बिहार के लोग भी अब यह सोचने लगे हैं.

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार लगातार महिलाओं का अपमान कर रहे हैं. कभी किसी का भी पैर पकड़ने लगते हैं. मंत्री का सिर टकराने लगते हैं. यह क्या बताता है, उनकी स्थिति बिल्कुल ठीक नहीं है.

उन्होंने कहा कि वह आखिर महिला को देखकर भड़कते क्यों हैं? नीतीश कुमार बराबर मेरे पिता के बारे में बोलते हैं, लेकिन उनके सीएम बनने से पहले ही हमारे पिता कई बार सांसद और विधायक बन चुके थे लालू यादव और नीतीश कुमार की कोई तुलना नहीं हो सकती है. नीतीश कुमार के पास कोई भी विचारधारा नहीं है.

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव का दोस्त गिरफ्तार

बेंगलुरु,(ईएमएस): १४ करोड़ रुपये के सोना तस्करी मामले में कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव के दोस्त तरुण राजू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तरुण बेंगलुरु के एट्रिया होटल के मालिक का पोता है। उसे सोमवार को विशेष आर्थिक अपराध अदालत में पेश किया गया, जहां कोर्ट ने उसे पांच दिन के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस की हिरासत में भेज दिया।

इस मामले में रान्या राव पर एयरपोर्ट के वीआईपी प्रोटोकॉल का फायदा उठाने का भी आरोप है। उनके सौतेले पिता और कर्नाटक के डीजीपी डॉ. के रामचंद्र राव पर उनकी मदद करने का शक जाहिर किया गया है।

राम मंदिर से पहले तोड़ा गया था संभल में भगवान विष्णु का मंदिर : योगी

लखनऊ (ईएमएस): संभल में मस्जिद विवाद के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि संभल का उल्लेख पांच हजार साल पुराने शास्त्रों में है और यह इस्लाम से पहले का है। उन्होंने कहा कि संभल में श्री हरि विष्णु मंदिर को १५२६ में नष्ट कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि पुराने ग्रंथों में भगवान विष्णु के भावी अवतार का उल्लेख है। दूसरी ओर, इस्लाम का उदय केवल १,४०० साल पहले हुआ। मैं ऐसी चीज़ की बात कर रहा हूं जो इस्लाम से कम से कम २,००० साल पुरानी है।

मुख्यमंत्री योगी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़ी एक पत्रिका के कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इन बातों के

सबूत सदियों से मौजूद हैं। याद कीजिए, १५२६ में संभल में भगवान विष्णु का मंदिर तोड़ा गया था। दो साल बाद, १५२८ में अयोध्या में राम मंदिर को भी तोड़ दिया गया था।

उन्होंने कहा कि दोनों कृत्य एक ही व्यक्ति द्वारा किए गए थे। आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में हर धर्म और पूजा पद्धति में कुछ अच्छे गुण होते हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि किसी की आस्था को जबरन छीनना और उनकी मान्यताओं को कुचलना अस्वीकार्य है- खासकर जब हम संभल के बारे में सच्चाई जानते हैं।

विदित हो कि संभल में पिछले नवंबर में अदालत के आदेश के बाद एक मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण तनाव बना हुआ है। कुछ लोगों का दावा है कि यह मस्जिद एक ध्वस्त मंदिर पर बनाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संभल एक ऐतिहासिक सत्य का प्रतिनिधित्व करता है, और उन्होंने हमेशा इसके बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि मैं योगी हूं। मैं हर संप्रदाय, समुदाय और पूजा पद्धति का सम्मान करता हूं। अगर आप गोरखनाथ पीठ जाएं, तो आप देखेंगे कि वहां किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं है। सभी जाति, क्षेत्र और संप्रदाय के लोग एक साथ बैठकर एक ही थाली में भोजन करते हैं। हमारे पूज्य संत, चाहे वे किसी भी धर्म से जुड़े हों, एक साथ बैठकर भोजन करते हैं और उन्हें समान सम्मान मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसलिए मैं कहता हूं कि भारत की वैदिक परंपरा की भावना, जैसा कि उपनिषदों में व्यक्त किया गया है, हमारे अंदर गहराई से समाहित है। पूजा की हर पद्धति, चाहे वह सनातन धर्म से जुड़ी हो या दुनिया के किसी भी अन्य धर्म से, उसमें कुछ अंतर्निहित अच्छाइयां होती हैं, यही वजह है कि इतने सारे लोग उनका पालन करते हैं।

एमएलसी बनने के लिए उनके घर के चक्कर काटते थे : कीर्ति आजाद

पटना,(ईएमएस): लोकसभा में बजट सत्र के दौरान टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। महंगाई के मुद्दे पर बोलते समय कीर्ति आजाद को गिरिराज सिंह ने टोका-टाकी की। इसके बाद आजाद ने गुस्से में गिरिराज पर हमला करते हुए कहा कि वे एमएलसी बनने के लिए उनके घर के चक्कर काटते थे और उनके घर में घंटों बैठे रहते थे।

बता दें कीर्ति आजाद अपने तीखे बयानों के लिए जाने जाते हैं। वे पहले भी कुछ और नेताओं पर हमले कर चुके हैं। यहां तक कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली को भी उन्होंने नहीं बख्शा था। कीर्ति आजाद बिहार के पूर्व सीएम भागवत झा आजाद के बेटे हैं और १९८३ में क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रह चुके हैं।

फिलहाल, टीएमसी से

वर्धमान-दुर्गापुर सीट से सांसद हैं[]रिफ.बजट सत्र के दौरान कीर्ति आजाद ने लोकसभा में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर तीखी टिप्पणी कर राजनीतिक माहौल को गरमा दिया। टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद संसद में महंगाई पर सरकार के विरुद्ध अपनी बात रख रहे थे तो गिरिराज सिंह बीच में टोका टाकी कर कर रहे थे जिससे आजाद नाराज हो गए और उन्होंने गिरिराज पर व्यक्तिगत टिप्पणी कर दी।

गिरिराज सिंह की टोकाटाकी से कीर्ति आजाद इतने नाराज हो गए कि उन्होंने कहा कि ये एमएलसी बनने के लिए उनके घर में बैठा करते थे। गिरिराज को बात करने की तमीज नहीं है। इन्हें ये नहीं पता कि अपनों से बड़ों से कैसे बात की जाती है। मैं आप-आप कर रहा हूं और ये तुम-तुम कर के बोल रहे हैं। भगवान भी इनका कुछ नहीं कर सकते हैं। आजाद यहीं नहीं रूके, उन्होंने कहा कि लाल बाबू प्रसाद के साथ आकर मेरे पास पड़े रहते थे।

कीर्ति आजाद और केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली के बीच हमेशा से छत्तीस का आंकड़ा रहा था। दिलचस्प ये कि इसका मूल कारण राजनीति नहीं बल्कि क्रिकेट रहा।

जैसे-जैसे अरुण जेटली का प्रभाव बढ़ा, उसी अनुपात में बीजेपी की राजनीति में कीर्ति आजाद हाशिये पर भी चले गए। विरोध का परचम लहराते कीर्त आजाद ने अरुण जेटली पर भ्रष्टाचार तक का आरोप लगाते हुए कहा कि डीडीसीए में भयंकर घपला भी है। बाद में इस लड़ाई में कई क्रिकेट खिलाड़ी भी शामिल हो गए थे। यह सच है कि अरुण जेटली क्रिकेट की राजनीति में शामिल थे और कीर्ति विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य। हो सकता है, कुछ और भी जानते होंगे।

गिरिराज सिंह सिर्फ बीजेपी विधायक से ही एमएलसी नहीं बने। बीजेपी ने अपनी तरफ से बसपा और निर्दलीय विधायकों को जोड़ा। तब, उस समय गिरिराज सिंह और कामेश्वर चौपाल एमएलसी बने थे।

वैसे भी, गिरिराज सिंह ने बीजेपी संगठन को अपना कीमती समय दिया और वे मुरली मनोहर जोशी, लाल मुनि चौबे और मदन जायसवाल समेत प्रदेश के कई नामवर का सहयोग हासिल था।

असली होली नवंबर में मनेगी : चिराग

पटना (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बुधवार को पटना में होली मिलन कार्यक्रम में हिस्सा लिया. इस कार्यक्रम में उनकी माता रीना पासवान और पार्टी कार्यकर्ता भी मौजूद रहे. उन्होंने कहा कि इस बार की होली ऐतिहासिक होगी, लेकिन बिहार की असली होली नवंबर में तब मनेगी, जब एनडीए (छऊ) विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज करेगा और बिहार में पीएम मोदी के विचारों की सरकार बनेगी. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने कहा, इस बार होली के रंग बिहार में एक नया इतिहास लिखेंगे. यह खुशी के रंगों की शुरुआत है. असली होली नवंबर में तब होगी, जब बिहार में छऊ की शानदार जीत होगी और पीएम मोदी के विजन वाली सरकार बनेगी.

बिहार में बढ़ते अपराध पर विपक्ष का आक्रोश

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को विपक्षी दलों ने प्रदेश में गिरती कानून-व्यवस्था को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया. सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्षी विधायक पोस्टर लेकर पहुंचे और प्रदेश में बढ़ते अपराधों के खिलाफ नारेबाजी की. मुख्य रूप से राजद और भाकपा (माले) के विधायकों ने कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा और पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप लगाया.

भाकपा (माले) के विधायकों ने बिहार में अपराध की बढ़ती घटनाओं को लेकर कड़ा विरोध जताया. पार्टी के विधायक महबूब आलम ने कहा कि अपराधियों पर पुलिस का कोई खौफ नहीं रह गया है. उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्याओं की घटनाएं बढ़ रही हैं. उन्होंने आरा में हुई २५ करोड़ की लूट का जिक्र करते हुए कहा कि सिर्फ २० मिनट में इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे दिया गया और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर पाई. महबूब आलम ने आरोप लगाया कि अपराधियों और पुलिस के बीच मिलीभगत है, जिससे अपराधी बेखौफ होकर घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं.

राजद विधायकों ने भी बिहार में बढ़ते अपराध और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर प्रदर्शन किया. राजद विधायक रणविजय साहू ने कहा कि बिहार में अपराध का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन सरकार चुप है. उन्होंने पटना में व्यवसायी की हत्या और आरा में २५ करोड़ की लूट का जिक्र करते हुए कहा कि अब तो बड़े शहरों में भी कानून-व्यवस्था चरमरा गई है.

रणविजय साहू ने दरभंगा की मेयर द्वारा होली पर दिए गए बयान को लेकर भी सवाल उठाया. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग बिहार में अशांति फैलाना चाहते हैं, लेकिन यहां की जनता उनकी साजिश को सफल नहीं होने देगी.

विपक्षी दलों का कहना है कि सरकार कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जवाब देने से बच रही है. विपक्ष ने सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में अपराधियों को खुली छूट मिल गई है. उनका आरोप है कि सरकार अपराधियों को बचाने का प्रयास कर रही है और कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो चुकी है.

मेरा बाप सजायाफ्ता नहीं है : बीजेपी विधायक

पटना (एजेंसी): भारतीय जनता पार्टी के विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल इन दिनों अपने बयानों को लेकर चर्चा में हैं. उन्होंने हाल ही में होली को लेकर बिल्कुल उन्हीं शब्दों का इस्तेमाल किया था, जो संभल के सीओ अनुज चौधरी ने कहे थे. इस पर बिहार की सियासत गरमा गई और नेता

प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने निशाना साधा था. तेजस्वी के 'बाप का राज' वाले बयान पर अब बीजेपी विधायक बचौल ने पलटवार किया है. बचौल ने तेजस्वी यादव पर तंज कसते हुए कहा कि मेरा बाप सजायाफ्ता नहीं है. चारा नहीं खाया. जेल नहीं गया है. उनके बाप कहते थे कि जेल जाएंगे तो खून की नदियां बह जाएंगी, मेरा बाप ऐसा नहीं बोला था. बता दें कि बीजेपी विधायक का निशाना तेजस्वी के पिता लालू प्रसाद यादव पर था. हालांकि, उनका नाम नहीं लिया.

बीजेपी विधायक बचौल ने कहा कि उनके पिताजी बोलते थे कि मेरे लाश पर बिहार का विभाजन होगा... झारखंड बनेगा... हमारी लाश पर बाबरी ढांचा का हम करेंगे... बिहार का बच्चा-बच्चा मेरे पीछे चला जाएगा... जेल जाएंगे तो खून की नदियां बह जाएंगी... मेरा बाप नहीं बोला था... तेजस्वी के बयान 'कौन है बचौल' पर प्रतिक्रिया देते उन्होंने कहा कि बचौल बिस्पी से बिहार विधानसभा का सदस्य है और एक ईमानदार इस बिहार की जनता के लिए मरने वाला, मिटने वाला इंसान है. घोटालेबाज, घपलेबाज बचौल नहीं है.

बीजेपी विधायक बचौल ने सोमवार (१० मार्च) को कहा था कि जिन मुसलमानों को रंगों से परेशानी हो, वे अपने घर के अंदर रहें. बचौल के इस बयान पर ही तेजस्वी यादव ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि यह आपके 'बाप का राज' नहीं है. नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से विधायक को फटकार लगाने तथा उनके खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया था.

यूपी में होली से पहले मस्जिदों को तिरपाल से ढंका

शाहजहांपुर(ईएमएस): इस बार होली ६४ साल बाद रमजान के जुमे के दिन है। इससे पहले १९६१ में ४ मार्च को होली और रमजान का शुक्रवार (जुमा) साथ-साथ था।

रंग में भंग न पड़ जाए, इसके लिए उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशासन अलर्ट है। प्रदेश के १० जिलों में जुमे की नमाज का वक्त बदल दिया गया है।

मस्जिदों को रंग-गुलाल से बचाने के लिए तिरपाल से ढंक दिया गया है। शाहजहांपुर में सबसे ज्यादा ६७ मस्जिदों को तिरपाल और पन्नी से ढंका गया है। यहां लाट साहब के जुलूस के लिए पुलिस संवेदनशील क्षेत्रों में फ्लैग मार्च कर रही है। एक हजार से ज्यादा पुलिस जवान दूसरे जिलों से आए हैं।

शाहजहांपुर: ३०० साल पुरानी जूता मार होली की परंपरा

शाहजहांपुर में जूता मार होली खेलने की परंपरा ३०० सालों से चली आ रही है। होली के दिन यानी १४ मार्च को लाट साहब का लंबा-चौड़ा जुलूस निकलेगा। इसमें एक व्यक्ति को लाट साहब बनाकर भैंसा गाड़ी पर बिठाया जाता है। लोग उस पर रंग, जूते-चप्पल बरसाते हैं। शाहजहांपुर में लाट साहब के दो जुलूस निकाले जाते हैं, जिन्हें छोटे और बड़े लॉट साहब कहा जाता है। कोतवाल लाट साहब को सलामी देकर नेग देते हैं, इसके बाद जुलूस रोशनगंज, बेरी चौकी, अंटा चौराहा होते हुए थाना सदर बाजार क्षेत्र में प्रवेश करता है। बाबा विश्वनाथ मंदिर पर जुलूस खत्म हो जाता है। चौक से निकलने वाले इस जुलूस का रूट करीब ८ किलोमीटर का होता है। इसलिए रास्ते की ६७ मस्जिदों और मजारों को तिरपाल से ढंका गया है। जिससे उन पर रंग और गुलाल न पड़े।

नमाज का वक्त बदला

होली का त्योहार शांति से संपन्न कराने के लिए एसपी राजेश एस और डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह लगातार रूट मार्च कर रहे हैं। आईजी, एडीजी और कमिश्नर तक जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर चुके हैं। पूरे जुलूस की निगरानी ड्रोन कैमरे से की जाएगी। जुलूस वाले मार्ग पर जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया जाएगा। एक हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी दूसरे जनपदों से बुलाए गए हैं। इनमें २१२ महिला कॉन्स्टेबल, ३० इंस्पेक्टर और २५० सब इंस्पेक्टर शामिल हैं। इसके अलावा दो कंपनी आरएएफ और दो कंपनी पीएसी भी जिले में तैनात की जाएगी। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट पर नजर रखने के लिए ९७०२ वॉलंटियर्स भी तैनात किए गए हैं। शाहजहांपुर में लाट साहब के जुलूस मार्ग में पड़ने वाली मस्जिदों में जुमे की नमाज पौने २ बजे होगी। शहर इमाम हुजूर अहमद मंजरी ने बताया- जामा मस्जिद में सवा एक बजे नमाज होती थी। अब शुक्रवार को पौने २ बजे नमाज होगी। बहादुरगंज स्थित मस्जिद में भी दो बजे का समय किया गया है। शहर इमाम ने सभी से मिल-जुलकर होली पर्व मनाने की अपील की है।

होली, ईद और सरहूल को लेकर सीएम हेमंत सोरेन ने की हाईलेवल मीटिंग, शरारती तत्वों से सख्ती से निपटने का दिया निर्देश

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में आगामी पर्व-त्योहारों को देखते हुए राज्य में विधि व्यवस्था संधारण की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मौके पर मुख्यमंत्री ने वरीय पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक विशेष शाखा प्रभात कुमार, पुलिस महानिरीक्षक अभियान ए०वी० होमकर, पुलिस महानिरीक्षक अपराध अनुसंधान विभाग असीम विक्रांत मिंज, पुलिस महानिरीक्षक मुख्यालय मनोज कौशिक सहित अन्य वरीय पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि होली, सरहुल, ईद, रामनवमी इत्यादि त्योहारों के मद्देनजर राज्य में बेहतर विधि व्यवस्था का संधारण हर हाल में सुनिश्चित करें। पर्व-त्योहारों का उत्सव अपराधमुक्त वातावरण में आपसी प्रेम-सौहार्द के साथ मनाया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में किसी भी प्रकार से कोई छोटी-मोटी अप्रिय घटना, सांप्रदायिक तनाव अथवा विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो, इस निमित्त पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ अलर्ट मोड पर रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन क्षेत्रों में सांप्रदायिक तनाव अथवा विवाद की संभावनाएं रहती है, उन क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरती जाए।

मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि चिन्हित संवेदनशील क्षेत्रों में शांति समिति के साथ निरंतर बैठक कर समन्वय स्थापित करें। भीड़-भाड़ वाले जगहों, धार्मिक स्थलों पर पुलिस बल की तैनाती करें तथा शरारती तत्वों पर पैनी नजर रखते हुए कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि पर्व-त्योहारों के समय सोशल मीडिया पर भी कड़ी निगरानी रखें। अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष राज्य के पुलिस महानिदेशक श्री अनुराग गुप्ता ने अपराध नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों की अद्यतन जानकारी दी।

१. आगामी पर्व-त्योहार (होली, ईद, रामनवमी, सरहुल) के मद्देनजर अपेक्षित निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। २. विधि-व्यवस्था संधारण हेतु दण्डाधिकारी/बलों की उपलब्धता एवं प्रतिनियुक्ति करें। ३ धार्मिक स्थलों के आस-पास की सुरक्षात्मक कार्रवाई एवं सी०सी०टी०वी० का अधिष्ठापन तथा इलेक्ट्रोनिक सर्विलास की व्यवस्था की जाए।

४ जुलूस मार्गो का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करें। ५. जुलूस मार्गों में पड़ने वाले संवेदनशील स्थानों एवं अन्य संवेदनशील स्थानों में दण्डाधिकारी/बलों की प्रतिनियुक्ति तथा विडियोग्राफी/ड्रोन द्वारा एरियल सर्विलांस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

६. जुलूस के साथ दण्डाधिकारी/बलों की प्रतिनियुक्ति एवं टठ्ढड इत्यादि की व्यवस्था की जाए। ७ जुलूस मार्गों में लगातार प्रकाश/पब्लिक संबोधन सिस्टम की व्यवस्था की जाए।

८. संयुक्त नियंत्रण कक्ष तथा आपातकालीन योजना सुनिश्चित की जाए। ९ जिला स्तरीय थाना द्वारा स्तरीय शांति समिति की बैठक की जाए।

१०. जिलों में दंगा रोधी सुरक्षा उपकरणों, दंगा रोधी वाहन, वॉटर केनन की उपलब्धता का सत्यापन एवं एंटी रॉयट कन्ट्रोल ड्रील की व्यवस्था की जाए। १४. अवैध मादक पदार्थों/शराब के विरूद्ध छापामारी की जाए।

१५. डी० जे०/अन्य साउण्ड सिस्टम द्वारा उत्तेजक भडकाउ गानों के प्रसारण पर रोक हेतु अपेक्षित कार्रवाई की जाए।

१६. सुरक्षा बलों के लिए भोजन/आवासन/पानी आदि की व्यवस्था की जाए। १७. पर्व-त्योहार के दौरान आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की उपलब्धता रहे।

सहायक पुलिसकर्मियों को मिलेगी पुलिस, उत्पाद सिपाही व अन्य नियुक्तियों में उम्र सीमा में छूट व आरक्षण का लाभ

रांची (एजेंसी): राज्य सरकार ने वर्षों से आंदोलनरत सहायक पुलिसकर्मियों को पुलिस, उत्पाद सिपाही और कक्षपाल की होनेवाली नियुक्तियों में कई तरह की छूट दी है। होली के त्योहार से पूर्व बुधवार को हुई कैबिनेट की बैठक में गृह विभाग के इस प्रस्ताव पर मुहर लग गयी। मालूम हो कि सहायक पुलिसकर्मियों के लंबे आंदोलन के बाद सरकार के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक में लिखित समझौता हुआ था। छह अगस्त २०२४ को हुए इस लिखित समझौते में राज्य सरकार ने वनरक्षी, उत्पाद सिपाही की नियुक्ति में १० फीसदी आरक्षण देने की बात कही थी।

राज्य सरकार ने १२ मार्च को हुई कैबिनेट की बैठक में सहायक पुलिसकर्मियों के मामले में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार अब पुलिस, उत्पाद सिपाही, कक्षपाल की होनेवाली नियुक्तियों में सहायक पुलिसकर्मियों को १० फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने का फैसला किया है। इसके अलावा सहायक पुलिसकर्मियों को उम्र सीमा में भी १० वर्ष की छूट दी गयी है। मालूम हो कि रघुवर दास की सरकार के दौरान नियुक्त ये सहायक पुलिसकर्मी नियमितीकरण व अन्य लाभों के लिए लगातार आंदोलनरत रहे हैं। २०२४ के अगस्त माह में अपनी मांगों को लेकर सहायक पुलिसकर्मियों के आक्रामक आंदोलन छेड़ दिया था। मोरहाबादी मैदान में हजारों की संख्या में पहुंचे इस सहायक पुलिसकर्मियों के आंदोलन के बाद सरकार को उनके साथ समझौता करना पड़ा था।

साइबर थाना की बड़ी कार्रवाई, 5 शातिर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा (एजेंसी): साइबर अपराधियों के खिलाफ चल रही मुहिम में जामताड़ा साइबर थाना को बड़ी सफलता मिली है। बुधवार को साइबर थाना की टीम ने नारायणपुर थाना क्षेत्र के तेंदुआ स्थित बस भट्टी के पास छापेमारी कर पांच साइबर अपराधियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ये अपराधी साइबर ठगी की घटना को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तार अपराधियों के पास से भारी मात्रा में मोबाइल फोन, फर्जी सिम कार्ड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई है। इस मामले का खुलासा डीएसपी चंद्रशेखर ने साइबर थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया।

डीएसपी ने बताया कि एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर थाना इंस्पेक्टर देवेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने तेंदुआ स्थित बस भट्टी के पास छापेमारी कर पांच साइबर अपराधियों-समीम असारी, मो. समसुल, बिद्युत कुमार मंडल, अब्दुल कलाम और तबारक असारी को गिरफ्तार किया। उनके पास से फर्जी मोबाइल, सिम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड और वोटर कार्ड बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ जामताड़ा साइबर थाना में कांड संख्या २२/२५ के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बरामद सामान- १६ मोबाइल फोन, २० सिम कार्ड, ०१ आधार कार्ड, ०१ वोटर कार्ड, ०१ पैन कार्ड।

पुलिस अब बरामद सामान की जांच में जुटी है ताकि इनके साइबर अपराध के नेटवर्क का पता लगाया जा सके। डीएसपी ने बताया कि ये अपराधी मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, झारखंड और केरल में साइबर ठगी को अंजाम देते थे।

गिरफ्तार अपराधी एसबीआई, पीएनबी और पीएम किसान योजना के खाताधारकों को निशाना बनाते थे। वे पीड़ितों के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबरों पर कस्टमर केयर के नाम से एक फर्जी एपीके फाइल भेजते थे और केवाईसी अपडेट करने के बहाने ठगी करते थे। पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी हुई है।

निर्मला कॉलेज की छात्राओं को मिला कंप्यूटर लर्निंग का प्रमाण पत्र

रांची (एजेंसी): निर्मला कॉलेज में डीसीए कंप्यूटर लर्निंग के नौवें बैच का समापन बुधवार को हुआ। यह पाठ्यक्रम कॉलेज के इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल और एनसपल कंप्यूटर के सहयोग से संचालित किया जा रहा था। ९० दिन के इस पाठ्यक्रम में ३७ छात्राओं ने भाग लिया। समापन समारोह में प्राचार्या डॉ. सिस्टर ज्योति ने छात्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इस मौके पर डॉ. देबजानी रॉय और डॉ. इंदु कुमारी ने आइडेंटर की भूमिका निभाई। कक्षा और परीक्षा का संचालन निरंजन कुशवाहा, चंदन कुमार और आनंद कुमार ने किया।

इस प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को कंप्यूटर फंडामेंटल, कंप्यूटर आर्किटेक्चर, एमएस ऑफिस, ऑपरेटिंग सिस्टम, नेटवर्क, इंटरनेट और सिक्योरिटी, नंबर सिस्टम, हिंदी और इंग्लिश टाइपिंग, प्रतियोगी परीक्षा प्रश्न, ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर तथा अन्य तकनीकी विषयों की जानकारी दी गई।

होटलों में 200 करोड़, विदेशी नेताओं से भी संबंध, कौन संभाल रहा था अमन का साम्राज्य

रांची (ईएमएस): अमन साहू को जिस केस में रांची में पेश करने के लिए एटीएस की टीम रांची ला रही थी, उस केस की जांच में हाल ही में खुलासा हुआ था कि रंगदारी के पैसों से उसके सगे भाई आकाश साहू ने जमीन में निवेश किया था, वहीं महंगी गाड़ियां भी खरीदी थीं। ऐसे में सवाल उठता है कि रंगदारी से मिलने वाले अथाह पैसे को अमन साहू कहां निवेश करता था और उसके आतंक का साम्राज्य कौन संभाल रहा था।

झारखंड पुलिस पहले भी अमन साहू गैंग के कई शूटरों को पकड़ चुकी है। जांच में नेपाल कनेक्शन सामने आया था। यह भी पता चला था कि अमन का नेपाल के कई बड़े गैंगस्टर, हवाला कारोबारियों और राजनेताओं से संबंध है। उसने रंगदारी में वसूले गए पैसे का बड़ा निवेश काठमांडू के कई होटलों और रियल एस्टेट कारोबार में कर रखा है। साहू ने करीब २०० करोड़ रुपये नेपाल के रॉयल इंपावर बुटिक होटल, होटल डायनेस्टिक और टिप टॉप होटल काठमांडू में निवेश किया है। ये पैसे व्यवसायियों से रंगदारी में वसूले गए हैं।रंगदारी में वसूले गए पैसों के बैंक खातों में ट्रांजेक्शन के साक्ष्य भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी(एनआईए) ने जुटाए थे। वहीं एनआईए ने बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद आकाश साहू के हस्ताक्षर का सैंपल भी लिया था, हस्ताक्षर मिलान के बाद एनआईए ने जनवरी माह में लातेहार के तेतरियाखाड़ कोलियरी में आगजनी केस में आकाश साहू पर भी चार्जशीट दायर की है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ था कि आकाश साहू को अमन साहू गैंग के विकास आनंद ओझा उर्फ अभिषेक, अजय तुरी ने पैसे भेजे थे। एनआईए ने इस संबंध में कई लोगों की गवाही ली, साथ ही बैंक खातों की स्क्रूटनी भी की थी। जिससे एनआईए को जानकारी मिली कि तेतरियाखाड़ फायरिंग केस के आरोपियों ने आकाश साहू को अपने अन्य सहयोगियों के जरिए पैसे भेजे थे।

पुलिस ने अमन साव गिरोह के 3 अपराधियों को किया गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): गैंगस्टर अमन साहू के एनकाउंटर के बाद अब उसके गुर्गों पर शिकंजा कसने की प्रक्रिया तेज हो गई है। रांची पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अमन साहू गैंग के ३ शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए अपराधियों में अजय सिंह, समीर बागची उर्फ कल्लू बंगाली और वसीम अंसारी शामिल हैं। अमन साहू के मारे जाने के बाद पुलिस ने उसके गिरोह के सदस्यों पर विशेष अभियान शुरू किया। इसी अभियान के तहत रांची पुलिस ने ३ प्रमुख अपराधियों को पकड़ लिया। ये सभी अपराधी रांची और कोयला बेल्ट में अमन साहू के इशारे पर आतंक मचाते थे।

रांची पुलिस के मुताबिक अजय सिंह के खिलाफ १४ से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह रांची के सिकिदिरी इलाके का रहने वाला है। समीर बागची उर्फ कल्लू बंगाली के खिलाफ ६ से ज्यादा केस दर्ज हैं। वह रातू इलाके का निवासी है। वसीम अंसारी पर ४ मामले दर्ज हैं। वह मांडर क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने तीनों अपराधियों के पास से पिस्टल, देसी कट्टा और कई मैगजीन बरामद की हैं।

झारखंड से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले छात्रों को सरकार ने दी छूट

रांची (एजेंसी): झारखंड सरकार ने झारखंड के सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले छात्रों को छूट दी है। झारखंड से एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले छात्रों को राज्य में ३ साल की सेवा देना अनिवार्य है। अगर कोई छात्र इस अवधि में झारखंड की सेवा छोड़कर बाहर जाना चाहता था तो उसे ३० लाख रुपए जमा करना अनिवार्य था। अब अगर कोई पीजी उत्तीर्ण छात्र ३ साल में मात्र २ ही साल की सेवा देकर बाहर जाना चाहता है तो उसे शेष १२ महीने के लिए शुल्क देना होगा। उदाहरण के रूप में उसे प्रतिमाह १२५००० रुपए की दर से १२ महीने के लिए १५ लख रुपए का ही भुगतान करना होगा। कैबिनेट ने इस आशय के प्रस्ताव पर अपनी स्वीकृति दे दी।

पृष्ठ एक का शेषांश

हेमंत कैनिबेट की बैठक में---

के रूप में प्राप्त सभी राशि एकमुश्त वापस करनी होगी.

नई सेवा नीति के मुख्य बिंदु

- पीजी उत्तीर्ण होने के बाद राज्य सरकार में एक वर्ष की सेवा देने के बाद यदि कोई छात्र-छात्रा राज्य सरकार को सेवा नहीं देना चाहते हैं, तो उन्हें तीन वर्षों में से सेवायोग्य बचे हुए महीने की संख्या के अनुसार १२५००० रुपये का भुगतान करना होगा. - इसमें छात्रवृत्ति के रूप में भुगतेय राशि भी शामिल है. - यदि कोई छात्र २० महीने की सेवा राज्य को दे चुके हैं और अब सेवा देना नहीं चाहते हैं, तो उन्हें बचे हुए १६ माह के लिए १६□१२५००० रुपये का भुगतान बॉन्ड राशि के रूप में करना होगा. - पीजी के बाद बॉन्ड पोस्टिंग की अवधि में कोई छात्र सुपर स्पेशलिटी की पढ़ाई के लिए राज्य से बाहर जाना चाहता है, तो वैसी स्थिति में बाहर में पढ़ाई पूरा करने के बाद बची हुई अवधि के लिए राज्य सरकार के अधीन काम करना होगा. - झारखंड के मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशलिटी का पाठ्यक्रम उत्तीर्ण होने के बाद राज्य में दो वर्षों का सेवा देना अनिवार्य किया गया है. - यदि इसमें भी एक वर्ष के बाद कोई छात्र अपनी सेवा नहीं देना चाहते हैं, तो उसे बचे हुए हर महीने का डेढ़ लाख रुपये देय होगा.

मंत्री इरफान अंसारी ने---

होना चाहिए। प्राइवेट हॉस्पिटल ने इलाज को कॉमर्शियल कर दिया है। उन्होंने सख्त निर्देश दिया है कि जब मरीज की मौत हो जाती है तो शव को बिना बिल लिए छोड़ दिया जाए। ऐसा नहीं करने पर करवाई होगी। सभी नवनियुक्त कर्मचारी को बधाई दी।

आज १६६ लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपी गई। इसमें ५६ विशेषज्ञ चिकित्सा पदाधिकारी, २४+१७ चिकित्सा पदाधिकारी, ५७ ओटी टेक्नीशियन, ११ डेंटल सर्जन, १ विधि परामर्शी।

मणिपुर में अलग-अलग---

सदस्य को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले के पोरोमपट-पीएस के अंतर्गत डीडीके इंफाल गेट के पास खुराल चिंगंगबाम लेईकाई से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के दो सक्रिय कैडरों गिरफ्तार किया है।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति वेंस---

रायसीना डायलॉग में तुलसी का भाषण भी होगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक ब्रिटेन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जोनाथन पॉवेल और कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा सीएसआईएस के डायरेक्टर डेनियल रॉर्स के भी सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने की उम्मीद है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय ने २०२२ से भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र पर देश के प्रमुख सम्मेलन रायसीना डायलॉग के मौके पर सुरक्षा सम्मेलन की मेजबानी की है।

उनके अलावा अमेरिका में ट्रंप के नंबर दो यानी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भी इसी महीने के अंत में भारत की यात्रा करेंगे। अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनने के बाद जेडी वेंस की यह दूसरी विदेश यात्रा होगी। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के मुताबिक जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा वेंस भी होंगी। वेंस ने पिछले महीने फ्रांस और जर्मनी की अपनी पहली विदेश यात्रा की थी। अपनी पहली विदेश यात्रा के दौरान जर्मनी के म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में एक उग्र भाषण दिया था, जहां उन्होंने अवैध प्रवासन से निपटने, धार्मिक स्वतंत्रता की अनदेखी करने और चुनावों को पलटने के लिए यूरोपीय सरकारों की आलोचना की।पेरिस एआई एक्शन समिट के दौरान उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान पीएम मोदी को उन्होंने दयालु बताया था। पीएम मोदी ने जेडी वेंस के बच्चों को उपहार भी दिया था।

शुभेंदु के बयान पर---

फिर ममता को। इसके बाद, जब बंगाल में भाजपा सरकार आएगी तब टीएमसी के उन मुस्लिम विधायकों को सड़क पर फेंक दिया जाएगा। ममता सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बीजेपी अधिकारी ने कहा, ममता ने समाज को बांट दिया है... राम मंदिर उद्घाटन के दिन ममता ने बंगाल में मार्च निकाला... टीएमसी हिंदू विरोधी सरकार है। हिंदू हितों के लिए जो भी जरूरी होगा, मैं करूंगा। ममता हटाओ... चोर ममता हटाओ! इससे पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के हर जिले में मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक समिति बनाई थी।

वन नेशन वन इलेक्शन---

चुनावों पर बिल में खामियों की ओर इशारा किया। उन्होंने चेतावनी दी कि चुनाव आयोग (ईसी) को शेड्यूल तय करने के लिए अनियंत्रित शक्तियां देना उचित नहीं होगा। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली संसदीय संयुक्त समिति संविधान (१२९वां संशोधन) विधेयक, २०२४ की समीक्षा कर रही है, जिसे १७ दिसंबर, २०२४ को लोकसभा में पेश किया गया था। यह विधेयक चुनाव आयोग को लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के लिए एक साथ चुनाव कराने का अधिकार देने का प्रयास करता है। सूत्रों के अनुसार, डीएमके राज्यसभा सदस्य पी। विल्सन ने बताया कि नए बिल की धारा ८२ ए(५) में कहा गया है कि यदि ईसी की राय है कि किसी विधानसभा के चुनाव लोकसभा के आम चुनाव के साथ नहीं कराए जा सकते, तो वह राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकता है कि उस विधानसभा के चुनाव बाद में कराए जाएं। चुनाव आयोग के लिए समय सीमा निर्दिष्ट न करके, क्या यह कानून उसे मनमानी और अनियंत्रित शक्तियां नहीं दे रहा है। जस्टिस गोगोई ने इस तर्क को स्वीकार किया और कहा कि यह उचित नहीं होगा और इस धारा को संशोधित करने की आवश्यकता है ताकि खामियों को दूर किया जा सके और यह कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। उन्होंने कहा कि ईसी को राज्य विधानसभा के कार्यकाल को बढ़ाने या घटाने के लिए अनियंत्रित शक्तियां नहीं दी जा सकतीं। चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने १९९१ के आम चुनावों का उदाहरण भी दिया, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने पंजाब में कानून और व्यवस्था की स्थिति का हवाला देते हुए राज्य में आम चुनाव रोक दिए थे।

नौसेना के लिए भारत---

ट्रेनर विमान एयरक्राफ्ट कैरियर से नहीं उड़ सकते। इन नए विमानों की डिलीवरी २०२९ में शुरू होगी। राफेल विमान बनाने वाली कंपनी दसॉ एविएशन भारत में अपनी एक असेंबली लाइन लगाने पर भी काम कर रही है। इसका मतलब है कि कुछ राफेल विमान भारत में ही बनाए जाएंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत सहित कई देशों से राफेल विमानों के बहुत सारे ऑर्डर मिले हैं। भारत की मेक इन इंडिया पॉलिसी के तहत खरीदे जाने वाले ६० प्रतिशत हथियार भारत में ही बनने चाहिए। भारत के नए ऑर्डर को मिलाकर दसॉ एविएशन के पास कुल २५६ राफेल विमान बनाने के ऑर्डर हैं। इसमें १९० विमान दूसरे देशों के लिए और ५६ विमान फ्रांसीसी वायु सेना के लिए तैयार करने हैं। दसॉ अभी हर महीने तीन विमान बनाती है। इस हिसाब से सभी ऑर्डर पूरे करने में करीब ७ साल लग जाएंगे। फरवरी में फ्रांस के रक्षा मंत्री ने २० से ३० और राफेल विमान खरीदने की योजना की घोषणा की थी। इससे साफ है कि राफेल विमानों की मांग दुनिया भर में बढ़ रही है। भारत ने जुलाई २०२३ में ही २६ और राफेल विमान खरीदने की योजना तैयार की थी। उस समय रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए २६ राफेल और ३ स्कॉर्पीन क्लास पनडुब्बियों की खरीद को मंजूरी दे दी थी।

अतिथि शिक्षकों ने उच्च शिक्षा सचिव और कुलपति का पुतला फूंका, अलर्ट दिखा प्रशासन

रांची : रांची विश्वविद्यालय में कार्यरत अतिथि शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर आज अल्बर्ट एक्का चौक में प्रदर्शन किया। उन्होंने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिव राहुल पुरवार और कुलपति अजीत कुमार सिंहा का पुतला फूंका तथा जोरदार नारेबाजी की। शिक्षकों ने मांग की कि उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा पारित संकल्प में संशोधन कर उन्हें आवश्यकता आधारित शिक्षक के रूप में समायोजित किया जाए। उन्होंने सचिव और कुलपति पर शिक्षा विरोधी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया और उनके इस्तीफे की मांग की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि पारित संकल्प के कारण उनका समायोजन नहीं हो पा रहा है, बल्कि निष्कासन का रास्ता खुल गया है।

संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कुलपति पर आरोप लगाया कि वे शिक्षकों को काम करने से रोक रहे हैं, जबकि दूसरी ओर विश्वविद्यालय शिक्षकों की कमी का रोना भी रो रहा है। अंकित शर्मा ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय ने शिक्षकों को अंतरिम राहत दी है, जिसके तहत उन्हें नहीं हटाया जा सकता। मनमोहन टुडू ने कहा कि रांची विश्वविद्यालय में विद्यार्थी शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं, जबकि योग्य शिक्षक सरकार से गुहार लगाने को मजबूर हैं। उन्होंने इसके लिए उच्च शिक्षा सचिव को भी जिम्मेदार ठहराया।

रांची विश्वविद्यालय प्रशासन ने शिक्षकों के आंदोलन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की थी। इस पर संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कुलपति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि यदि हमारी आवाज को दबाने के लिए फोर्स बुलाने की जरूरत पड़ रही है, तो यह उनकी घबराहट को दर्शाता है। एनएसयूआई के उपाध्यक्ष अमन अहमद से भी अतिथि शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल मिला और उनसे अनुरोध किया कि वे छात्र हित को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर समर्थन दें।

ज्ञातव्य है कि रांची विश्वविद्यालय में पिछले आठ वर्षों से कार्यरत अतिथि शिक्षक समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर पिछले दो वर्षों से संघर्ष कर रहे हैं। हेमंत सरकार की पिछली कैबिनेट बैठक में इन शिक्षकों को आवश्यकता आधारित शिक्षक के रूप में सेवा देने का प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन संकल्प की अस्पष्टता के कारण समायोजन नहीं हो पाया और विश्वविद्यालय प्रशासन इन्हें हटाने का प्रयास कर रहा है। आज के इस पुतला दहन कार्यक्रम में डॉ. मुमताज, सूरज कुमार विश्वकर्मा, जिज्ञासा ओझा, निहारिका, प्रियंका देवघरिया, शिखा पोद्दार, मनमोहन टुडू, अंकित शर्मा, आसिफ अली, नाजिश हसन, राजू हजाम, शिवकुमार, चक्षु पाठक, डॉ. सतीश तिर्की समेत कई शिक्षक एवं समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

होली पर बनाएं टेस्टी कद्दू की बर्फी, चखने के बाद भूल जाएंगे मार्केट की मिठाई

होली पर घर पर कई मेहमानों का आना जाना लगा रहता है। ऐसे में आप घर आए मेहमानों के लिए टेस्टी कद्दू की बर्फी बना सकते हैं। यह खाने में काफी बेहतर लगता है और आसानी से तैयार भी किया जा सकता है।

होली का त्योहार पूरे देश में काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग एक दूसरे से मिलते हैं। ऐसे में इस दिन घरों में मेहमानों का आना-जाना लगा रहता है। होली पर घर आए मेहमानों के लिए अगर आप कुछ बेहतर और यूनिक बनाने का सोच रहे हैं तो आप कद्दू की बर्फी को बना सकते हैं। कद्दू की बर्फी को दूध, खोया और चीनी के साथ तैयार किया जाता है। यह खाने में काफी टेस्टी लगता है। इस लेख में हम आपको हलवाई स्टाइल में कद्दू की बर्फी बनाने के बारे में बताएंगे।

कद्दू की बर्फी बनाने की सामग्री

500 ग्राम कद्दू
एक कप खोया
आधा कप दूध
200 ग्राम चीनी
दो चम्मच घी
ड्राई फ्रूट्स

कद्दू की बर्फी के लिए तैयार करें मिश्रण

कद्दू की बर्फी को बनाने के लिए आप सबसे पहले कद्दू को सही से काट लें और इसको कद्दूकस कर लें। अब आप एक कढ़ाई में घी को गर्म करें और इसको डालें। आप इसको सात से आठ मिनट तक इसको चलाते रहें, जिससे यह नरम हो जाए। जब यह सही से पक जाए तो इसमें खोया को डालें और चलाते रहें। कुछ समय के बाद आप इसमें चीनी को डालें और मिलाएं। अब आप इसमें इलायची को पाउडर करें और साथ में कटे हुए ड्राई फ्रूट्स को डालें। जब इन सभी का मिश्रण कढ़ाई छोड़ने लगे तब आप गैस को बंद कर दें।

कद्दू की बर्फी कैसे बनाएं?

कद्दू की बर्फी को बनाने के लिए आप इस मिश्रण को एक थाली में निकला लें और इसको समान रूप से फैलाएं। हालांकि, इस मिश्रण को थाली में डालने से पहले उसमें घी लगाना नहीं भूले। इससे मिश्रण थाली में नहीं पकड़ेगा। कुछ समय तक ठंडा होने के बाद आप अपनी पसंदीदा शेप में काट लें। आप इसको एयरटाइट कंटेनर में तीन से चार दिन तक रख सकते हैं।

मार्च के महीने में लगाएं ये सुगंधित फूल वाला पौधा, पूरी गर्मी आएगा फूल

गंधराज के पौधे को मार्च के महीने में आसानी से लगाया जा सकता है। इसको लगाने के लिए अधिक मेहनत की भी जरूरत नहीं पड़ती है। एक बार यह फूल लग जाने के बाद इसका पौधा लंबे समय तक फूल देता है।

मार्च का महीना बागवानी के लिए सबसे बेहतर होता है। इस समय मौसम बसंत के साथ काफी सुहाना होता है। मार्च के महीने में पौधे आसानी से लग जाते हैं और इनकी ग्रोथ भी काफी अच्छी होती है। वहीं, मार्च के महीने

से ही गर्मी की हल्की-हल्की शुरुआत हो जाती है।

सुगंधित फूल वाला पौधा है गंधराज

अगर आप भी अपने घर में किसी ऐसे फूल के पौधे को लगाने के बारे में सोच रहे हैं, जिसका फूल पूरी गर्मी आए तो आप गंधराज के पौधे पर विचार कर सकते हैं। यह सुगंधित फूल वाला पौधा इस मौसम में आसानी से उग जाएगा और इसको लगाना काफी आसान भी होता है। एक बार लग जाने के बाद इसको अधिक केयर करने की जरूरत नहीं होती है।

गंधराज का पौधा कैसे लगाएं?

गंधराज के पौधे को सुगंधित फूलों और शानदार खुशबू के लिए जाना जाता है। इसको आप 10 से 12 इंच के गमले में आसानी से लगा सकते हैं। वहीं, इसकी मिट्टी को बनाने के लिए आप इसमें कोकोपीट, रेत और गोबर की खाद का उपयोग कर सकते हैं। गंध राज के पौधे को अधिक धूप की जरूरत नहीं होती है। दिन में आप कम से कम तीन से चार घंटा धूप में इसको रख सकते हैं।

गंधराज के पौधे की देखभाल कैसे करें?

गंधराज के पौधे की देखभाल करना काफी आसान होता है। हालांकि, कई बार गंधराज के पौधों में फंगस और कीड़े लग जाते हैं, जिसको हटाना काफी जरूरी होता है। इसको हटाने के लिए आप नीम तेल या साबुन पानी का स्प्रे कर सकते हैं। अगर इसकी पत्तियां पीली होने लगे तो आप इसकी मिट्टी में खाद जरूर डालें। उम्मीद है ये जानकारी आपको पसंद आई होगी।

गर्मी आने से पहले जरूर खाएं इन सब्जियों का सलाद, ड्राई स्किन से मिलेगा छुटकारा

गर्मी में त्वचा काफी रूखी और बेजान सी हो जाती है। ऐसे में इसका केयर करना काफी मुश्किल होता है। हालांकि, आप इसको नेचुरल तरीके से ही हाइड्रेट और चमकदार बना सकते हैं।

देश के कई हिस्सों में गर्मी दस्तक दे रही है। गर्मी का मौसम आने से पहले ही इसका असर स्किन पर दिखने लगा है। स्किन ड्राई और रूखी हो रही है। कई बार तो स्किन ड्राई होने के कारण उस पर रैशेज भी दिख रहे हैं। ऐसे में स्किन का केयर करना काफी जरूरी होता है।

वैसे भी स्किन को मुलायम और चमकदार बनाने के लिए लोग मार्केट से कई तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट्स को खरीदते हैं और उसका उपयोग करते हैं। हालांकि, आप इस मौसम में भी अपनी स्किन को नेचुरल तरीके से भी ग्लो करा सकते हैं। इस लेख में हम कुछ सब्जियों के नाम बताएंगे, जिसको आप सलाद में खा सकते हैं। ये सब्जियां स्किन के लिए काफी फायदेमंद होती हैं।

रूखी त्वचा के लिए सलाद

खीरा

खीरा त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। दरअसल, इसमें पानी की मात्रा 95 प्रतिशत तक होती है, जिसको खाने से त्वचा हाइड्रेट और फ्रेश बना रहता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को मुलायम और चमकदार बनाते हैं। खीरा खाने से डार्क सर्कल भी कम होता है।

गाजर

आप गाजर को भी सलाद के रूप में भी खा सकते हैं। इसमें विटामिन, की मात्रा काफी अच्छा मात्रा में होता है, जो स्किन को नेचुरली ग्लो कराता है। यह ड्राइ स्किन को नमी प्रदान करता है। यह मुंहासों को भी रोकने में मदद करता है।

टमाटर

टमाटर स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसको खाने से चेहरे की डैमेज स्किन ठीक होती है। यह त्वचा को हाइड्रेट करने के साथ-साथ मुंहासों को कम करता है।

चुकंदर

चुकंदर में कई तरह के पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद आयरन, एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी त्वचा को रिपेयर करते हैं और ग्लो बनाते हैं। चुकंदर ड्राइ स्किन को हाइड्रेट भी करता है। यह चेहरे पर आए पिगमेंटेशन को भी कम करता है।

ब्राउन राइस खाने के फायदे ही नहीं नुकसान भी हैं

भारत में लोगों को अलग-अलग तरह का खाना पसंद होता है. यहां मौसम के हिसाब से कई तरह के फूड प्रोडक्ट मिलते हैं. खाने के शौकीनों के लिए यहां खाने के कई ऑप्शन मौजूद हैं. वहीं, कोरोना महामारी के बाद लोग अपनी सेहत को लेकर काफी चिंतित हैं. ऐसे में कई लोग स्वस्थ रहने के लिए हेल्दी फूड्स को अपनी डाइट में शामिल करते हैं। भारत का पारंपरिक खाना दाल, चावल, रोटी और सब्जी है. ये खाना लगभग सभी को पसंद होता है, लेकिन कुछ लोग सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस का इस्तेमाल कर रहे हैं. डॉक्टर्स भी कहते हैं कि ब्राउन राइस सफेद चावल से ज्यादा सेहतमंद होता है. लेकिन कुछ लोग इसका जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने लगे हैं. ऐसे में आप जानकर चौंक जाएंगे कि जिस ब्राउन राइस का इस्तेमाल आप स्वस्थ रहने के लिए कर रहे हैं, वो आपके लिए नुकसानदायक भी हो सकता है. आइए यहां जानते हैं कि ज्यादा ब्राउन राइस खाने से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं..

ब्राउन राइस पचाने में मुश्किल होता है - आपको लगता होगा कि ब्राउन राइस खाने से आपका शरीर फिट रहेगा, लेकिन ऐसा नहीं है. दरअसल, बहुत ज्यादा ब्राउन राइस खाने से पेट की समस्या हो सकती है. ब्राउन राइस आसानी से पचता नहीं है. इसके अलावा इसे खाने से पेट की समस्या जैसे कब्ज भी हो सकती है. अगर आप पेट की किसी समस्या से पीड़ित हैं तो ब्राउन राइस न खाएं.

पाचन संबंधी समस्याएं - ब्राउन राइस में मौजूद हाई फाइबर कंटेंट कुछ लोगों में पाचन संबंधी परेशानी पैदा कर सकती है, जिससे पेट फूलना, गैस और पेट में ऐंठन हो सकती है. इसके अलावा, ब्राउन राइस में किण्वनीय ऑलिगोसेकेराइड, डिसैकेराइड, मोनोसेकेराइड और पॉलीओल्स होते हैं जो चिड़चिड़ा आंत्र सिंड्रोम वाले लोगों में पाचन संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं.

सिरदर्द की समस्या - अगर आप अपने शरीर को फिट रखने के लिए ब्राउन राइस का सेवन कर रहे हैं, तो इसका अधिक सेवन न करें. क्योंकि ब्राउन राइस का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है. इससे उल्टी और सिरदर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं. साथ ही ब्राउन राइस सोरायसिस और अन्य त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण भी बन सकता है.

सोने से पहले कर लें ये 4 योगासन, झट से आएगी नींद; स्ट्रेस भी होगा कम

रात के समय पर्याप्त मात्रा में नींद लेने से पूरे दिन बॉडी में एनर्जी बनी रहती है और आपका दिन बेहतर गुजरता है। हालांकि, कई लोग रात के समय सही से सो नहीं पाते हैं। ऐसे में अगर आपको भी रात के समय नींद नहीं आती है तो इन योगासन को कर सकते हैं। इसको करने से नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

बदलती लाइफस्टाइल और भागदौड़ भरी जिंदगी के कारण लोगों का स्लीपिंग साइकल खराब हो गया है। लोग समय पर नहीं सो पा रहे हैं, जिसके कारण वह सुबह जल्दी नहीं उठ पाते हैं। वैसे रात के समय नींद नहीं आना एक गंभीर समस्या का कारण हो सकती है, लेकिन गलत आदतों का भी असर नींद पर पड़ता है, जिसके कारण रात के समय बिस्तर पर जाने के बाद भी नींद नहीं आती है।

रात के समय पर्याप्त मात्रा में नींद लेने से पूरे दिन बॉडी में एनर्जी बनी रहती है और आपका दिन बेहतर गुजरता है। अगर आप भी रात के समय सही से नहीं सो पा रहे हैं तो हम आपके लिए कुछ योगासन लेकर आए हैं, जिसको आप सोने से पहले कर सकते हैं। इसको फॉलो करने से आप रात में बेहतर तरीके से सो सकते हैं।

बालासन

रात में सोने से पहले बालासन करने के काफी फायदे हैं। इस आसन को करने से शरीर और मन को काफी आराम मिलता है। इसको करने से दिमाग शांत होता है, जिससे बेहतर नींद आती है। बालासन करने से पूरे दिन की थकावट कम होती है। सोने से पहले इस योगासन को करने से नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

सोने से पहले करें भ्रामरी प्राणायाम

भ्रामरी प्राणायाम सोने से पहले करना काफी फायदेमंद होता है। इस योगासन को करने से रात के समय नींद बेहतर होती है। इस आसन को करने से दिमाग को आराम मिलता है और तनाव भी दूर होता है। अगर आपको भी चिंता अधिक सताती है तो आप सोने से पहले भ्रामरी प्राणायाम कर सकते हैं।

शवासन

आप सोने से पहले शवासन कर सकते हैं। इस आसन को करने से दिमाग शांत हो जाता है और तनाव कम होता है। इस आसन से अनिद्रा की समस्या भी दूर हो जाती है। यह दिनभर की थकावट को कम करता है और मांसपेशियों को आराम देता है। अगर आप शवासन को हर रोज करते हैं तो आपकी नींद की गुणवत्ता में सुधार होगी।

केंद्रीय विद्यालय में कैसे बनते हैं टीचर?

अगर आप भी केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने की सोच रहे हैं और आपको नहीं पता है कि केंद्रीय विद्यालय में टीचर कैसे बनते हैं तो आपको हम यहां पर बता रहे हैं कि कैसे केंद्रीय विद्यालय में टीचर बना जा सकता है।

बहुत से युवाओं का सपना होता है कि वे टीचर बनकर बच्चों को पढ़ाएं। अगर आप भी टीचर बनना चाहते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहते हैं तो केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनकर आप अपना यह सपना पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय विद्यालय में समय-समय पर टीचर के पद की वैकेंसी निकलती रहती हैं। केंद्रीय विद्यालय की वैकेंसी निकलते ही आपको अप्लाई करना होगा। अप्लाई करने के बाद रिटेन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर इंटरव्यू क्लियर करना होगा। इंटरव्यू और मेडिकल के बाद आपको जॉइनिंग लेटर मिलेगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम 50% मार्क्स के साथ ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों का ज्ञान होना चाहिए। कैंडिडेट की मैक्सिमम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स को बैचलर ऑफ़ एजुकेशन कोर्स किया होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को सीटेट की परीक्षा भी पास किए होना चाहिए।

क्या बीएड?

यह एक ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम है, जो आम तौर पर तीन से चार साल तक चलता है। इसमें छात्रों को स्कूलों में टीचर के रूप में काम करने के लिए ट्रेन किया जाता है। क्रश्चस्र में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ग्रेजुएट डिग्री कम से कम 50 परसेंट मार्क्स और कुछ सब्जेक्ट्स में 55 परसेंट मार्क्स के साथ पास करना ज़रूरी है।

सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एग्जाम

केवी का टीचर बनने के लिए छात्र का CTET एग्जाम पास करना जरुरी है। CTET एक परीक्षा होती है, जिसे पास करने के बाद आप केंद्र और राज्य स्तर के विद्यालयों में शिक्षक पद के लिए अप्लाई कर सकते हैं। CTET का आयोजन साल में दो बार होता है। इसमें दो पेपर होते हैं। पहला पेपर प्राइमरी एजुकेशन यानी 5वीं तक पढ़ाने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है। दूसरा पेपर सीनियर क्लासेज में पढ़ाने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है।

बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर?

टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट्स के साथ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है लेकिन बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर है और क्या अंतर है?

अगर आप इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो हम आपकी उलझन थोड़ी दूर कर देते हैं। ये आर्टिकल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बारे में है। जान लें- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है? दोनों में कौन सी ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्या है?

यह मुख्य रूप से उन उपकरणों, डिवाइस और सिस्टम स्टडी, डिजाइन एंड एप्लिकेशन से संबधित है, जो बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करते हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रिकल उपकरण डिजाइन करने में मदद करता है, जैसे कि इलेक्ट्रिक मोटर, रडार और नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, बिजली उत्पादन उपकरण, ऑटोमोबाइल और विमान। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के पास नौकरी के बहुत से विकल्प हैं और उन्हें कई क्षेत्रों में काम मिल सकता है। वे कंट्रोल इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, टेस्ट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेली कम्युनिक्शन इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, सिस्टम इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स में काम कर सकते हैं। भारत में एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ग्रेजुएट की शुरुआती सैलरी औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह इस बात पर निर्भर कर सकता है कि वे कहां काम करते हैं, उनके पास कितना अनुभव है, और वे किस उद्योग में हैं। शुरुआती वेतन अक्सर अच्छा होता है और अधिक अनुभव के साथ वे अधिक कमाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग क्या है?

ये एक विविध इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार नेटवर्क को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्राहक और परियोजना आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, समाधान खोजते हैं, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन करते हैं, फर्मवेयर और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं, और निर्माण की देखरेख करते हैं। वे अगली पीढ़ी के गैजेट और बुनियादी ढांचे का आविष्कार करने के लिए अत्याधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और संचार तकनीकों को एकीकृत करने का काम करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एक बहुत ही बहुमुखी क्षेत्र है। ईसीई

इंजीनियरों को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार बुनियादी ढांचे को विकसित करने वाले उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार मिलता है। कुछ शीर्ष क्षेत्र हैं दूरसंचार, एयरोस्पेस, डिफेंस, मोटर व्हीकल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली व्यवस्था और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग। भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर के लिए औसत शुरुआती वेतन 4 लाख प्रति वर्ष है। EE की तरह, वेतन स्थान, अनुभव के वर्षों, कौशल और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग होता है।

EE और ECE में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (EE) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ECE) दोनों शाखाएं समान रूप से अच्छी हैं। लेकिन, यह सब व्यक्ति की रुचि के क्षेत्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि छात्र को भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। एक बार जब वह इसके बारे में सुनिश्चित हो जाता है, तो वह अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकता है।

जल प्रबंधन की फील्ड में बनाएं शानदार करियर

अगर आप लीक से हटकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी साबित हो सकता है। क्योंकि हम यहां पर आपको पानी से जुड़ी करियर के बारे में बता रहे हैं। आप भी एक वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बढ़िया करियर बना सकते हैं। अगर आप इस फील्ड में करियर बनाते हैं तो आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। ये समस्याएं एक राज्य या फिर एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक हैं। ऐसे में जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके भविष्य उज्जवल हो सकता है। क्योंकि इस फील्ड में अच्छी नौकरी के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि इस फील्ड में करियर बनाकर आप कितनी सैलरी पा सकते हैं।
वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट में वेतन अच्छा होता है। हालांकि, यह कई बातों जैसे - अनुभव, शिक्षा, कार्यक्षेत्र और जिस संस्था में आप काम करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

शुरुआती पद

शोध सहायक या जूनियर नीति विश्लेषक जैसे शुरुआती पदों पर सालाना वेतन 40,000 से 60,000 अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है।

अनुभवी पेशेवर

अनुभवी पेशेवरों के लिए जिनके पास कई सालों का अनुभव और विशेष कौशल है। उन्हें वेतन 60,000 से 1,00,000 अमेरिकी डॉलर या उससे भी ज्यादा मिल सकता है।

वरिष्ठ पद

निदेशक या वरिष्ठ नीति सलाहकार जैसे वरिष्ठ पदों पर सालाना वेतन 1,00,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर के बीच होता है। सबसे ज्यादा वेतन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों या परामर्श फर्मों में मिलता है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास मास्टर्स या पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा है, उनके उच्च वेतन पाने और कैरियर में तेजी से तरक्की करने की संभावना अधिक होती है।

जल प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम

इसी दिशा में काम करते हुए जल प्रबंधन संस्थान भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए प्रमाणित जल लेखाकार /विशेषज्ञ बनने के लिए एक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई तरह के कोर्सेज पर ट्रेनिंग दिया जाएगा।

रूस की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए उपलब्ध हैं ये स्कॉलरशिप्स

भारतीय छात्रों के लिए रूस में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप के कई अवसर मौजूद हैं इसकी जानकारी हम आपको यहां दे रहे हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है।

रूस में अधिकतर विश्वविद्यालय सरकारी सहायता प्राप्त स्कॉलरशिप देती हैं और एकसमान आवेदन प्रक्रिया अपनाती हैं। कोई भी विदेशी छात्र रूस में यूनिफॉर्म स्टेट एग्जामिनेशन या एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद स्कॉलरशिप के लिए उसी तरह आवेदन कर सकते हैं जिस तरह रूसी छात्र करते हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

स्कॉलरशिप अमाउंट

सरकार से प्राप्त होने वाली स्कॉलरशिप में पूरे कोर्स की ट्यूशन फीस, मेंटनेंस अलाउंस और डोरमेटरी अलाउंस शामिल होता है। जो छात्र इन स्कॉलरशिप को प्राप्त करना चाहते हैं वो भारत में ऑथराइस्ड व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं और वहां उपलब्ध स्कॉलरशिप और कोर्स के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए छात्र एक बार में 6 यूनिवर्सिटिज को चुन सकता है। लेकिन एक फेडरल क्षेत्र में 3 से ज्यादा नहीं चुन सकते जबकि मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में दो से ज्यादा नहीं चुन सकते हैं। अपनी पसंद के अनुसार अपनी चॉइस भरें और इसके बाद अन्य को भरें और चयन प्रक्रिया में बुलावे का इंतजार करें। देश के आधार पर ऑपरेटर इंटरव्यू, टेस्ट और परीक्षा का शेड्यूल जारी कर सकते हैं इसकी जानकारी उनकी वेबसाइट या आपको ईमेल के जरिए मिल सकती है। जिन छात्रों को डिग्री के स्तर पर रूसी भाषा की जानकारी नहीं है उन्हें प्री पेरेटरी डिपार्टमेंट में एनरोल किया जाता है। उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ एक साथ रूसी भाषा की पढ़ाई भी करनी पड़ती है।

- अगर आप कैंडिडेट्स की सूची में शामिल हो गए हैं तो अपने पास अतिरिक्त डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें
- एमबीबीएस डॉक्टर का सर्टिफिकेट तैयार करवाना होगा जिसमें बताया गया होगा कि ऐसा कोई मेडिकल कारण नहीं जिसकी वजह से आपको रूसी यूनिवर्सिटिज में न चुना जाए। इसमें एचआईवी टेस्ट भी करवाना होगा।
- डॉक्यूमेंट्स की कॉपी (रूसी भाषा में ट्रांसलेटिड), ऑनलाइन इन्हे सबमिट करें और हार्ड कॉपी ऑपरेटर के पास जमा करें।
- अब यूनिवर्सिटी में अपने कन्फर्मेशन का इंतजार करें।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में भारतीयों के साथ हो रहा खेल, फर्जी कॉल से की जा रही ठगी

न्यूयार्क एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय दूतावास ने वहां रहने वाले भारतीयों के लिए एक परामर्श जारी कर फर्जी कॉल्स से सावधान रहने की अपील की है। दूतावास ने भारतीय नागरिकों और वीजा आवेदकों के लिए चेतावनी जारी की है कि ठग फर्जी कॉल करके उनको ठगने की कोशिश में लगे हुए हैं। भारतीय दूतावास ने कहा है कि कुछ जालसाज दूतावास की टेलीफोन लाइनों से स्पूफिंग कर लोगों को धोखा देने की कोशिश कर रहे हैं। धोखेबाज फर्जी कॉल करके लोगों को पहले डराने का प्रयास करते हैं और फिर ठगी की वारदात को अंजाम देते हैं। ठग ये दावा करते हैं कि उनके पासपोर्ट, वीजा फॉर्म या अन्य दस्तावेजों में गलतियां मिली है और इन गलतियों को सुधारने के लिए उन्हें पैसे देने होंगे। इसके साथ ही धोखेबाज कुछ मामलों में धमकी भी देते हैं कि गलती सुधारने में असफल रहने पर उन्हें वापस भारत भेज दिया जाएगा या जेल की सजा हो सकती है। भारतीय दूतावास ने लोगों के लिए परामर्श जारी करते हुए कहा है कि वे किसी भी भारतीय या विदेशी नागरिक से फोन पर व्यक्तिगत जानकारी नहीं मांगते हैं। यदि किसी आवेदक से अतिरिक्त दस्तावेज मांगा जाता है।

हीथ्रो हवाई अड्डे की सुरंग में इलेक्ट्रिक कार में लगी आग, यात्रियों की परेशानी बढ़ी

लंदन , एजेंसी। लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे से यात्रा करने वाले यात्रियों को उस समय भारी परेशानी का सामना करना पड़ा, जब हवाई अड्डे पर एक सुरंग के अंदर एक इलेक्ट्रिक कार में विस्फोट के कारण आग लग गई। मिरर की रिपोर्ट के अनुसार, हवाई अड्डे के तीन मुख्य टर्मिनलों - 1, 2 और 3 को जोड़ने वाली सुरंग में कार में अचानक आग लग गई। घटना की पुष्टि करते हुए हीथ्रो हवाई अड्डे ने कहा कि आग से टर्मिनल 2 और 3 प्रभावित हुए हैं। इस बीच, बयान में आगे कहा गया कि पहले वाहन में आग लगने के कारण टर्मिनल 2 और 3 तक सड़क मार्ग से पहुंच आंशिक रूप से प्रतिबंधित रही। इस बीच, यात्रियों को सलाह दी गई कि हवाई अड्डे तक पहुंचने में अधिक समय लग सकता है। हम इस व्यवधान के लिए क्षमा चाहते हैं। मेट्रो ने बताया कि यह घटना सोमवार सुबह हुई, जब आग के कारण छ4 और छ4 के बीच ख्व साउथबाउंड बंद हो गया। बाद में हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए यातायात को अन्य स्थानीय मार्गों से मोड़ दिया गया। अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, लंदन फायर ब्रिगेड को लगभग 3 बजे बुलाया गया और 45 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया गया।

शेख हसीना का घर भी छिन गया, बांग्लादेश में बड़ा ऐक्शन; बहन से बेटे तक सब लपेटे में

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ बड़ी कार्रवाई होने जा रही है। उनके अपने ही मुल्क में अदालत ने संपत्तियां जब्त करने और रिश्तेदारों के बैंक खाते सील करने के आदेश दिए हैं। हसीना के अलावा उनके बेटे समेत कई रिश्तेदारों के खिलाफ भी संपत्तियां जब्त करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व पीएम फिलहाल भारत में निर्वासन में हैं। ढाका की एक कोर्ट ने हसीना के धानमंडी स्थित आवास सुधासदन समेत अन्य संपत्तियों को जब्त करने के निर्देश दिए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई को एक अधिकारी ने बताया कि साथ ही कोर्ट ने ऐसे 124 बैंक खातों को भी जब्त करने के निर्देश दिए हैं, जो उनके परिवार से जुड़े हुए हैं। ढाका मेट्रोपॉलिटन सीनियर स्पेशल जज जाकिर हुसैन गालिब की तरफ से मंगलवार को आदेश जारी किए गए हैं। रिश्तेदारों के खिलाफ इस कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने उनके बेटे साजिब वाजेद जॉय, बेटी साइमा वाजेद पुटुल, बहन शेख रेहाना और उनकी बेटियां ट्यूलिप सिद्दीकी और रादवान मुजीब सिद्दीकी के मालिकाना हक वाली संपत्तियों को भी जब्त करने के निर्देश दिए हैं।

मिल गया नोआ आर्क जहाज का अवशेष

वैज्ञानिकों ने तुर्किये में की 5 हजार साल पुराने नाव के अवशेष की खोज

अंकारा, एजेंसी।
तुर्की में हाल ही में एक खोज हुई है, जिसने विशेषज्ञों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। यह खोज करने वाले शोधकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने नोआ आर्क (नूह की नाव) के जिवाश्म की खोज कर ली है। दरअसल, रिसर्चर्स ने तुर्की के डुरुपिनार फॉर्मेशन में एक नाव के आकार के टीले की खोज की है।

द जेरूसलम रिपोर्ट के मुताबिक, तुर्की के डुरुपिनार में जो नाव के आकार का टीला मिला है, वो लंबे समय से नूह की बाइबल की कहानी से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि लगभग 5 हजार साल पहले एक भयावह बाढ़ के दौरान यह टीला पानी में डूब गया था।

इस खोज ने शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम का ध्यान आकर्षित किया है। साल 2021 से इस संरचना का अध्ययन करने के लिए टीम एक साथ काम कर रही थी। हालांकि, इस खोज की अभी भी जांच चल रही है, लेकिन इस खोज ने वैज्ञानिकों और बाइबल में लिखी बातों पर विश्वास करने वालों के बीच काफी दिलचस्पी पैदा कर दी है। टीम का लक्ष्य है कि और अधिक डेटा इकट्ठा किए जाए, जिससे यह पता लग सके कि यह टीला वास्तव में एक प्राचिन और महत्वपूर्ण ऐतिहासिक अवशेष को उजागर करने की कुंजी है। इस्तांबुल तकनीकी विश्वविद्यालय, एग्री इब्राहिम सेसेन विश्वविद्यालय और संयुक्त राज्य अमेरिका में एंड्रयूज विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों का एक सहयोग माउंट अरारत और नूह के सन्दूक अनुसंधान दल के बैनर तले 2021 से काम कर रहा है। टीम ने अपने प्रयासों को डुरुपिनार संरचना पर केंद्रित किया है, जो लिमोनाइट से बनी 538-फुट की भूवैज्ञानिक संरचना है और एग्री के डोगुबायजिट जिले में तुर्की-ईरान सीमा के पास माउंट अरारत के शिखर से लगभग 30 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। डुरुपिनार संरचना ने अपने जहाज़ जैसे आकार और आयामों के कारण शोधकर्ताओं और खोजकर्ताओं को लंबे समय से आकर्षित किया है जो नूह के जहाज़ के बाइबिल वर्णन को प्रतिबिंबित करते हैं। बाइबिल के अनुसार, जहाज़ का आकार तीन सौ हाथ लंबा, पचास हाथ चौड़ा और तीस हाथ ऊंचा था। खोज में जो संरचना मिली है उसकी माप, लगभग 150 मीटर लंबी, इस विवरण के अनुरूप है।

टीम ने क्या क्या इकट्ठा किया: टीम ने साइट से चट्टान और मिट्टी के लगभग 30 नमूने एकत्र किए।

विश्लेषण के लिए इस्तांबुल तकनीकी विश्वविद्यालय को भेजे गए इन नमूनों में मिट्टी जैसी सामग्री, समुद्री जमा और समुद्री भोजन के अवशेष, जिसमें मोलस्क भी शामिल हैं, के निशान पाए गए। विशेषज्ञों ने निर्धारित किया कि ये सामग्री 3500 से 5000 वर्ष पुरानी हैं। यह समय सीमा 5500 से 3000 ईसा पूर्व तक फैले ताम्रपाषाण काल से मेल खाती है, जो उत्पत्ति में वर्णित बाइबिल बाढ़ के युग से जुड़ा हुआ है। एग्री इब्राहिम सेसेन यूनिवर्सिटी के वाइस रेक्टर और प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर डॉ. फारुक काया ने कहा, शुरुआती नतीजों के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि इस क्षेत्र में ताम्रपाषाण काल से ही मानवीय गतिविधियां होती रही हैं। संगोष्ठी का एक महत्वपूर्ण परिणाम यह है कि मेसोपोटामिया क्षेत्र के रूप में जाने जाने वाले कुडी और अरारत में और अधिक शोध करने का निर्णय लिया गया है।

फ्लाइट में अचानक निकला धुआं, बाल-बाल बचे 195 यात्री, कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

लिस्बन एजेंसी। पुर्तगाल से लंदन जा रही एक इंटरनेशनल फ्लाइट में उस समय हड़कंप मच गया जब विमान में अचानक धुआं निकलने लगा। यात्री घबरा गए और चीखने-चिल्लाने लगे। इस स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क किया और इमरजेंसी लैंडिंग की अनुमति मांगी। ख्रष्ट से अनुमति मिलते ही फ्लाइट को पुर्तगाल के पोर्टो एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया,जहां विमान की सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसके बाद सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और बड़ा हादसा होने से टल गया।

इस फ्लाइट में कुल 195 लोग सवार थे जिनमें क्रू मेंबर्स भी शामिल थे। यह फ्लाइट लिस्बन से लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट जा रही थी। जैसे ही विमान ने लैंड किया रनवे पर पहले से ही एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौजूद थी।

यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और जरूरत पड़ने पर उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। दो यात्रियों की हालत ज्यादा खराब होने के कारण मौके पर ही सीपीआर देकर उनकी जान बचाई गई। वहीं 9 यात्रियों को सांस लेने में परेशानी हो रही थी इसलिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुर्तगाल के नागरिक सुरक्षा विभाग के अनुसार यह घटना शाम 4-45 बजे की है। टीएपी एयरलाइन की फ्लाइट संख्या टीएपी1356 ने दोपहर 3¬46 बजे लिस्बन से लंदन के लिए उड़ान भरी थी लेकिन 4¬20 बजे के आसपास विमान पश्चिमी स्पेन के ऊपर चक्कर लगाने लगा और फिर अचानक उसे पुर्तगाल के पोर्टो शहर की ओर मोड़ दिया गया।

करीब 5 बजे फ्लाइट ने पोर्टो एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग की। इस दौरान रनवे पर पहले से ही फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और सुरक्षा टीमें मौजूद थीं जिन्होंने यात्रियों को तुरंत विमान से बाहर निकालने का काम शुरू कर दिया। जैसे ही इमरजेंसी अलार्म बजा, सुरक्षा टीमें तुरंत हरकत में आ गईं। विमान के लैंड होने से पहले ही पुलिस, सिक्योरिटी, फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीम रनवे पर तैनात हो गई थी। यात्रियों को बाहर निकालने के बाद सुरक्षा कर्मियों ने विमान में भरे धुएं को निकालने की कोशिश की। इस आपातकालीन स्थिति के कारण अन्य विमानों को कुछ समय के लिए हवा में इंतजार करना पड़ा ताकि इस फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग कराई जा सके।

बांग्लादेश में फिर हो रही तख्तापलट की साजिश मीडिया रिपोर्टों पर भड़की सेना, पाक कनेक्शन समझिए

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश सेना ने उन रिपोर्टों पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिनमें सेना के भीतर 'असंतोष' और 'तख्तापलट की आशंका' जताई गई थी। इस पर बांग्लादेश सेना की ओर से मंगलवार रात इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस डायरेक्टोरेट ने आधिकारिक बयान जारी किया। बयान में कहा गया, बांग्लादेश सेना ने हाल ही में भारतीय मीडिया के कुछ संगठनों द्वारा प्रकाशित आधारहीन और झूठी रिपोर्टों को गंभीरता से लिया है। इन रिपोर्टों में बांग्लादेश सेना में कथित असंतोष और कमांड चेन टूटने की बातें कही गई हैं, जो पूरी तरह से निराधार हैं। यह बांग्लादेश और इसकी सेना की स्थिरता को नुकसान पहुंचाने के लिए एक सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा प्रतीत होता है।

बांग्लादेश सेना पूरी तरह संगठित और अनुशासित है तथा संविधान के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए संकल्पबद्ध है। बयान में आगे कहा गया, सेना के कमांड चेन में कोई समस्या नहीं है, और सभी अधिकारी, जिनमें वरिष्ठ जनरल भी शामिल हैं, पूरी तरह से संविधान, सेना की कमांड संरचना और बांग्लादेश की जनता के प्रति वफादार हैं। सेना में किसी तरह के असंतोष या बगावत की खबरें पूरी तरह से झूठी और दुर्भावनापूर्ण हैं। बता दें कि बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थी और पिछले साल पांच अगस्त से वह यहां हैं। इन व्यापक प्रदर्शन के बाद उनकी अवामी लीग की 16 साल पुरानी सरकार गिर गई थी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने आठ अगस्त, 2024 को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का कार्यभार संभाला था। इसके बाद से बांग्लादेश में उथल-पुथल का माहौल जारी है। इस बीच बांग्लादेश की पाकिस्तान के साथ करीबी ने इस आशंका को जन्म दिया है कि वहां सेना और अंतरिम सरकार के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा है। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि

पाकिस्तान से करीबी संबंध रखने वाले एक वरिष्ठ बांग्लादेशी सैन्य अधिकारी पर सेना में तख्तापलट की कोशिश करने के आरोप में निगरानी रखी गई है। सेना प्रमुख वकर-उज-जमान ने यह आदेश तब दिया जब उन्हें क्वार्टर मास्टर जनरल (क्यूएमजी) लेफ्टिनेंट जनरल फैजुर रहमान द्वारा उनकी जगह लेने की कोशिशों की भनक लग गई। दरअसल इससे पहले चीफ के सचिवालय को जमात समर्थक लेफ्टिनेंट जनरल फैजुर रहमान द्वारा उनकी जानकारी के बिना बुलाई जा रही बैठकों के बारे में पता चला था। डिवीजनल कमांडरों के साथ ये बैठकें बांग्लादेश सेना के कार्यवाहक प्रमुख के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए बुलाई गई थीं। बांग्लादेश की सेना की सफाई आई है। बांग्लादेश सेना ने विशेष रूप से एक भारतीय मीडिया संस्थान का जिक्र करते हुए कहा कि यह संगठन पहले भी इसी तरह की भ्रामक रिपोर्ट प्रकाशित कर चुका है। बयान के अनुसार, 26 जनवरी 2025 को भी इस मीडिया संस्थान ने ऐसी ही झूठी खबरें प्रकाशित की थीं। लगातार इस तरह की फर्जी रिपोर्ट प्रकाशित करने से इसकी मंशा और विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। इसके अलावा, बयान में कुछ अन्य ऑनलाइन पोर्टलों और टेलीविजन चैनलों पर भी आरोप लगाया गया कि उन्होंने भी इस तरह की झूठी खबरें फैलाई और दुष्प्रचार अभियान को और हवा दी।

हम चाहते हैं जंग खत्म हो, यूक्रेन सहमत हो गया, अब हमें रूस जाना है: डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सऊदी अरब के जेद्दा में शांति वार्ता के बाद यूक्रेन द्वारा युद्ध विराम पर सहमति जताने का स्वागत किया है, साथ ही उम्मीद जताई है कि रूस भी इस पर सहमत होगा।

ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को मीडिया से कहा, यूक्रेन, युद्ध विराम, पर अभी कुछ समय पहले ही सहमति बनी है। अब हमें रूस जाना है और उम्मीद है कि राष्ट्रपति पुतिन भी इस पर सहमत होंगे और हम इस शो को आगे बढ़ा सकते हैं। हम इस भयानक युद्ध को जीत सकते हैं...मुझे रिपोर्ट मिली है और वे अमेरिकी सैनिक नहीं हैं। वे यूक्रेनी हैं और वे रूसी हैं। लेकिन, लोग इसके बाहर मारे जा रहे हैं। शहरों में लोग मारे जा रहे हैं क्योंकि शहरों में विस्फोट हो रहे हैं और हम इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं।

ट्रंप का यह बयान यूक्रेन द्वारा तत्काल, अंतरिम 30-दिवसीय युद्धविराम लागू करने के अमेरिकी प्रस्ताव को स्वीकार करने की इच्छा व्यक्त करने के बाद आया है, जिसे पक्षों की आपसी सहमति से बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस भयानक युद्ध में रूस और यूक्रेन दोनों के सैनिक मारे जा रहे हैं, ट्रंप ने कहा कि युद्ध विराम पर पहुंचना बहुत महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने समाचार एजेंसी एएनआई के हवाले से कहा, तो, मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है। मुझे लगता है कि यह ओवल ऑफिस में पिछली यात्रा और पूर्ण युद्ध विराम के बीच एक बड़ा अंतर है, यूक्रेन इस पर सहमत हो गया है और उम्मीद है कि रूस भी इस पर सहमत होगा। हम आज और कल बाद में उनसे मिलने जा रहे हैं और उम्मीद है कि हम एक समझौते को खत्म करने में सक्षम होंगे। लेकिन मुझे लगता है कि युद्ध विराम बहुत महत्वपूर्ण है। अगर हम रूस को ऐसा करने के लिए राजी कर सकते हैं, तो यह बहुत अच्छा होगा। अगर हम ऐसा नहीं कर सकते हैं, तो हम बस चलते रहेंगे और लोग मारे जाएंगे, बहुत सारे लोग।

10 साल के बेटे पर बैठी 154 किलो पर मां, दम घुटने से हो गई मौत; पुलिस ने सुनाई सख्त सजा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका से एक बेहद हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक सौतेली मां अपने 10 साल के बच्चे के ऊपर बैठ गई, जिससे उसकी मौत हो गई। 10 साल के बच्चे का नाम डकोटा लेवी स्टीवंस और उसकी मां का नाम जेनिफर विल्सन बताया जा रहा है। जेनिफर विल्सन का वजन 154 किलो बताया जा रहा है, जेनिफर ली विल्सन कई मिनट तक उनके ऊपर बैठी रहीं, क्योंकि उन्हें लग रहा था कि बच्चा दिखावा कर रहा है अपनी परेशानी को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा है। 25 अप्रैल, 2023 को पुलिस को इस घटना के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने देखा, लड़का बेहोश हो गया था और उसकी नब्ज नहीं चल रही थी। अधिकारियों ने उसे होश में लाने की कोशिश की तो उन्होंने डकोटा की गर्दन और छाती पर चोट के निशान देखे। बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई। विल्सन ने पुलिस को बताया कि उसका इरादा बच्चे को मारने का नहीं था, उसने बताया कि बच्चा डकोटा बार-बार घर के बाहर या पड़ोसी के घर जा रहा था। उसने सजा देने के लिए ये सब किया।

महिला ने कबूल किया कि वह लगभग पांच मिनट तक छोटे लड़के पर बैठी रही। जब डकोटा ने हिलना बंद कर दिया, तो उसे लगा कि वह दिखावा कर रहा है। हालांकि, उसकी पलकों की जांच करने और उन्हें पीला होते देखने के बाद, उसने सीपीआर शुरू किया और 911 पर कॉल किया। अदालत में दायर एक याचिका में विल्सन ने दावा किया कि उसने उसे पकड़ लिया होगा या वह जमीन पर गिर गया होगा, लेकिन उसका इरादा केवल उसे भागने से रोकना था।

शव परीक्षण रिपोर्ट से पता चला कि डकोटा की मौत मेकेनिकल एस्पेक्सिया से हुई थी और मौत के तरीके को हत्या माना गया। उसे लीवर और फेफड़ों से रक्तस्राव सहित गंभीर आंतरिक चोटें आईं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, डकोटा का वजन केवल 91 पाउंड और लंबाई 410 बताई गई, जबकि विल्सन की लंबाई 411 और वजन 340 पाउंड था। घटना के गवाह एक पड़ोसी ने अधिकारियों को बताया कि डकोटा मेडिकल इमरजेंसी से पहले उसके घर भागकर गया था और उससे उसे गोद लेने के लिए कहा था क्योंकि उसके माता-पिता ने उसको पहले चेहरे पर मारा था। इसके बाद पुलिस ने उसको हिरासत में ले लिया और 6 साल की सजा सुनाई है।

बांग्लादेश में रमजान के दौरान कट्टरपंथी ताकतों का प्रभाव बढ़ा

ढाका, एजेंसी।
बांग्लादेश में रमजान के दौरान कट्टरपंथी ताकतों की गतिविधियों में तेजी आई है। खासकर, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद डॉ. मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर निष्क्रियता के आरोप लग रहे हैं। कट्टरपंथी संगठन अपने प्रभाव को बढ़ा रहे हैं और कई जगहों पर व्यापारियों को धमकी दी जा रही है कि अगर उन्होंने रमजान में रोजे के समय अपनी दुकानों को बंद नहीं किया, तो उन्हें जबरन बंद कर दिया जाएगा।

रमजान के पहले दिन ही जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख डॉ. शफीकुर्रहमान ने सरकार से मांग की कि दिन में होटलों और रेस्टोरेंट्स को बंद किया जाए। 2 मार्च को चांदपुर जिले के बाजार समिति ने खाद्य दुकानों और होटलों को बंद करने का आदेश दिया था। इसके अलावा मदारीपुर में भी होटलों को बंद करने की धमकी दी गई।

बांग्लादेश में महिलाओं की मॉरल पुलिसिंग तेज हो गई है। सादी वर्दी में तैनात सुरक्षाकर्मी और कट्टरपंथी संगठन महिलाओं पर हिजाब पहनने और सही कपड़े पहनने का दबाव बना रहे हैं। ढाका के श्यामोली क्षेत्र में एक युवक द्वारा सेक्स वर्करों पर हमला करने का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एक महिला युवक के पैर पकड़कर माफी मांग रही थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। कट्टरपंथी संगठनों का कहना है कि बांग्लादेश में महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

ढाका यूनिवर्सिटी के एक कर्मचारी मुस्तफा आसिफ अर्नब ने एक छात्रा से अभद्र टिप्पणी की और उसे हिजाब ठीक से पहनने को कहा। जब छात्रा ने पुलिस में शिकायत की, तो पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, बाद में कट्टरपंथी समूह तौहीदी जनता ने शाहबाग पुलिस स्टेशन को घेर लिया और आरोपी को रिहा करवा लिया। इसके बाद आरोपी का फूलों से स्वागत भी किया गया। शिकायतकर्ता छात्रा को सोशल मीडिया पर धमकियां मिल रही हैं, और उसका फोन नंबर सार्वजनिक कर दिया गया।

बांग्लादेश में 13 सैन्य अधिकारियों को तख्तापलट की साजिश में शामिल होने के आरोप में निगरानी में रखा गया है। इनमें पाकिस्तान के करीबी लेफ्टिनेंट जनरल फैजुर रहमान भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, रहमान ने पाकिस्तानी राजनयिकों और जमात-ए-इस्लामी के नेताओं के साथ कई बैठकें की थीं, जिनका उद्देश्य सेना प्रमुख वकर-उज-जमान के खिलाफ समर्थन जुटाना था। हालांकि, उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल पाया। मार्च के पहले सप्ताह में रहमान ने प्रमुख डिवीजनल कमांडरों की बैठक बुलाई।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार भारत आ रहे वेंस, पत्नी उषा भी होंगी साथ

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस इस महीने के अंत में भारत की यात्रा पर आएंगे, उनके साथ उनकी पत्नी उषा वेंस भी होंगी।उपराष्ट्रपति के रूप में यह वेंस की दूसरी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा होगी, इससे पहले उन्होंने हाल ही में फ्रांस और जर्मनी की यात्रा की थी।

उषा वेंस, जिनके माता-पिता भारत से संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए थे, द्वितीय महिला के रूप में पहली बार अपने पैतृक देश का दौरा करेंगी। पिछले महीने फ्रांस और जर्मनी में विश्व मंच पर पदार्पण करने के बाद यह वेंस की उपराष्ट्रपति के रूप में दूसरी विदेश यात्रा है। बताया जा रहा दोनों मार्च के आखिरी हफ्ते तक भारत आ सकते हैं।

हालांकि इस यात्रा के बारे में अभी ज्यादा जानकारी शेयर नहीं की गई है, लेकिन उनकी ये यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब रूस-यूक्रेन युद्ध विराम के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी पूरी ताकत लगा दी है। इस मुद्दे पर भी दोनों के बीच बातचीत हो सकती है।

भारतीय मूल की है जेडी वेंस की पत्नी उषा

वेंस की भारत यात्रा कूटनीतिक और व्यक्तिगत महत्व रखती है। हाल के सालों में अमेरिका-भारत साझेदारी मजबूत हुई है, खासकर व्यापार और रक्षा के क्षेत्र में।

जैसे-जैसे वैश्विक चुनौतियां सामने आ रही हैं, दोनों देश सुरक्षा से लेकर तकनीक तक के अहम मुद्दों पर एक-दूसरे के साथ मिल रहे हैं।

उषा वेंस की भारतीय विरासत को देखते हुए वेंस की यात्रा कूटनीतिक और व्यक्तिगत दोनों महत्व रखती है।

ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान, उन्होंने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मजबूत संबंध बनाए रखे, लेकिन ट्रंप के फिर से चुनाव प्रचार के दौरान तनाव तब पैदा हुआ जब उन्होंने भारत की व्यापार नीतियों की आलोचना की।

शेन बॉन्ड की जसप्रीत बुमराह को चेतावनी, यह करियर खत्म करने वाला हो सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज और मुंबई इंडियंस (एमआई) के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने कहा कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की सर्जरी जिस जगह हुई थी, उसी जगह पर एक और चोट लगने से उनका करियर खत्म हो सकता है और उन्होंने कहा कि भविष्य में वह उन्हें एक बार में दो से ज़्यादा टेस्ट मैच खेलते हुए नहीं देखना चाहेंगे।

बुमराह पीठ के निचले हिस्से में चोट से जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से वह रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के लिए मशहूर अभियान से बाहर हो गए। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली द्वारा %राष्ट्रीय खजाना% कहे जाने वाले इस गेंदबाज ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के दौरान भारत के लिए अकेले संघर्ष किया, जिसमें उन्होंने पांच मैचों में 32 विकेट लिए, इससे पहले इस साल जनवरी में सिडनी में अंतिम टेस्ट मैच में वह तनाव से संबंधित चोट से पीड़ित हो गए थे। उन्होंने तब से कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और भारत के विजयी द्वष्टष्ट चैंपियंस ट्रॉफी अभियान को भी मिस किया है।

बुमराह बेंगलुरु में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं और 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान मुंबई इंडियंस के लिए उनकी उपलब्धता पर कोई स्पष्टता नहीं है। बुमराह को पहली बार पीठ में चोट नहीं लगी है, क्योंकि मार्च 2023 में उनकी इसके लिए सर्जरी हुई थी। शेन बॉन्ड ने पहले साथ गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था और वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह के कार्यभार को एक और चोट से बचने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता है।

बुमराह के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जब वह स्कैन के लिए सिडनी गए थे, तो कुछ संदेश आ रहे थे कि उन्हें मोच और इस तरह की अन्य चीजें हैं। मुझे चिंता थी कि यह मोच नहीं होगी, यह उस क्षेत्र (पीठ) के आसपास की हड्डी की चोट हो सकती है। मुझे लगा कि अगर ऐसा था तो वह चैंपियंस ट्रॉफी में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर सकते हैं।

बॉन्ड ने इस बात पर प्रकाश डाला कि टी20 से टेस्ट क्रिकेट में तेजी से बदलाव में खतरे का क्षेत्र है। पूर्व तेज गेंदबाज ने इसे एक चुनौती के रूप में उजागर किया क्योंकि भारत 25 मई को आईपीएल समाप्त होने के बमुश्किल एक महीने बाद पांच टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड दौरे की तैयारी कर रहा है। बॉन्ड ने कहा, देखिए, मुझे लगता है कि बूम ठीक हो जाएंगे, लेकिन यह सिर्फ (कार्यभार) प्रबंधन (मायने रखता है)। दौरों और आगे के कार्यक्रम को देखते हुए उन्हें आराम देने के अवसर कहां हैं, लेकिन वास्तव में खतरे की अवधि कहां है? और अक्सर ऐसा होता है कि आईपीएल से टेस्ट चैंपियनशिप में बदलाव एक जोखिम होगा।

उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, आप जहां भी जाते हैं, खासकर टी20 से टेस्ट मैच में, यह चुनौतीपूर्ण होता है। अगर आप एकदिवसीय श्रृंखला खेल रहे हैं, तो यह आम तौर पर बहुत बुरा नहीं होता है। आप सप्ताह में तीन मैच खेलेंगे, आपको अभ्यास करना होगा, आप लगभग 40 ओवर (रेंज) में होंगे, यह वैसे भी टेस्ट मैच के सप्ताह के काफी करीब है। लेकिन टी20 में खासकर आईपीएल में जब आप सप्ताह में तीन मैच खेल रहे होते हैं, तो दो दिन की यात्रा होती है, आपको एक प्रशिक्षण सत्र मिल सकता है, अगर आप भाग्यशाली हैं तो आप 20 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। यह टेस्ट मैच के आधे या आधे से भी कम लोड के बराबर है, जो तब एक बड़ी छलांग है और आप लगातार दो दिन गेंदबाजी नहीं कर रहे हैं। जब आप इससे बाहर निकलते हैं तो यह एक बड़ी छलांग है।

भारत का इंग्लैंड दौरा काफी कड़ा होगा जिसमें 28 जून से 3 अगस्त के बीच पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे। बॉन्ड ने कहा कि भारत को बुमराह पर उतना काम का बोझ नहीं डालना चाहिए, जितना उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर डाला था, उन्होंने कुल 151.2 ओवर गेंदबाजी की थी, जिसमें मेलबर्न में बॉक्सिंग डे पर खेले गए चौथे टेस्ट के दौरान 52 ओवर शामिल हैं, जो टेस्ट मैच में उनका सबसे अधिक ओवर था।

उन्होंने कहा, वह अगले विश्व कप और अन्य मैचों के लिए बहुत मूल्यवान है। इसलिए आप इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच देख रहे होंगे, मैं उसे लगातार दो से अधिक टेस्ट मैच में नहीं खिलाना चाहूंगा। आईपीएल के आखिरी चरण से निकलकर टेस्ट मैच में उतरना बहुत बड़ा जोखिम होगा। इसलिए वे इसे कैसे मैनेज करते हैं, यह महत्वपूर्ण होगा। वे कह सकते हैं, देखो, यह कुल चार टेस्ट मैच हैं। या तीन। अगर हम उसे इंग्लिश समर में ले जा सकते हैं और वह फिट है, तो हम शायद इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि हम उसे बाकी प्रारूपों में ले जा सकते हैं। इसलिए यह मुश्किल है क्योंकि वह आपका सबसे अच्छा गेंदबाज है, लेकिन अगर उसे उसी जगह पर फिर से चोट लगती है, तो यह संभावित रूप से करियर खत्म करने वाला हो सकता है, क्योंकि मुझे यकीन नहीं है कि आप उस जगह पर फिर से सर्जरी करवा सकते हैं।

बॉन्ड ने कहा कि बुमराह की जिम्मेदारी है कि वह भारतीय क्रिकेट के निर्णयकर्ताओं के साथ मिलकर सुरक्षित मार्ग की योजना बनाएं, जिससे उन्हें लंबे समय तक खेलने में मदद मिले। उन्होंने कहा, इसलिए इसके लिए अच्छे प्रबंधन और खिलाड़ी के साथ कुछ खुली बातचीत की जरूरत होगी और कहा जाएगा कि देखो, हम आपके करियर के सर्वोत्तम हित में ऐसा कर रहे हैं। कोई भी खिलाड़ी जो इससे गुजरा है, और मैं भी इससे गुजरा हूं, आप खेलने के लिए बेताब हैं, लेकिन आप यह भी समझते हैं कि कुछ समय में कुछ जोखिम होते हैं और आपको कुछ समझौते करने पड़ते हैं।

अगर मेरे पास पावर होती तो आईपीएल का यह नियम बदल देता : संजू सैमसन

नई दिल्ली- आईपीएल 2025 सीजन से पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा कि अपने करीबी दोस्त विकेटकीपर-ओपनर जोस बटलर को जाने देना उनके लिए सबसे मुश्किल काम था और अगर उनके पास आईपीएल में कोई नियम बदलने की शक्ति होती तो वह खिलाड़ियों को कभी रिलीज न करने का होता।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और शिमरोन हेटमायर को रिटेन किया जिसका मतलब था कि उनके पास बटलर को रिटेन करने के लिए कोई स्लॉट नहीं था, जो अब 22 मार्च से शुरू होने वाले आगामी सीजन में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलेंगे।

सैमसन ने कहा, आईपीएल आपको एक टीम का नेतृत्व करने और उच्चतम स्तर पर खेलने का अवसर देता है, लेकिन यह आपको घनिष्ठ मित्रता बनाने की भी अनुमति देता है। जोस बटलर मेरे सबसे करीबी दोस्तों में से एक हैं। हमने सात साल तक एक साथ खेला, एक लंबी बल्लेबाजी साझेदारी बनाई। हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह से जानते थे और हमेशा संपर्क में रहते थे। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह थे।

उन्होंने कहा, जब मैं कप्तान बना, तो वह मेरे उप-कप्तान थे और उन्होंने टीम का नेतृत्व करने में मेरी बहुत बड़ी भूमिका निभाई। उन्हें जाने देना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण चीजों में से एक रहा है। यहां तक कि इंग्लैंड श्रृंखला के दौरान मैंने उन्हें रात के खाने पर बताया कि मैं अभी भी इससे उबर नहीं पाया हूं। अगर मैं आईपीएल में एक चीज बदल सकता, तो मैं खिलाड़ियों को रिलीज करने का नियम बदलूंगा।

सैमसन ने कहा, हालांकि इसके अपने सकारात्मक पहलू हैं, व्यक्तिगत स्तर पर आप वर्षों से बनाए गए कनेक्शन और रिश्ते खो देते हैं। यह मेरे लिए पूरी फ्रैंचाइजी, मालिकों, कोचों और राजस्थान से जुड़े सभी लोगों के लिए कठिन रहा है। जोस हमारे लिए परिवार था।

साथ ही, सैमसन ने जुरेल, पराग और हेटमायर जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को बनाए रखने के प्रभाव पर भी बात की। उन्होंने कहा, बेशक, यह एक बड़ी भूमिका निभाता है। पहले से ही टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ियों का होना एक बेहतरीन कनेक्शन बनाता है। यह मेरा काम आसान बनाता है क्योंकि हम मैदान पर और बाहर दोनों जगह एक-दूसरे को अच्छी तरह से जानते हैं और इससे टीम के बेहतर समन्वय में मदद मिलती है।

ऋषभ पंत की बहन की शादी, संगीत समारोह में धोनी और रैना ने जमकर लगाए ठुमके

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की बहन साक्षी पंत की शादी होने वाली है। मसूरी में सोमवार को मेहंदी समारोह के साथ ही शादी की रस्में शुरू हो गई हैं। मंगलवार को संगीत समारोह में पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी, सुरेश रैना और पंत जैसे भारतीय क्रिकेट सितारों ने डांस फ्लोर पर धमाल मचाया। इंटरनेट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में धोनी और रैना मशहूर सूफी गाने दमा दम मस्त कलंदर पर डांस करते नजर आ रहे हैं। मंगलवार को धोनी अपनी पत्नी साक्षी के साथ समारोह में शामिल होने देहरादून पहुंचे, जबकि रैना अपनी पत्नी प्रियंका के साथ थे। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के भी शादी समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। वहीं गौतम गंभीर भी समारोह में शिरकत करेंगे।

पंत दुबई में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे और सोमवार सुबह भारत लौटे। साक्षी पंत व्यवसायी अंकित चौधरी से शादी करने जा रही हैं। दोनों ने लगभग 9 साल तक डेटिंग करने के बाद पिछले साल सगाई की थी। जनवरी 2024 में लंदन में साक्षी पंत की सगाई समारोह में धोनी भी शामिल हुए थे। यूके में पढ़ाई करने वाली साक्षी अपनी यात्रा की तस्वीरों और ट्रेंडी आउटफिट्स की बदौलत सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में फॉलोअर हैं।

हार्दिक पांड्या ने शेयर किए फ्यूचर प्लान, हैट्रिक लगाने की है तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीतने के बाद हार्दिक पांड्या ने अपनी खुशी साझा की। उन्होंने मैच के बाद 2017 चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान के खिलाफ हार के बारे में बात की, जहां वे रवींद्र जडेजा के साथ बल्लेबाजी करते हुए रन आउट हो गए थे। हार्दिक पांड्या ने यह भी कहा कि वह केवल आईसीसी कप जीतना चाहते हैं और पांच से छह और ट्रॉफी चाहते हैं। हार्दिक पांड्या आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत के प्रमुख कारकों में से एक थे। टूर्नामेंट में शुभमन गिल (एक शतक के साथ 5 मैचों में 188 रन), श्रेयस अय्यर (5 मैचों में 2 अर्द्धशतकों के साथ 243 रन), अक्षर पटेल (5 मैचों में 5 विकेट के साथ 109 रन), केएल राहुल (5 मैचों में 140.00 की औसत से 140 रन) और वरुण चक्रवर्ती (9 विकेट) का प्रदर्शन शानदार रहा।

हार्दिक पांड्या ने बीसीसीआई द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि 2017 में काम बाकी था। मैं तब काम पूरा नहीं कर सका था और मुझे बहुत खुशी है कि आज की रात वह रात है जब मैं कह सकता हूं कि मैं चैंपियंस ट्रॉफी विजेता हूं। यह अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह हमेशा से ही जितना हो सके उतनी चैंपियनशिप जीतने के बारे में रहा है। मैंने यह तब कहा था जब हम 2024 में जीते थे- यह पूरा नहीं हुआ है। मुझे अभी भी 5-6 और ट्रॉफी चाहिए। मैं रोमांचित हूं कि एक और जुड़ गई है।

हार्दिक ने यह भी बताया कि वह चाहते हैं कि उनकी टीम किसी भी स्थिति में जीते। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कैसा प्रदर्शन करते हैं; वह अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ चाहते हैं। मेरे जीवन और मेरे क्रिकेट के सफ़र में सबसे महत्वपूर्ण बात हमेशा यह रही है कि मैं कैसे सुनिश्चित करूँ कि मेरी टीम जीत सके, और यह मेरे लिए बहुत ही संतोषजनक और बहुत ही सुखद पल होता है जब भी मैं मैदान पर कदम रखता हूं, भले ही मैं अपनी टीम की जीत में योगदान न भी करूं, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए सबसे खूबसूरत एहसास है।

हार्दिक ने अपने साथियों की प्रशंसा की और पूरे टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी द्वारा दिखाए गए क्लास की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हर कोई वहां आया और आप जानते हैं कि एक ही समय में उसने अपना क्लास दिखाया, जो उसके पास है और जो असाधारण है, मुझे ऐसे खेल पसंद हैं जहाँ हर कोई अपना दिल लगाकर खेलता है और मुझे लगता है कि मैं भारत के लिए था, मैं भारत के लिए था। चैंपियन की ट्रॉफी हो गई है। मेरा अगला लक्ष्य घर में आईसीसी टी20 विश्व कप उठाना है।

स्वितोलिना, एंड्रीवा, स्वीयाटेक इंडियन वेल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंची

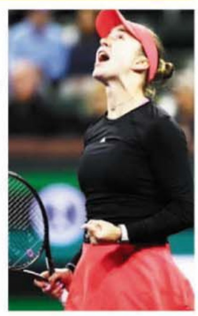

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन की 23वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना ने बारिश का सामना करते हुए 5-7, 6-1, 6-2 से नंबर 4 वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला को हराकर इंडियन वेल्स ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।पूर्व इंडियन वेल्स सेमीफाइनलिस्ट ने अपनी शुरुआती असफलताओं को भुलाकर मैच को अपने पक्ष में मोड़ दिया और अंतिम 15 गेम में से 12 गेम जीतकर अपने 21वें डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जो 2021 के बाद से उनका पहला मैच था। कैलिफोर्निया के रेगिस्तान में धुंध भरे दिन पर, स्वितोलिना और पेगुला को तीसरे सेट के पहले गेम के बाद बारिश के कारण लंबे समय तक खेल में देरी का सामना करना पड़ा। यह स्वितोलिना ही थी जो बीच में अपनी आंखों में आग लेकर वापस आई। उसने पेगुला को पीछे धकेल दिया और जीत के साथ आगे निकल गई। पेगुला ने इस महीने की शुरुआत में ऑस्टिन खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स में प्रवेश किया, लेकिन स्वितोलिना शीर्ष पर रही, जिसने अपने करियर की आठ भिड़ंत में पेगुला पर अपनी तीसरी जीत हासिल की। स्वितोलिना, जो 2019 के बाद पहली बार टेनिस पैराडाइज में क्वार्टर फाइनल में है, का सामना मीरा एंड्रीवा से होगा, जिसने तीन सप्ताह में दूसरी बार एलेना रिबाकिना को 6-1, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

संन्यास लेने से पहले रोहित की नजर वनडे विश्व कप खिताब पर होगी : दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

दुबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ी रिकी पोंटिंग का मानना है कि रोहित शर्मा अब भी दमदार खिलाड़ी हैं तथा वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले वनडे विश्व कप तक भारतीय टीम का नेतृत्व करना जारी रख सकते हैं। रोहित की कप्तानी में भारत ने वनडे विश्व कप को छोड़कर आईसीसी के बाकी टूर्नामेंट जीते हैं। उनकी अगुवाई में भारतीय टीम 2023 में घरेलू धरती पर खेले गए वनडे विश्व कप को जीतने के करीब पहुंची थी लेकिन फाइनल में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

पोंटिंग ने आईसीसी रिव्यू में कहा कि रोहित अपने भविष्य के लक्ष्यों को लेकर काफी हद तक स्पष्ट हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'जब आप अपने करियर के इस पड़ाव के करीब पहुंचते हैं तो हर कोई आपके संन्यास लेने का इंतजार कर रहा होता है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्यों होता है। वह भी तब जबकि आप अच्छा खेल रहे हो जैसा कि उन्होंने (चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में) अच्छी पारी खेली थी।

पोंटिंग ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह उन सवालों को हमेशा के लिए खत्म करने की कोशिश कर रहे थे और कह रहे थे, नहीं, मैं अब भी काफी अच्छा खेल रहा हूं। मुझे इस टीम में खेलना पसंद है। मुझे इस टीम का नेतृत्व करना पसंद है। पोंटिंग ने कहा, 'मेरे लिए इसका मतलब यह है कि उनके मन में 2027 में होने वाले अगले वनडे विश्व कप में खेलना लक्ष्य होना चाहिए।

रोहित ने 2021 में 34 वर्ष की उम्र में भारतीय टीम की कमान संभाली थी। उनके नेतृत्व में भारत ने रविवार को यहां खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। इससे पहले भारत ने पिछले साल रोहित की कप्तानी में ही वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 252 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित की 83 गेंद पर खेली गई 76 रन की पारी की मदद से आसन जीत हासिल की।

रोहित ने संवाददाता सम्मेलन में संन्यास लेने की खबरों को सिरे से खारिज करते हुए कहा था, 'एक और बात, मैं इस प्रारूप से संन्यास नहीं लेने जा रहा हूं, बस यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि कोई और अफवाह न फैले। पोंटिंग ने कहा कि रोहित के दिमाग में अपने करियर को जारी रखने के पीछे वनडे विश्व कप जीतने की चाहत हो सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उनके दिमाग में यह बात होगी कि भारत उनकी कप्तानी में पिछले वनडे विश्व कप के फाइनल में हार गया था। वह वनडे विश्व कप जीतने के लिए एक और कोशिश करना चाहते होंगे। जिस तरह से उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शानदार पारी खेली उससे आप यह नहीं कह सकते हैं कि वह चुक गए हैं।